THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 147 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.14 2082 शुक्रवार, 22 अगस्त-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

लोकसभा में 120 घंटे की जगह 37 घंटे ही चर्चा हो सकी, 12 बिल पास हुए

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र का आज आखिरी दिन है। सत्र की शुरूआत 21 जुलाई से हुई थी। दोनों सदनों में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को छोड़कर इस सत्र में बहुत कम कामकाज हुआ है। एक महीने लंबे सत्र के दौरान लोकसभा ने 12 और राज्यसभा ने 14 विधेयक पास किए, लेकिन बार-बार व्यवधान, स्थगन और बायकॉट जारी रहा। आखिरी दिन की कार्यवाही के दौरान लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने बताया कि सदन में 120 घंटे चर्चा का समय निर्धारित किया गया था सिर्फ 37 घंटे ही चर्चा हो सकी।

महिला समेत दो बड़े माओवादी नेताओं ने किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के दो वरिष्ठ भूमिगत नेताओं ने तेलंगाना पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है।

राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी. सुधीर बाबू के समक्ष आत्मसमर्पण करने वालों में कई छद्म नामों से जानी जाने वाली 62 वर्षीया ककारला सुनीता उर्फ शारदा सीपीआई (माओवादी) की दांडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीके एसजेडसी) की वरिष्ठ राज्य समिति सदस्य (एससीएम) हैं और क्षेत्रीय राजनीतिक विद्यालय (रेपोस) और शिक्षा विभागीय समिति (ईडीसी) की भी सदस्य हैं। इसी तरह आत्मसमर्पण करने वाला दूसरा माओवादी लीडर 35 वर्षीय चेन्नूरी हरीश उर्फ रामन्ना तेलंगाना राज्य समिति की मंगई-इंद्रावेल्ली क्षेत्र समिति, केएम डीवीसी के एरिया कमेटी सदस्य (एसीएम) हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी. सुधीर बाबू ने बताया कि तेलंगाना सरकार और पुलिस विभाग द्वारा प्रदान किए जा रहे विभिन्न कल्याणकारी उपायों और मुख्यधारा में लौटे लोगों को दिए जा रहे समर्थन से प्रेरित होकर, इन माओवादी नेताओं ने अपने परिवारों के साथ शांतिपूर्ण जीवन जीने का फैसला किया। उन्होंने सीपीआई (माओवादी) आंदोलन में चार दशक की सेवा के बाद सामाजिक मुख्यधारा में वापसी की है। इस आत्मसमर्पण को तेलंगाना पुलिस द्वारा अपनाई गई रणनीतियों की सफलता के रूप में देखा जा रहा है। सुनीता ने करीब चार दशक संगठन में काम किया है। दोनों ने ही कई घटनाओं में अहम भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग ने तेलंगाना के सभी भूमिगत माओवादियों से अपने पैतृक गांवों में लौटने और तेलंगाना के विकास में भाग लेने का आग्रह किया है। पुलिस ने यह भी आश्वासन दिया है कि मुख्यधारा में शामिल होने वाले प्रत्येक माओवादी को तेलंगाना सरकार द्वारा घोषित पुनर्वास योजना के तहत लाभ प्रदान किए जाएंगे और उनके स्वतंत्र जीवन के लिए हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। सीपी ने कहा कि हाल के महीनों में पुलिस के ऑपरेशन चेयुता जैसे कार्यक्रमों के तहत आत्मसमर्पण करने वालों को कल्याणकारी उपाय और विकास पहल के बारे में जानने के बाद माओवादी आत्मसमर्पण कर रहे हैं। पुलिस का अनुमान है कि इस साल अब तक, तेलंगाना में 122 माओवादी कैडरों और मिलिशिया सदस्यों ने आत्मसमर्पण किया है, जो दर्शाता है कि सरकार और पुलिस के प्रयास रंग ला रहे हैं और अधिक से अधिक लोग हिंसा का रास्ता छोड़कर शांतिपूर्ण जीवन अपना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह आत्मसमर्पण न केवल माओवादी आंदोलन को कमजोर करने में सहायक होगा, बल्कि यह क्षेत्र में विकास और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को भी बढ़ावा देगा। तेलंगाना पुलिस और सरकार दोनों ही दृढ़ता से माओवादियों से हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में लौटने और एक बेहतर भविष्य के निर्माण में भागीदार बनने का आग्रह कर रही है। यह घटना इस बात का प्रमाण है कि बातचीत और पुनर्वास के माध्यम से संघर्षों का समाधान संभव है।

'न्यायिक सक्रियता, न्यायिक आतंकवाद नहीं बननी चाहिए'

समय-सीमा तय करने के मामले में बोले सीजेआई

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए विधेयक को मंजूरी देने की समय सीमा तय करने के मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि न्यायिक सक्रियता, न्यायिक आतंकवाद नहीं बनना चाहिए। गुरुवार को सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि निर्वाचित लोगों को काफी अनुभव होता है और उसे कमतर नहीं आंका जाना चाहिए। इस पर सीजेआई जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि हमने कभी भी निर्वाचित लोगों के बारे में कुछ नहीं कहा है। मैंने हमेशा कहा है कि न्यायिक सक्रियता, कभी भी न्यायिक आतंकवाद या न्यायिक रोमांच नहीं बनना चाहिए।

अब जनप्रतिनिधि सीधे जनता के सवालों का जवाब देते हैं :

पीठ में सीजेआई जस्टिस गवई के अलावा जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिएस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदूरकर भी शामिल हैं। तुषार मेहता ने अपने सबमिशन में सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला दिया, जिसमें राज्यपालों की शक्तियों पर बात की गई। इस मामले पर सुनवाई लगातार तीसरे दिन भी जारी रही। मेहता ने कहा कि निर्वाचित लोग सीधे तौर पर जनता का सामना करते हैं। अब लोग जनप्रतिनिधियों से सवाल करते हैं। 20-25 साल पहले हालात अलग थे। अब मतदाता जागरूक हैं और उन्हें हल्के में नहीं लिया जा सकता।

मेहता ने कहा- राज्यपाल के पास विधेयक को मंजूरी न देने की शक्ति :

मेहता ने कहा कि राज्यपाल के पास मंजूरी रोकने का पूरा अधिकार है, जो उन्हें संविधान के अनुच्छेद 200 से मिला हुआ है। बुधवार को सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर कोई विधेयक दूसरी बार राज्यपाल की मंजूरी के लिए उनके पास भेजा जाए तो राज्यपाल उसे राष्ट्रपति के पास विचार करने के लिए नहीं भेज सकते।

18+ उम्र वालों का नया आधार कार्ड नहीं बनेगा

गुवाहाटी, 21 अगस्त (एजेंसियां)। असम में 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों का नया आधार कार्ड नहीं बनेगा। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा- असम कैबिनेट ने अवैध प्रवासियों को भारतीय नागरिकता से रोकने के लिए यह फैसला लिया है।

सीएम हिमंत ने बताया कि राज्य में 18 साल से अधिक उम्र के जिन लोगों के पास अभी तक आधार कार्ड नहीं है, उन्हें आवेदन के लिए एक महीने का समय दिया जाएगा। अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और चाय जनजाति के 18+ आयु वाले एक साल तक आधार कार्ड बनवा सकेंगे। असम में कुछ खास वर्गों को छोड़कर बाकी सभी लोगों को आधार कार्ड मिल चुका है। अब नए आधार कार्ड सिर्फ डिप्टी कमिश्नर (डीसी) ही बहुत ही विशेष मामलों में जारी करेंगे, ताकि अवैध घुसपैठियों की ओर से आने वाले आवेदनों पर सख्त निगरानी रखी जा सके। हमने लगातार बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा पर वापस भेजा है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कोई भी अवैध विदेशी असम में आकर आधार कार्ड न बनवा सके और खुद को भारतीय नागरिक साबित न कर सके। हमने इस रास्ते को पूरी तरह बंद कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अक्टूबर में सिटिजनशिप एक्ट की धारा 6ए की वैधता को बरकरार रखा था।

ट्रेन में ज्यादा सामान ले जाने पर नहीं लगेगा कोई जुर्माना

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। ट्रेन में एक्स्ट्रा सामान ले जाने पर कोई भी जुर्माना नहीं लगेगा। इस बारे में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सारी स्थिति स्पष्ट कर दी है। इससे पहले खबर आई थी कि ट्रेन में सफर के दौरान एक्स्ट्रा सामान ले जाने पर फ्लाइट से तरह एक्स्ट्रा पैसा देना होगा। इस खबर के बाद कई राजनीतिक दलों ने इसका विरोध किया था। अब रेल मंत्री ने इन खबरों का खंडन किया है। अश्विनी वैष्णव ने आज तक से एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि यात्री पहले ही तरह ट्रेन में एक्स्ट्रा सामान ले जा सकेंगे। एक्स्ट्रा सामान ले जाने पर यात्री को किसी भी तरह का कोई जुर्माना नहीं देना होगा। उन्होंने कहा कि काफी वर्षों से रेल यात्री अपने साथ अतिरिक्त सामान लेते जाते रहे हैं। ऐसा कोई नया नियम नहीं बना है कि अब लिमिट से ज्यादा सामान होने पर यात्री को अतिरिक्त पैसा देना होगा। अभी कुछ दिनों पहले ही खबर आई थी कि रेल यात्री अब विमानों की तरह एक लिमिट में ही सामान ले जा सकेंगे।

किस तरह अहम मुद्दों पर चर्चा बाधित की जा रही, देश की जनता सब देख रही है, बिरला की फटकार

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राजनीतिक दलों से अपने बर्ताव पर नियंत्रण रखने का आह्वान किया। बिरला ने कहा कि संसद के अंदर और बाहर सांसदों की भाषा गरिमामय होनी चाहिए। लोकसभा स्पीकर ने सांसदों को लताड़ लगाते हुए कहा कि सदन में विपक्ष का आचरण लोकतंत्र के मूल्यों के अनुरूप नहीं रहा।

ये संसद की गरिमा के अनुसार नहीं है। देश की जनता देख रही है कि किस तरह से अहम मुद्दों पर चर्चा को बाधित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस सत्र में 419 सवाल किए गए, जिसमें से सिर्फ 55 के मौखिक उत्तर दिए जा सके। पूरे सत्र के दौरान चर्चा का समय 120 घंटे निर्धारित किया गया था, लेकिन 37 घंटे ही चर्चा हो सकी। लोकसभा में 12 विधेयक पारित हुए। इससे पहले गुरुवार को सुबह 11 बजे शुरू हुई लोकसभा की कार्यवाही तुरंत ही स्थगित कर दी गई। इसके बाद सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे फिर शुरू हुई, जिसमें ओम बिरला ने इस बात पर खेद व्यक्त किया कि पूरे सत्र के दौरान बार-बार कार्यवाही बाधित करने के प्रयास किए गए। उन्होंने कहा कि यह सभी के लिए आत्मचिंतन का समय है।

अमित शाह और राजनाथ सिंह को मिली एक और बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में सुधारों के सुझाव देने के लिए दो नए अनौपचारिक मंत्री समूह गठित किए हैं। अमित शाह को इकोनॉमी सेक्टर की जिम्मेदारी दी गई है।

इस समूह में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सहित 13 सदस्य हैं, जबकि रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव इसके संयोजक हैं। यह समूह वित्त, उद्योग, वाणिज्य अवसंरचना, रसद, संसाधन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, और शासन सहित प्रौद्योगिकी और आर्थिक क्षेत्रों में विधायी और नीतिगत सुधार एजेंडा तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। वहीं, सामाजिक कल्याण और सुरक्षा क्षेत्रों पर गठित दूसरे 18-सदस्यीय समूह का नेतृत्व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। यह समूह शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रक्षा, कौशल विकास, सामाजिक कल्याण, आवास, श्रम, जन स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में सुधारों की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करेगा। इस समूह में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और श्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया को संयोजक नियुक्त किया गया है।

इन समूहों का गठन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस के संबोधन के बाद किया गया है, जहां उन्होंने अपनी स्पीच में अगली पीढ़ी के सुधारों की आवश्यकता पर जोर दिया था और एक टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की थी। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा था कि मौजूदा नियमों, कानूनों, नीतियों और प्रक्रियाओं को 21वीं सदी के अनुसार वैश्विक परिवेश के अनुकूल और 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के दृष्टिकोण के अनुरूप नए सिरे से तैयार किया जाना चाहिए।

'हम नहीं, चीन है रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार'

> विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिका और यूरोप पर साधा निशाना

मॉस्को, 21 अगस्त (एजेंसियां)। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने गुरुवार को अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा, हमें आपको मॉस्को में देखकर खुशी हो रही है। मुझे पता है कि आपका कल का दिन व्यस्त था। आपने उप प्रधानमंत्री डेनिस मांतुरोव के साथ व्यापार और आर्थिक मामलों की अंतर-सरकारी आयोग की बैठक की, जो सफल रही।

लावरोव ने कहा, मुझे उम्मीद है कि आज हमें राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा का अवसर मिलेगा। हम अपने संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के रूप में देखते हैं और हमें उम्मीद है कि हम इन संबंधों को पूरी तरह सही ठहराएंगे। उन्होंने आगे कहा, हम अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में एक नई व्यवस्था बनते हुए देख रहे हैं, जो एक बहुध्रुवीय व्यवस्था है। इसमें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ), ब्रिक्स और जी-20 की भूमिका बढ़ती जा रही है और निश्चित रूप से संयुक्त राष्ट्र एक ऐसा मंच है, जहां सभी मौजूदा और भविष्य के शक्तिकेंद्र देश आपस में सहयोग, समझौते और संतुलित दृष्टिकोण से काम कर सकते हैं। रूस ऐसे संतुलित दृष्टिकोण का समर्थन करता है। मुझे आपसे मिलकर खुशी हो रही है और मुझे आज की चर्चाओं से अच्छे परिणाम की उम्मीद है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने क्या कहा

वहीं, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, आज की बैठक हमारे लिए एक अवसर है कि हम अपने राजनीतिक संबंधों पर चर्चा करें। साथ अपनी द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा भी करें। जयशंकर ने कहा, मैं राजनीति, व्यापार, निवेश, रक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और लोगों के आपसी संबंधों पर विचारों के आदान-प्रदान की उम्मीद करता हूं। हमारे नेताओं ने पिछले साल जुलाई में 22वें वार्षिक शिखर सम्मेलन में और फिर कजान मं मुलाकात की थी। अब हम साल के अंत में होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन की तैयारी कर रहे हैं। हमारे नेताओं ने हमेशा हमें विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने का मार्गदर्शन दिया है। उन्होंने आगे कहा, जैसाकि आपने भी जिक्र किया कि कल हमारी (रूसी उप प्रधानमंत्री) डेनिस मांतुरोव के साथ अंतर-सरकारी आयोग की बहुत कामयाब बैठक रही। हमने द्विपक्षीय सहयोग के कई मुद्दों पर चर्चा की और कई समाधान भी निकाले। जयशंकर ने कहा, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से भारत और रूस के संबंध दुनिया के सबसे स्थिर और मजबूत संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा, ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापार और निवेश के जरिए सहयोग बनाए रखना भी बहुत जरूरी है।

व्यापार असंतुलन को ठीक करना जरूरी :

उन्होंने बताया, हमने आपसी समझ के साथ द्विपक्षीय व्यापार को संतुलित और टिकाऊ तरीके से बढ़ाने की अपनी साझा इच्छा दोहराई है। इसके लिए भारत को रूस को होने वाले निर्यात को बढ़ाना जरूरी है। इसके लिए गैरजरूरी शुल्क बाधाओं और नियमों से जुड़ी अड़चनों को जल्दी दूर करना होगा। भारत के कृषि, दवा और वस्त्र जैसे क्षेत्रों से निर्यात बढ़ाकर इस व्यापार असंतुलन को ठीक किया जा सकता है।

पीएम-सीएम और मंत्रियों की गिरफ्तारी वाला बिल राज्यसभा में पेश

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। राज्यसभा ने गुरुवार को तीन महत्वपूर्ण विधेयकों को संयुक्त समिति (जॉइंट कमेटी) को भेजने का प्रस्ताव मंजूर कर दिया। इन विधेयकों में वह प्रावधान भी शामिल है, जिसके तहत अगर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री गंभीर आपराधिक मामलों में 30 दिनों से अधिक समय तक जेल में रहते हैं, तो उन्हें पद से हटाया जा सकेगा।

गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में 'मोषन फॉर रेफरेंस ऑफ बिल्स टू जॉइंट कमेटी' पेश किया। इस प्रस्ताव में तीन विधेयक शामिल थे। भारत के संविधान में संशोधन का बिल, सरकार के केंद्र शासित प्रदेश अधिनियम 1963 से जुड़ा संशोधन बिल और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 से जुड़ा संशोधन बिल। इन तीनों को लेकर राज्यसभा ने सहमति जताई कि इन्हें और विस्तार से देखने के लिए संयुक्त समिति को भेजा जाए। इन तीनों बिलों को अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में पेश किया था। लोकसभा ने भी इन पर चर्चा के बाद इन्हें संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव पारित किया। समिति में कुल 31 सदस्य होंगे, जिनमें 21 लोकसभा और 10 राज्यसभा से होंगे। अब समिति को इन विधेयकों की गहन समीक्षा करने और रिपोर्ट पेश करने का दायित्व सौंपा गया है। निर्णय के मुताबिक, यह संयुक्त समिति अपनी रिपोर्ट संसद के शीतकालीन सत्र में पेश करेगी। शीतकालीन सत्र नवंबर के तीसरे सप्ताह से शुरू होने की संभावना है। इस दौरान समिति को विधेयकों के कानूनी, संवैधानिक और व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तृत अध्ययन करना होगा। खासकर इस प्रावधान पर ध्यान रहेगा कि यदि कोई प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री गंभीर आपराधिक मामले में जेल जाता है तो उसकी स्थिति क्या होगी। राज्यसभा में यह प्रस्ताव शोर-शराबे और विपक्षी हंगामे के बीच पारित हुआ। कई विपक्षी दलों ने विधेयकों पर सवाल उठाए, लेकिन अंततः सदन ने बहुमत से इसे मंजूरी दे दी।

शुभांशु शुक्ला बोले-स्पेस मिशन में डर लगता है

लेकिन आपके पीछे भरोसेमंद टीम, जिसे आप जिंदगी सौंप देते हैं

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। इंडियन एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला ने कहा कि एक्सियम मिशन के तहत हम इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में दो हफ्ते रहे। मैं मिशन पायलट था, मैं कमांडर था मैं सिस्टम को कमांड कर रहा था। आईएसएस में दो हफ्ते के दौरान हमने कई एक्सपेरिमेंट किए। कुछ तस्वीरें लीं। इसके लिए हमने कई ट्रेनिंग ली। यह एक अलग ही अनुभव था।

दिल्ली में मीडिया सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शुभांशु ने कहा- अगर हम कहें कि डर कभी नहीं लगता, ये कहना गलत होगा।

डर सबको लगता है लेकिन हमारे पीछे एक भरोसेमंद टीम होती है जिसे हम अपनी जिंदगी सौंप देते हैं।

शुभांशु शुक्ला की प्रेस कॉन्फ्रेंस, 2 बड़ी बातें...

> ह्यूमन स्पेस मिशन को अंजाम देने का फायदा सिर्फ ट्रेनिंग तक ही सीमित नहीं है। वहां रहकर जो अतिरिक्त ज्ञान हमें मिलता है, वह अमूल्य है। पिछले एक साल में मैंने जो भी जानकारी इकट्ठा की है, वह हमारे अपने मिशनों, गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए बेहद उपयोगी होगी।

> बहुत जल्द हम अपने कैप्सूल से, अपने रॉकेट से और अपनी धरती से किसी को अंतरिक्ष में भेजेंगे। यह अनुभव जमीन पर सीखे गए अनुभवों से बहुत अलग होता है। शरीर कई बदलावों से गुजरता है। अंतरिक्ष में 20 दिन बिताने के बाद शरीर ग्रेविटी में रहना भूल जाता है।

शुभांशु का अगला मिशन गगनयान होगा, इसकी तैयारी करेंगे :

शुभांशु का अगला मिशन गगनयान होगा। यह इसरो का ह्यूमन स्पेस मिशन है। इसके तहत 2027 में स्पेसक्राफ्ट से वायुसेना के तीन पायलट्स को स्पेस में भेजा जाएगा। ये पायलट 400 किमी के ऑर्बिट पर 3 दिन रहेंगे, जिसके बाद हिंद महासागर में स्पेसक्राफ्ट की लैंडिंग कराई जाएगी। मिशन की लागत करीब 20,193 करोड़ रुपये है।

गगनयान मिशन के लिए अभी वायुसेना के चार पायलट्स को चुना गया है, जिनमें से एक ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला हैं। शुभांशु इसीलिए एक्सियम मिशन के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गए थे।

गगनयान के जरिए पायलट्स को स्पेस में भेजने से पहले इसरो दो खाली टेस्ट फ्लाइट भेजेगा। तीसरी फ्लाइट में रोबोट को भेजा जाएगा। इसकी सफलता के बाद चौथी फ्लाइट में इंसान स्पेस पर जा सकेंगे। पहली टेस्ट फ्लाइट इस साल के अंत तक भेजी जा सकती है।

रिहायशी इलाकों से हटाई जाएगी सेना

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के द्वारा जम्मू-कश्मीर से जुड़े विधेयक को लोकसभा में पेश करने के बाद, इस केंद्र शासित प्रदेश में अर्ध सैनिक बलों की नए सिरे से तैनाती की जा रही है। इस संबंद में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आदेश दिया है। सरकार से जुड़े अफसरों के मुताबिक, जम्मू और कश्मीर के रिहायशी इलाकों से धीरे-धीरे सेना को हटाया जाएगा और यहां की आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआरपीएफ को सौंपी जाएगी। अफसरों का यह भी कहना है कि रिहायशी इलाकों में राष्ट्रीय राइफल्स की जगह सीआरपीएफ के जवानों को तैनात किया जाएगा जबकि सेना के आतंकवाद रोधी बल को बॉर्डर एरिया में सीमित रखा जाएगा। इस काम को बेहतर ढंग से करने के लिए सीआरपीएफ की चार अतिरिक्त बटालियनों को जम्मू-कश्मीर भेजा गया है।

आप जिएं-मरें तड़पते रहें, इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार वोट चोरी के मामले को उठा रहे हैं। वोट चोरी के कथित आरोपों के खिलाफ राहुल गांधी बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाल रहे हैं। इसी दौरान गुरुवार को राहुल गांधी ने कहा कि, जो सरकार वोट चोरी से बनी हो, क्या उसका इरादा कभी जनसेवा हो सकता है?

राहुल गांधी ने मोदी सरकार और चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं आप सभी से एक सीधा सवाल पूछना चाहता हूं, जो सरकार वोट चोरी से बनी हो, क्या उसका इरादा कभी जनसेवा हो सकता है? नहीं ना! उन्हें आपके वोट की जरूरत ही नहीं, इसलिए आपकी समस्याओं की परवाह भी नहीं। आज की स्थिति आपके सामने है- रिकॉर्ड तोड़ बेरोजगारी के कारण युवाओं के भविष्य बर्बाद हो रहे हैं। सरकार पूंजीपतियों के खजाने भरती रही!

राहुल ने ट्वीट कर लिखा कि नीट, एसएससी, पेपर लीक जैसे घोटालों ने लाखों छात्रों के करियर तबाह कर दिए। सरकार ने मुंह ही फेर लिया! महंगाई आसमान छू रही है, जिससे आम आदमी का जीना दूभर हो गया है। मगर, सरकार टैक्स बढ़ाती गई! रेल हादसों और सड़कों, पुलों जैसे बुनियादी ढांचों के टूटने में सैकड़ों निर्दोष लोगों की असमय मृत्यु हुई। मगर सरकार ने जवाबदेही तक नहीं तय की।

आतंकवादी घटनाओं को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा, पहलगाम से लेकर मणिपुर तक आतंक और हिंसा की घटनाएं हुईं- सैकड़ों लोग मरे। सरकार ने ज़िम्मेदारी तक नहीं ली! नोटबंदी, कोरोना और किसान आंदोलन में लाखों लोगों की जान गई। प्रधानमंत्री ने सहायता तो दूर, संवेदना तक नहीं दिखाई! क्यों? क्योंकि यह सरकार आपकी चुनी नहीं, वोट चोरी से बनी है। आप जिएं, मरें, तड़पते रहें- इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। इन्हें भरोसा है कि जनता वोट दे या न दे, वो चोरी से फिर सत्ता में आ ही जाएंगे। वोट चोरी को लेकर राहुल ने आगे लिखा, साफ-सुथरी वोटर लिस्ट स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की बुनियाद है। अपने मताधिकार को यूं जाने मत दीजिए- क्योंकि आपके सारे अधिकार इसी बुनियाद पर टिके हैं। अपनी सरकार चुनिए- जो सचमुच आपकी हो, आपकी जिम्मेदारी उठाए और आपके प्रति जवाबदेह हो।

हमले के बाद सीएम रेखा गुप्ता को Z सिक्योरिटी

20+ हथियारबंद सीआरपीएफ जवान 24 घंटे तैनात रहेंगे, कल जनसुनवाई के दौरान हमला हुआ था

नई दिल्ली,21 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को केंद्र सरकार ने Z कैटेगरी की सुरक्षा प्रदान की है। सीएम सिक्योरिटी में 22 से 25 हथियारबंद जवान 24 घंटे तैनात रहेंगे। गुप्ता और उनके आधिकारिक आवास की सुरक्षा अर्धसैनिक बल का सिक्योरिटी ग्रुप करेगा। यह ग्रुप केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सोनिया-राहुल और प्रियंका गांधी की सुरक्षा में भी तैनात है। दरअसल, रेखा पर 20 अगस्त की सुबह करीब 8.15 बजे जनसुनवाई के दौरान एक शख्स ने हमला कर दिया। आरोपी गुजरात के राजकोट का रहने वाला राजेशभाई खीमजी है, जिसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया था।

आरोपी को बुधवार रात दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के द्वारका में एक मजिस्ट्रेट के घर पर पेश किया गया। इसके बाद उसे 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। राजेश पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया गया है।

गुजरात में भी राजेश पर चाकूबाजी समेत 5 केस पहले से दर्ज हैं। हालांकि, गिरफ्तारी के दौरान उसके पास कोई हथियार नहीं मिला। इंटेलिजेंस ब्यूरो और दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल उससे पूछताछ कर रही है।

गठबंन उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी ने नामांकन किया

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और सोनिया-राहुल समेत कई नेता मौजूद रहे; 9 सितंबर को चुनाव

नई दिल्ली,21 अगस्त (एजेंसियां)। विपक्षी गठबंधन के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार सुप्रीम कोर्ट से रिटायर्ड जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी ने गुरुवार को नामांकन भरा। रेड्डी ने चार सेट में नामांकन दाखिल किया। खड़गे समेत 20 नेता प्रस्तावक बने।

नामांकन के समय लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सोनिया गांधी, एनसीपी प्रमुख शरद पवार सहित कई बड़े नेता मौजूद रहे।

रेड्डी ने नामांकन दाखिल करने से पहले संसद परिसर में प्रेरणा स्थल पर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 9 सितंबर को होगा। नामांकन दाखिल करने के बाद बी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि यह चुनाव केवल एक व्यक्ति का चुनाव नहीं है, बल्कि भारत के उस विचार से जुड़ा है जहां संसद ईमानदारी से काम करती है, असहमति का सम्मान किया जाता है और संस्थाएं स्वतंत्रता और निष्पक्षता के साथ लोगों की सेवा करती हैं। रेड्डी ने आगे कहा कि अगर वे चुने जाते हैं, तो उपराष्ट्रपति पद को निष्पक्षता, गरिमा, संवाद और शिष्टाचार के साथ निभाएंगे।

रेड्डी का मुकाबला एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से है। खास बात है कि दोनों उम्मीदवार दक्षिण से हैं। रेड्डी 21 अगस्त को नामांकन करेंगे। उन्होंने बुधवार को नॉमिनेशन भर दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी पहले प्रस्तावक बने। 79 साल के रेड्डी गुवाहाटी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और गोवा के पहले लोकायुक्त रह चुके हैं। वे आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं। 2007 में सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया गया था।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी। उसी दिन काउंटिंग भी होगी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 21 अगस्त है। 25 अगस्त तक उम्मीदवारी वापस ली जा सकती है।

दरअसल, उपराष्ट्रपति का चुनाव जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई की रात अचानक इस्तीफा देने की वजह से हो रहा है। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।

स्कूल में छात्र की हत्या के विरोध में प्रदर्शन जारी

अहमदाबाद,21 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद में सेवेंथ डे स्कूल में 10वां के एक छात्र ने क्लास के एक स्टूडेंट की चाकू मारकर हत्या कर दी। वारदात मंगलवार दोपहर की है। घायल स्टूडेंट को अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जहां देर शाम उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद स्कूल और आसपास के इलाके में तनाव का माहौल है। युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने मणिनगर और आसपास के इलाकों में बंद का ऐलान किया है। इसके चलते पूरे मणिनगर, खोखरा, इसनपुर इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

सेवेंथ डे स्कूल के बाहर भी पुलिस का पहरा है। विरोध में सिंधी मार्केट बुधवार शाम से ही पूरी तरह से बंद है। आज मणिनगर, खोखरा, इसनपुर इलाकों के लगभग 200 स्कूल बंद में शामिल हुए हैं। वहीं, सेवेंथ डे स्कूल ने सुरक्षा कारणों से स्कूल को अगले कुछ दिनों तक बंद रखने का फैसला किया है।

खोखरा पुलिस के मुताबि पुलिस जांच में पता चला है कि कुछ दिनों पहले इन स्टूडेंट्स के बीच कहासुनी हो गई थी।

रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड, बद्रीनाथ-गंगोत्री हाईवे बंद

ताजमहल तक पहुंची यमुना, पोरबंदर में घर डूबे; हिमाचल में अब तक 145 मौतें

नई दिल्ली, ,21 अगस्त (एजेंसियां)। देश के पश्चिमी हिस्से महाराष्ट्र और गुजरात में बारिश के कारण जन-जीवन प्रभावित हुआ है। दोनों राज्यों में आज रेड अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश में यमुना के कारण कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। यमुना का पानी ताजमहल तक पहुंच गया है। 40 गांव अलर्ट पर हैं। मथुरा में यमुना नदी कटान के बाद अपना मूल रास्ता छोड़कर 2km दूर बह रही हैं।

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में लैंडस्लाइड के कारण बद्रीनाथ हाईवे बंद हो गया है। गंगोत्री हाईवे धरासू पुराना थाना और सोनागढ़ के पास ब्लॉक है। यमुनात्री हाईवे भी नारदचट्टी के पास बंद है। कुथनौर में ट्रैफिक शुरू हो गया है। बाकी जगहों पर मलबा हटाने का काम जारी है।

इधर, गुजरात के तटीय जिलों में बुधवार को भारी बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात बन गए। जूनागढ़ जिले में 12 घंटों में 331mm बारिश हुई। एडीआरएफ ने पोरबंदर जिले के एक स्कूल में फंसे 46 बच्चों और 4 टीचर्स को बचाया। वहीं, महाराष्ट्र में तेज बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने बुधवार को राज्य के कुछ इलाकों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बीते दिन मुंबई में 107.4एमएम बारिश हुई। ठाणे जिले में पानी से भरी खदान में गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। हिमाचल प्रदेश में 20 जून से अब तक बारिश से जुड़े हादसों में 145 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य में बारिश के कारण हुए हादसों में 2281 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

गुजरात के जूनागढ़ में बुधवार से हो रही मूसलाधार बारिश से मधुवंती नदी में बाढ़ आ गई है। बाढ़ से चिरोदा और समाधियाला गांवों जलमग्न हो गए हैं। दोनों गांवों से लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट कर दिया गया है।

ऐसा ही हाल घेड़ तालुका का है। यहां पिछले 24 घंटों में 8 इंच बारिश से बाढ़ के हालात बन गए हैं। बुधवार रात को बाढ़ में फंसे गांववालों को जेसीबी की मदद से निकाला गया। वंथली-केशोद में बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने के लिए एनडीआरएफ की टीम लगाई गई है।

मनीषा का 9वें दिन अंतिम संस्कार

छोटे भाई ने दी मुखाग्नि पिता फूट-फूटकर रोए भिवानी में इंटरनेट बैन बढ़ा, चरखीदादरी से हटा

भिवानी,21 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के भिवानी की लेडी टीचर मनीषा का गुरुवार को 9वें दिन अंतिम संस्कार कर दिया गया। मनीषा को उनके छोटे भाई नितेश (13) ने मुखाग्नि दी। इस दौरान पिता संजय फूट-फूट कर रोए। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा।

मनीषा के शव को गुरुवार सुबह 8 बजे भिवानी के सिविल अस्पताल से सीधा गांव ढाणी लक्ष्मण के श्मशान घाट लाया गया। इस दौरान काफी संख्या में ग्रामीण मनीषा को अंतिम विदाई देने पहुंचे। उन्होंने मनीषा अमर रहे के नारे भी लगाए। अंतिम संस्कार को लेकर गांव में पुलिस तैनात रही। इसके साथ रैपिड एक्शन फोर्स भी मौजूद रही। पुलिस ने बंद रास्तों को जेसीबी के जरिए खुलवाया।

हालांकि सरकार को अभी भी भिवानी में लॉ एंड ऑर्डर का मुद्दा लग रहा है, जिस वजह से भिवानी में इंटरनेट बैन को 22 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए बढ़ा दिया गया है। पहले यह 19 अगस्त की सुबह 11 बजे से 21 अगस्त की सुबह 11 बजे तक के लिए बंद किया गया था। वहीं चरखी दादरी से इंटरनेट बैन हटा लिया गया है।

बता दें कि मनीषा 11 अगस्त को घर से निकली थी। 13 अगस्त को उसकी लाश मिली थी। जिसके बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताई। पुलिस ने मनीषा का पहला पोस्टमॉर्टम भिवानी के सिविल अस्पताल में कराया। मगर, परिजनों ने लाश लेने से इनकार कर दिया।

मछली परिवार की कोठी पर चला बुलडोजर

भोपाल में सरकारी 15 हजार स्क्वायर फीट पर बनाई तीन मंजिला इमारत, कीमत 25 करोड़

भोपाल,21 अगस्त (एजेंसियां)। भोपाल में ड्रग तस्करी और रेप केस के आरोपी यासीन और शाहवर मछली के परिवार की तीन मंजिला कोठी पर गुरुवार को जिला प्रशासन का बुलडोजर चला। इससे पहले कोठी में रखा सामान बाहर निकाला गया। 6 जेसीबी और पोकलेन मशीन निर्माण तोड़ने में लगी हैं।

एसडीएम विनोद सोनकिया समेत जिला प्रशासन, पुलिस और नगर निगम का अमला मौके पर पहुंचा है। वहां मौजूद पुलिस अधिकारी ने बताया कि कोठी का निर्माण सरकारी जमीन पर किया गया है, इसलिए पूरी इमारत को तोड़ा जा रहा है। मौके पर करीब 400 पुलिसकर्मी तैनात है।

बता दें, भोपाल पुलिस ने कॉलेज छात्राओं से जुड़े रेप-ब्लैकमेलिंग केस में शाहवर मछली और उसके भतीजे यासीन को गिरफ्तार किया था। इन दोनों की गिरफ्तारी के बाद चाचा शारिक मछली भी पुलिस की गिरफ्त में आया।

कोठी जमींदोज करने के दौरान राजेश तिवारी नाम का शख्स हाथ में तिरंगा लेकर पहुंचा। बोला- मैं और मेरे जैसे कई परिवार मछली परिवार से पीड़ित रहे हैं। आगे केवल मैं आया हूं। आगे आने का नतीजा ये है कि जोन-1 के डीसीपी शशांक जी सिर्फ जांच ही जांच कर रहे हैं। मैं दो बार पुलिस कमिश्नर से मिला। उन्होंने मेरे सामने ही फोन किया कि कार्रवाई कीजिए। इसके बावजूद डीसीपी ने कार्रवाई नहीं की। रिपोर्ट दर्ज कीजिए। इसके बाद भी क्या दबाव है कि डीसीपी ने कार्रवाई नहीं की।

तिवारी ने कहा कि 29 अक्टूबर 2021 को शारिक मछली और उनके तीन साथी लाल रंग की थार से आए और मुझे उठाकर फार्म हाउस पर ले गए। रातभर मेरे साथ मारा-पीटी की और मुझे मादक दृव्य दिया गया। दूसरे दिन मुझे होश आया तो इन्होंने मुझे फिर मारा। इसके बाद मेरे फोन से अपने एक साथी को 50 हजार रुपए ट्रांसफर किए। इसका प्रूफ मैंने पुलिस को दिया। पुलिस ने उस व्यक्ति को बुलाया तो उसने कहा- राजेश तिवारी बकरा खरीदने आए थे और पुलिस उसकी बात को मान भी रही है।

झांसी में पूर्व प्रधान ने गर्लफ्रेंड के किए 7 टुकड़े

3 कुएं में डाले, बाकी नदी में फेंके; शादी का दबाव बना रही थी

झांसी,21 अगस्त (एजेंसियां)। झांसी में पूर्व प्रधान ने अपनी गर्लफ्रेंड की गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद लाश को 7 टुकड़ों में काटा डाला। 3 टुकड़े बोरियों में भरकर कुएं में फेंक दिए। बाकी टुकड़ों को 7 किलोमीटर दूर नदी में फेंक आया। 9 अगस्त को हुई इस वारदात में उसके 2 साथी भी शामिल थे।

इसके 4 दिन बाद 13 अगस्त को कुएं के अंदर 2 बोरियों में 2 टुकड़े मिले, तो सनसनी फैल गई। इसके बाद पुलिस की 18 टीमों ने मिलकर मामले की छानबीन की। तब जाकर मंगलवार को शव की शिनाख्त रचना यादव (35) के रूप में हो पाई।

इसके बाद पुलिस कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए बुधवार को महेवा गांव के पूर्व प्रधान संजय पटेल और उसके भतीजे संदीप पटेल को गिरफ्तार कर लिया। दोनों की निशानदेही पर पुलिस ने नदी के अंदर से महिला का सिर समेत अन्य बॉडी के पार्ट बरामद कर लिए। पुलिस ने संजय पटेल और संदीप पटेल को जेल भेज दिया है। अभी एक आरोपी प्रदीप उर्फ दीपक अहिरवार फरार है।

13 अगस्त को टोड़ीफतेहपुर थाना क्षेत्र के किशोरपुरा गांव में रहने वाला विनोद पटेल अपने खेत पर गया था। उसके खेत में बने कुएं से तेज बदबू आ रही थी। विनोद ने कुएं में झांककर देखा, तो पानी में दो बोरियां तैर रही थीं। उसने तुरंत पुलिस और गांववालों को इस बारे में बताया। पुलिस ने लोगों की मदद से दोनों बोरियों को कुएं से बाहर निकलवाया। एक बोरी में महिला का गर्दन से लेकर कमर तक का हिस्सा था। जबकि, दूसरी बोरी में कमर से लेकर जांघ तक का हिस्सा भरा था। महिला के हाथ-पैर और सिर गायब थे। इसके बाद कुएं को खाली करवाया गया। तब एक हाथ भी मिल गया।

लेकिन, बिना सिर के महिला के शव की शिनाख्त नहीं हो पा रही थी। इसके बाद सोमवार (18 अगस्त) को पोस्टमॉर्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार करा दिया गया। फिर इस हत्याकांड की जांच करने के लिए पुलिस की 18 टीमें लगाई गईं। इसके बाद एक पुलिस टीम महेवा गांव पहुंची। वहां एक व्यक्ति ने बताया कि ये रचना यादव हो सकती है। रचना के बारे में जब पुलिस ने पता लगाया, तो वह मिसिंग थी। एसएसपी बीबी जीटीएस मूर्ति ने बताया कि पुलिस तलाश करते हुए रचना यादव के मध्यप्रदेश में टीकमगढ़ के मैलवारा गांव पहुंच गई। तब भाई ने कहा कि यह लाश बहन रचना यादव की है। हत्या टोड़ीफतेहपुर के महेवा गांव के पूर्व प्रधान संजय पटेल ने की है।

विनेश फोगाट से एसएचओ बोला- तू कौन बोल रही है

कांग्रेस एमएलए ने कहा- आपको बोलने की तमीज नहीं, ये दिन में भी दारू पीता है क्या?

जुलाना,21 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा में जींद जिले की जुलाना विधानसभा से कांग्रेस विधायक पूर्व रेसलर विनेश फोगाट बुधवार को मां बनने के बाद पहली बार पब्लिक मीटिंग के लिए पहुंचीं। यहां गुमशुदगी के केस को लेकर फोन पर उनकी जुलाना थाना प्रभारी से बहस हो गई।

उन्होंने एसएचओ से फोन पर केस का मौजूदा स्टेटस लेना चाहा तो एसएचओ ने पूछ लिया कि तू कौन बोल रही हो? इस पर विधायक ने कहा- आपको बोलने की तमीज नहीं है। यह कोई बात थोड़े ही है। आप पुलिस महकमे में हैं। कार्रवाई भी आपको ही करनी होगी। केस में अब तक आपने क्या किया?

यह पुलिसवाला था, यहां का एसएचओ, इसकी हालत देख लो। कोई जिम्मेदारी नहीं है। कह रहा है कि तू कौन बोल रही है! दिन में भी दारू पीता है क्या? बता दें कि विनेश फोगाट करीब 2 महीने पहले मां बनी हैं। उन्होंने बेटे को जन्म दिया है।

लापता व्यक्ति का केस जानने के लिए फोन कियाः जुलाना के रेस हाउस में जनसमस्याएं सुनते हुए एक गांव के लोगों ने विनेश को बताया कि 14 अगस्त से महिला का पति लापता है। इसे लेकर विनेश ने जुलाना थाने के एसएचओ को मौके से ही फोन किया और महिला के लापता पति के मामले का स्टेटस जानना चाहा। इसके बाद यह बहस शुरू हुई।

यह आपकी जिम्मेदारी, आप अधिकारी होः विनेश फोगाट के अनुसार, जब उन्होंने इस मामले में जुलाना थाना प्रभारी रविंद्र सिंह के पास फोन लगाया और पूछा कि व्यक्ति लापता मामले में क्या कार्रवाई चल रही है तो उसने जवाब दिया कि हर रोज लोग लापता हो रहे हैं। हम क्या करें? विधायक ने कहा कि आपकी जिम्मेदारी बनती है, आप पुलिस अधिकारी हो।

आजकल अधिकारी मुख्यमंत्री को भी कुछ नहीं मान रहेः विनेश ने कहा कि पुलिस कैसे बात कर रही है, देख लो। यह शराब पी रहा है क्या? कब आया है यह जुलाना में? इसे बात तक करने की तमीज नहीं है। कह रहा है कि तू कौन बोल रही है। इस पर एक कार्यकर्ता ने विनेश से कहा कि इसे सस्पेंड करवा दो तो विनेश ने कहा कि क्या फर्क पड़ना है? आज कल अधिकारी अपने को बहुत ऊंचा समझ रहे हैं। ये हरियाणा में मुख्यमंत्री को भी कुछ नहीं मान रहे। फिर हम क्या चीज हैं।

कोई व्यक्ति लापता हुआ, इनकी कोई जिम्मेदारी नहींः विनेश ने कहा- किसी का घरवाला गायब हो गया है। 6 दिन हो गए और इनकी कोई जिम्मेदारी नहीं है। मुझसे कह रहा है कि यहां रोजाना लापता की 3 शिकायतें आती हैं। इतनी शिकायतें आ रही हैं तो तुम कुर्सी पर बैठे कर क्या रहे हो?

मुख्यमंत्री की नहीं, अफसरों की सरकार चल रही

जुलाना क्षेत्र में जलभराव पर विनेश फोगाट ने कहा कि वह विधानसभा सत्र में इस मुद्दे को उठाएंगी। उन्होंने कहा- चंडीगढ़ में बैठे कुछ अधिकारी मेरा फोन नहीं उठा रहे। प्रदेश में मुख्यमंत्री की नहीं, अधिकारियों की सरकार चल रही है। अधिकारी न तो जनप्रतिनिधियों की सुनते हैं और न ही मुख्यमंत्री की।

वहीं, भ्रष्टाचार पर फोगाट ने कहा- जुलाना में एक चेयरमैन को रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। भाजपा में अधिक से अधिक रिश्वत लेने की होड़ लगी है। मैंने खुद कई बार भ्रष्टाचार पकड़ा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अगर जनता जागरूक होगी तो ऐसे कई भ्रष्ट लोग पकड़े जा सकते हैं।

पंजाब में पाकिस्तान की आतंकी साजिश नाकाम

हैंड ग्रेनेड व अन्य हथियारों के साथ युवक काबू

अमृतसर,21 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने की एक और कोशिश को नाकाम करते हुए, अमृतसर रूरल पुलिस ने खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर एक बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने पंडोरी गांव के मलकीत सिंह नामक एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि वह खालिस्तानी मूवमेंट के साथ मिलकर राज्य में अशांति फैलाने की साजिश रच रहा था।

युवक के संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा समर्थित खालिस्तानी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े पाए गए हैं। पुलिस ने उसके कब्जे से एक हैंड ग्रेनेड, एक .30 बोर पिस्तौल और

जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस अब इस मामले की गहराई से जांच कर रही है ताकि इस साजिश में शामिल अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया जा सके। शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि मलकीत सिंह के सीधे संबंध यूके स्थित गैंगस्टर धर्मा संधू से हैं। धर्मा संधू को हरविंदर रिंदा का नजदीकी सहयोगी माना जाता है। रिंदा लंबे समय से बब्बर खालसा इंटरनेशनल संगठन से जुड़ा हुआ है और पाकिस्तान की आईएसआई के समर्थन से वहां सक्रिय है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 22 अगस्त, 2025

सु वि चा र

आपको भाषा का अल्प विराम व पूर्ण विराम लगाना आता है परन्तु क्या व्यर्थ संकल्पों पर भी पूर्ण विराम लगाना आता है?

सीतक्का ने 5 नए संप्रेक्षण गृहों को मंज़ूरी देने की घोषणा की

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज मंत्री सीतक्का ने तेलंगाना में पांच नए संप्रेक्षण गृहों को मंज़ूरी देने की घोषणा की है। गुरुवार को हैदराबाद के सैदाबाद स्थित संप्रेक्षण गृह के दौरे के दौरान, उन्होंने वहां रहने वालों से बातचीत की और सरकार द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं और सेवाओं के बारे में जानकारी ली। अपने संबोधन में, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार संप्रेक्षण गृहों में रहने वाले बच्चों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर है और उन्होंने एक अन्य संप्रेषण गृह के लिए 25 करोड़ रुपये का अतिरिक्त आवंटन किया है। उन्होंने बच्चों को संप्रेक्षण गृह को सज़ा के रूप में नहीं, बल्कि व्यक्तिगत विकास और परिवर्तन के स्थान के रूप में देखने के लिए प्रोत्साहित किया। सीतक्का ने इस बात पर ज़ोर दिया कि उनका लक्ष्य उन्हें एक बदले हुए व्यक्ति के रूप में उभरने में मदद करना है।

उन्होंने सलाह दी, आपने जानबूझकर या अनजाने में गलतियां की होंगी, लेकिन अतीत को पीछे छोड़कर ज़िम्मेदार नागरिक बनने का प्रयास करना ज़रूरी है। इसके बाद, मंत्री ने संप्रेक्षण गृह के बच्चों के लिए एक पुस्तकालय का औपचारिक उद्घाटन किया। इस पुस्तकालय का निर्माण हैदराबाद पब्लिक स्कूल, बेगमपेट की नौवीं कक्षा की छात्रा आकर्षणा ने किया था। कार्यक्रम के दौरान, मंत्री ने शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पुस्तकालय की स्थापना की पहल के लिए आकर्षणा को शॉल भेंट कर उनके प्रयासों की सराहना की। सीतक्का ने बच्चों को नवनिर्मित पुस्तकालय का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिसमें 700 पुस्तकों का संग्रह है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, संप्रेक्षण गृह में अपनी स्थिति से निराश न हों। पुस्तकों में डूब जाएं और समाज के ज़िम्मेदार सदस्य बनने का प्रयास करें।

मेडारम महाजातरा में सांस्कृतिक वैभव का प्रदर्शन

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज मंत्री सीतक्का ने घोषणा की कि अगले वर्ष मेडारम सम्मक्का-सरलम्मा जात्रा 22 से 31 जनवरी तक अत्यंत गरिमापूर्ण तरीके से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने इस उत्सव के आयोजन के लिए 150 करोड़ रुपये की उल्लेखनीय राशि आवंटित की है। गुरुवार को, मंत्री सीतक्का ने समाज कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार के साथ सचिवालय में मीडिया को संबोधित किया।

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि राज्य सरकार आदिवासी संस्कृति और परंपराओं को प्राथमिकता दे रही है और इस वर्ष सम्मक्का सरलम्मा महाजात्रा के लिए अभूतपूर्व 150 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। सीतक्का ने विस्तार से बताया कि इस उत्सव के लिए स्थायी बुनियादी ढांचे का विकास कार्य चल रहा है, जिसमें दोहरी सड़कों का निर्माण, मौजूदा सड़कों का चौड़ीकरण, डिवाइडर लगाना और जम्पन्ना वागु से मेडारम स्थल तक 29 एकड़ भूमि में एक स्मारक पार्क का निर्माण शामिल है, जिसका प्रबंधन धर्मस्व विभाग द्वारा किया जाएगा। मंत्री ने कहा, श्रद्धालुओं के लिए सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से की जाएंगी और सुरक्षा उपायों के लिए 12,000 पुलिस अधिकारी तैनात किए जाएंगे। हमारा लक्ष्य 13वीं शताब्दी के इस ऐतिहासिक मेले का आयोजन पूरी गरिमा के साथ करना है और यह सुनिश्चित करना है।

मोटर वाहन निरीक्षक और चालक 25,000 रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने निजामाबाद जिले के अरमूर के मोटर वाहन निरीक्षक (एमवीआई) गुर्रम विवेकानंद रेड्डी को उनके ड्राइवर के साथ सरकारी काम के लिए 25,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। अधिकारियों के अनुसार, करीमनगर जिले के मनकोंदूर निवासी विवेकानंद रेड्डी और उनके ड्राइवर नेल्ली तिरुपति (53) को बुधवार को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों ने एक शिकायतकर्ता को वाहन पंजीकरण, लाइसेंस नवीनीकरण और लर्निंग लाइसेंस जारी करने जैसी सेवाएँ प्रदान करने के लिए ड्राइवर के माध्यम से रिश्वत की राशि मांगी और स्वीकार की थी। दोनों ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता को आश्वासन दिया कि लंबित फाइलों का बिना किसी देरी के निपटारा कर दिया जाएगा। तिरुपति से 25,000 रुपये की रिश्वत की राशि बरामद की गई। आरोपियों को हैदराबाद के नामपल्ली स्थित एसपीई और एसीबी मामलों की सुनवाई के लिए द्वितीय अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जाँच जारी है।

बीआरएस ने की शराब लाइसेंस अधिसूचना रद्द करने की मांग

> 15 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़ ने राज्य सरकार से शराब लाइसेंसों के लिए एक नई अधिसूचना जारी करने की मांग की है, जिसमें गौड़ समुदाय को आवंटन में 25 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जाए, जैसा कि विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस ने वादा किया था।

उन्होंने सरकार से हाल ही में जारी सरकारी आदेश 93 को रद्द करने की मांग की, जिसमें 15 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। ऐसा न करने पर वे शराब की दुकानों के आवंटन की लॉटरी प्रक्रिया में बाधा डालेंगे। गुरुवार को तेलंगाना भवन में बोलते हुए श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि सरकार ने गौड़ समुदाय के लिए मौजूदा 15 प्रतिशत कोटा बढ़ाए बिना, नई शराब की दुकानों के लिए गुप्त रूप से अधिसूचना जारी कर दी। उन्होंने कहा, बीआरएस के शासनकाल में हमने 15 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया था। कांग्रेस ने 25 प्रतिशत का वादा किया था, लेकिन अब वह अपने वादे से मुकर गई है। गौड़ समुदाय के विभिन्न संगठन शनिवार को एक कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के लिए एक बैठक बुलाने वाले हैं।

उन्होंने शराब की दुकानों के लिए आवेदन शुल्क 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 3 लाख रुपये करने की भी आलोचना की और कहा कि इससे पिछड़े समुदायों को और नुकसान होगा।

उन्होंने मांग की कि शराब की दुकानें ताड़ी निकालने वालों की समितियों को आवंटित की जाएं और मिलावट रोकने के नाम पर ताड़ी की दुकानों पर छापेमारी बंद करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार में पिछड़े वर्गों को दरकिनार किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, गौड़ समुदाय से किया गया एक भी वादा पूरा नहीं किया गया। यहाँ तक कि दुर्घटनाओं में मारे गए ताड़ी निकालने वालों को मिलने वाली 12 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि भी अब तक नहीं दी गई है। उन्होंने सरकार पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा किए गए चुनावी वादों के बावजूद पिछड़े वर्गों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। बीआरएस नेता पल्ले रविकुमार गौड़, के किशोर गौड़, नागेंद्र गौड़ और अन्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत के सबसे बड़े शिखर सम्मेलन का पोस्टर लॉन्च

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में 8 नवंबर को होने वाले दक्षिण भारत के सबसे बड़े कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) शिखर सम्मेलन का आधिकारिक पोस्टर आज तेलंगाना सरकार के सड़क एवं भवन मंत्री, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने हैदराबाद स्थित अपने कक्ष में अनावरण किया। इस प्रतिष्ठित शिखर सम्मेलन में, जिसमें पूरे क्षेत्र के कॉर्पोरेट प्रमुखों, सीएसआर पेशेवरों, विकास क्षेत्र के विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के एक साथ आने की उम्मीद है, सतत विकास, सामाजिक नवाचार और सहयोगात्मक साझेदारी पर प्रभावशाली चर्चाओं को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखता है। पोस्टर लॉन्च के दौरान, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए हैदराबाद को मेजबान शहर के रूप में चुनने के लिए आयोजकों की सराहना की।

उन्होंने राष्ट्र निर्माण में सीएसआर के महत्व पर प्रकाश डाला और सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देने में विभिन्न हितधारकों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए इस पहल की सराहना की। इस कार्यक्रम में प्रतीक फाउंडेशन के सीईओ गोनारेड्डी, विनील रेड्डी और पूर्व मंत्री जीवन रेड्डी ने भी भाग लिया। सभी ने इस शिखर सम्मेलन को दक्षिण भारत के सीएसआर परिदृश्य में एक ऐतिहासिक आयोजन बनाने के लिए अपना उत्साह और प्रतिबद्धता व्यक्त की। आगामी शिखर सम्मेलन नवीन सीएसआर पहलों को प्रदर्शित करने, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और समावेशी एवं सतत विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करेगा।

टप्पाचबूतरा में एक व्यक्ति ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात टप्पाचबूतरा स्थित अपने घर में एक कार चालक ने आत्महत्या कर ली। टप्पाचबूतरा के सैयद अली गुड़ा निवासी एन सुरेश (35) का शव उसके रिश्तेदारों ने घर में फंदे से लटका हुआ पाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पूछताछ के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस उन कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है जिनके कारण व्यक्ति ने अपनी जान दे दी।

उर्वरक की कमी के लिए केटीआर ने रेवंत रेड्डी पर साधा निशाना

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर किसानों को अपमानित करने और कांग्रेस शासन में उर्वरक की आपूर्ति किए बिना उन्हें कष्ट देने का आरोप लगाया।

वनापर्थी जिले के आत्मकुर में एक प्राथमिक कृषि सहकारी समिति (पीएसीएस) में उर्वरक बैग की प्रतीक्षा करते हुए जूते के ढेर के पास कतार में सो रहे एक किसान की तस्वीर साझा करते हुए, रामा राव ने इसे कांग्रेस सरकार की अक्षमता के लिए ऑस्कर पुरस्कार कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत, चाहे आप इस तस्वीर को फ्रेम करके दीवार पर टांग लें या गले में, यह आपकी नाकामी का रिकॉर्ड है। आपने एक बोरी यूरिया के लिए किसानों की जान सड़क पर झोंक दी है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि इससे पहले कभी भी शासकों ने किसानों को इतनी बेइज्जती में नहीं धकेला था। उन्होंने कहा कि सरकार समय पर उर्वरक आपूर्ति सुनिश्चित करने में असमर्थता के कारण किसान अब लंबी-लंबी कतारों में रहने को मजबूर हैं।

अगले मुख्य सचिव और डीजीपी को लेकर अटकलें तेज

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव के रामकृष्ण राव इस महीने के अंत में सेवानिवृत्त होने वाले हैं और पुलिस महानिदेशक जितेंद्र सितंबर के अंत में सेवानिवृत्त होंगे, इसलिए सचिवालय में उनके उत्तराधिकारियों को लेकर अटकलें तेज हैं। कांग्रेस सरकार ने पहले कर्मचारियों को आश्वासन दिया था कि राज्य में न तो सेवा विस्तार दिया जाएगा और न ही सेवानिवृत्त अधिकारियों की सेवाओं का उपयोग किया जाएगा। मार्च में, एक ज्ञापन जारी कर सभी विभागों को सेवानिवृत्ति के बाद अनुबंध या आउटसोर्सिंग के आधार पर काम कर रहे सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने का निर्देश दिया गया था। ऐसी सेवाओं की आवश्यकता वाले विभागों को सक्षम प्राधिकारी से उचित औचित्य के साथ नए सिरे से अनुमोदन प्राप्त करने के लिए कहा गया था।

हालांकि, इन आदेशों की मूल भावना के विपरीत, सरकार ने पूर्व मुख्य सचिव ए. शांति कुमारी को इस वर्ष 30 अप्रैल को उनकी सेवानिवृत्ति के बाद डॉ. एमसीआरएचआरडी का उपाध्यक्ष नियुक्त किया। इसी प्रकार, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी ए. शरत को 19 अगस्त को जारी आदेशों के साथ टीजीआरईडीसीओ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उन्होंने बुधवार को कार्यभार ग्रहण किया। कुछ और सेवानिवृत्त अधिकारियों को भी विभिन्न विभागों में स्थान दिया गया है। मुख्य सचिव की सेवानिवृत्ति नज़दीक आते ही, इस बात को लेकर अटकलें तेज़ हो गई हैं कि क्या सरकार अपने पहले के रुख़ के बावजूद उनका कार्यकाल तीन महीने के लिए बढ़ाएगी या किसी नए अधिकारी की नियुक्ति करेगी। जयेश रंजन और विकास राज जैसे वरिष्ठ अधिकारियों के नाम चर्चा में हैं। जयेश रंजन अप्रैल से मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेष मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत हैं। इस बीच, डीजीपी जितेंद्र के 30 सितंबर को सेवानिवृत्त होने के साथ, कई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी इस शीर्ष पुलिस पद के लिए संभावित उम्मीदवारों में शामिल हैं। हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद, खुफिया महानिदेशक बी शिवधर रेड्डी, जेल महानिदेशक सौम्या मिश्रा और साइबर सुरक्षा ब्यूरो निदेशक शिखा गोयल के नाम पर कथित तौर पर विचार किया जा रहा है।

षड्यंत्रकारी मुझे विभिन्न रूपों में परेशान कर रहे हैं : एमएलसी कविता

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी कविता का पत्र एक बार फिर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में हलचल मचा रहा है। अपने नए पत्र में, कविता ने तेलंगाना बोग्गू गनी कार्मिक संघम (टीबीजीकेएस) के मानद अध्यक्ष पद से उन्हें हटाए जाने और उस पद पर कोप्पला ईश्वर के चयन पर सवाल उठाया है। यह मुद्दा तेलंगाना के राजनीतिक परिदृश्य में तेज़ी से चर्चा का विषय बन गया है। गुरुवार को लिखे पत्र में, कविता ने उल्लेख किया कि टीबीजीकेएस की बैठक उस समय हुई जब वह संयुक्त राज्य अमेरिका के दौरे पर थीं। उन्होंने दावा किया कि टीबीजीकेएस अध्यक्ष का चुनाव पार्टी कार्यालय में श्रम कानूनों के विरूद्ध आयोजित किया गया था, और कहा कि उन्हें हटाने और श्रमिकों की एकजुटता को कमज़ोर करने की साज़िश रची गई थी। कविता ने यह भी आरोप लगाया कि पत्र लीक करने वाले लोग उन्हें परेशान कर रहे थे, जिससे संकेत मिलता है कि टीबीजीकेएस का चुनाव राजनीतिक एजेंडे से प्रेरित था। तेलंगाना में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद, जब मैं सिंगरेणी के मज़दूरों की भलाई के लिए वकालत कर रही थी, तो मुझे पता चला कि कुछ लोग मेरे खिलाफ साजिश रच रहे हैं। हालांकि इन साजिशों का मुझ पर व्यक्तिगत रूप से कोई असर नहीं है, लेकिन यह स्पष्ट है कि उनका लक्ष्य मेरी उपस्थिति को खत्म करना और मज़दूरों के कल्याण के लिए संघर्ष करने वालों की एकजुटता को कमज़ोर करना है।

लिंगमपल्ली नाला में मिला महिला का शव, जांच जारी

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के लिंगमपल्ली नाला में बुधवार रात एक महिला का शव मिला। स्थानीय लोगों ने लिंगमपल्ली बाजार से गुजरने वाले नाले में शव देखा और इसकी सूचना चंदनगर पुलिस को दी। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को नाले से बाहर निकाला। महिला ने सोने के कुछ गहने पहने हुए थे। उसके पास एक मोबाइल फ़ोन भी मिला है। पुलिस फ़ोन की मदद से महिला की पहचान करने की कोशिश कर रही है। शव को मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया गया है। मामला दर्ज कर लिया गया है।

लगातार बढ़ रहा है गोदावरी नदी का जलस्तर

दूसरे चेतावनी स्तर को पार कर गया जलस्तर

कोत्तागुडेम, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के भद्राचलम में गोदावरी नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और बुधवार रात 10:05 बजे यह 48 फीट पर दूसरे चेतावनी स्तर को पार कर गया। गुरुवार सुबह 8 बजे जलस्तर 50.80 फीट पर था और 13 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। तीसरा चेतावनी स्तर 53 फीट है। ज़िला कलेक्टर जितेश वी. पाटिल ने कहा कि गोदावरी नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश के कारण बाढ़ का स्तर बढ़ता रहेगा। उन्होंने बाढ़ प्रभावित गांवों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। अधिकारियों ने पहले ही राहत केंद्र स्थापित कर दिए हैं और ज़रूरत पड़ने पर और भी राहत केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

लोगों के लिए पीने का पानी, भोजन, चिकित्सा सेवाएं और बिजली जैसी सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। पाटिल ने कहा कि राजस्व, पुलिस, चिकित्सा, पंचायत राज, नगरपालिका, बिजली और अन्य विभागों के अधिकारी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी कर रहे हैं और आपात स्थिति में तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए तैयार हैं। किसी भी परिस्थिति में आम जनता को गोदावरी नदी में स्नान नहीं करना चाहिए और नाव यात्रा पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी गई है। लोगों की सहायता के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं और आम जनता निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क कर सकती है। उप-कलेक्टर कार्यालय, भद्राचलम-08743-232444; बाढ़ नियंत्रण कक्ष-7981219425, जिला कलेक्टर कार्यालय-08744-241950 और आईटीडीए कार्यालय, भद्राचलम-7995268352। जल स्तर बढ़ने के कारण नदी के किनारे बसे कई गांवों का परिवहन संपर्क टूट गया है।

चलती कार में आग लगी

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुराने शहर के पात्तरगट्टी रोड पर बुधवार रात एक चलती कार में आग लग गई। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, चालक ने कार से धुआं निकलता देखा और कार से बाहर कूदने में सफल रहा। गाड़ी में आग लग गई। सूचना मिलने पर पास के एक दमकल केंद्र से एक दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाई। अग्निशमन अधिकारियों को संदेह है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होगी।

यूरिया की कमी से जूझ रहे हैं किसान

डीसीएमएस में लंबी कतारों में खड़े होने को मजबूर

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबनगर में भी किसान यूरिया की कमी का सामना कर रहे हैं और उन्हें जिला सहकारी विपणन समिति (डीसीएमएस) में लंबी कतारों में खड़े होने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। किसानों का आरोप है कि अधिकारियों ने नए नियम लागू कर दिए हैं, जिसके तहत प्रति किसान सिर्फ़ एक बोरी ही दी जा सकती है। घंटों कतारों में इंतज़ार करने के बावजूद, किसानों की शिकायत है कि अधिकारी चुनिंदा तरीके से टोकन जारी कर रहे हैं, जिससे कई किसान निराश हैं। हाल के दिनों में राज्य में हुई भारी बारिश के कारण, खेती-बाड़ी के काम में तेज़ी लाने के लिए यह एक महत्वपूर्ण समय है। किसानों का कहना है कि खेतों में काम करने के बजाय, उन्हें घंटों कतारों में खड़े रहना पड़ रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, एक किसान ने पूछा, अगर मुख्यमंत्री के ज़िले में यह हाल है, तो दूसरे ज़िलों के किसानों की क्या हालत होगी, इसकी कल्पना कीजिए। सरकार ने पहले से पर्याप्त स्टॉक क्यों नहीं रखा? इस बीच, उर्वरक व्यापारी कथित तौर पर इस स्थिति का फायदा उठा रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, जो किसान उनसे महंगे दामों पर यूरिया खरीदने के लिए संपर्क करते हैं, उन्हें मजबूरन उनकी दुकानों से अन्य सामान भी खरीदना पड़ रहा है।

शराब को लेकर पति से विवाद के बाद महिला ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर में एक गृहिणी ने आत्महत्या कर ली तो उसने उसे डांटा था। पुलिस के मुताबिक, अरुणा नाम की महिला की शादी शेखर से हुई थी और वे राजेंद्रनगर के किस्मतपुर में रहते थे। बुधवार की रात शेखर ने अपनी पत्नी को डांटा जब उसने उसे ज़्यादा शराब पीने से मना किया। पुलिस ने बताया, इस बात से नाराज होकर अरुणा ने घर में रखी शराब की बोतल ली और उसमें कोई जहरीला पदार्थ मिला दिया। उसने वह तरल पदार्थ पी लिया और उसकी मौत हो गई। मामला दर्ज कर लिया गया है।

टप्पाचबूतरा में जुए की छापेमारी में 16 लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। टप्पाचबूतरा पुलिस ने गुरुवार को नटराजनगर इलाके में एक घर पर छापा मारकर जुआ खेलते हुए 16 लोगों को पकड़ा। पुलिस ने मौके से 93,390 रुपये और एक ताश का डिब्बा ज़ब्त किया। पुलिस के अनुसार, इरफ़ान उर्फ़ डाबरा नाम का एक व्यक्ति अकरम नाम के व्यक्ति के घर पर जुए का आयोजन कर रहा था और लोगों को तीन पत्तों वाला खेल खेलने के लिए आमंत्रित कर रहा था। एक गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। 16 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं.: CAT-PARK-00082

लॉट नं./वर्ग: PARKING-WAT-PLH-MX-132-25-1 (Parking - Mixed)

विवरण : (वाल्टियर मण्डल) में पारलाखेमुंडी स्थान पर दो पहिया, तीन पहिया एवं चार पहिया वाहनों के लिए पार्किंग लॉट।

लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : दिनांक 27.08.2025 को 1100 बजे।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 27.08.2025 को 1130 बजे।

न्यूनतम वृद्धि : 0.2%, लॉट स्थिति : ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर

PR-503/Q/25-26

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No.17001288W, NK, Jagadheeswaran B, R/o, Dist: Theni, Tamil Nadu, changed my Mother's name from Revathi to Revathi B, vide Affidavit dt 20.08.2025.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान

संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद-500059

विज्ञापन सं.14/2025/एसीएएसए

साक्षात्कार के माध्यम से दि.6-9-2025 के 10.00 बजे, अस्थायी तौर पर सीनियर रिसर्च फेलो (1पद) को भरा जा रहा है। विवरण हेतु http://www.icar-crida.res.in/ पर जाएं।

सीएम योगी के सामने पूर्व गवर्नर कलराज मिश्र नाराज

बोले- ये पर्ची किसने दी? कल्याण सिंह से मेरे संबंध गहरे, आज बोलने से रोकना मत

अलीगढ़, 21 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व सीएम कल्याण सिंह की चौथी पुण्यतिथि गुरुवार को अलीगढ़ में हिंदू गौरव दिवस के रूप में मनाई गई। लेकिन सीएम योगी की मौजूदगी में पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र नाराज हो गए।

दरअसल, कलराज मिश्र भाषण दे रहे थे, तभी मंच संचालक आत्म प्रकाश मिश्र ने उन्हें एक पर्ची थमाई। पर्ची देखकर वे नाराज हो गए। गुस्से में पीछे मुड़कर उन्होंने देखा। पूछा- ये किसने दिया? कल्याण सिंह के साथ जिस तरह से मेरे संबंध रहे हैं, मैं अपने को बोलने से रोक नहीं पाऊंगा। मुझे रोकने के लिए मत सोचना। फिर उन्होंने अपना भाषण पूरा किया।

योगी बोले- राम जन्मभूमि के लिए बाबूजी ने सरकार का त्याग किया

सीएम योगी आदित्यनाथ ने पूर्व सीएम कल्याण सिंह को नमन करने के साथ अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा, बाबूजी ने अपने आदर्शों की छाप सभी पर छोड़ी है। जब बाबूजी स्वास्थ्य मंत्री रहे, तब स्वास्थ्य सेवाएं कैसी होनी चाहिए, यह करके उन्होंने दिखाया। बाबूजी ने यूपी में कानून का राज स्थापित किया। वे एक दक्ष प्रशासक थे।

सीएम ने कहा, बाबूजी जो बोले थे वह आज भी याद है, उन्होंने कहा था कि ढांचा के गिराने की जिम्मेदारी मैं ले रहा हूं। उन्होंने रामभक्तों को नुकसान नहीं होने दिया। राम जन्मभूमि के लिए अपनी सरकार का त्याग कर दिया था। कांग्रेस ने कल्याणजी की सरकार गिरा दी थी।

सीएम ने विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, जब इनकी सरकार होती थी, तो त्योहार पर दंगों का ग्रहण लग जाता था। मोदी जी के नेतृत्व में तुष्टीकरण नहीं संतुष्टि करण है।

भाजपा ने जो कहा वह करके दिखाया, जम्मू कश्मीर में धारा 370 हटा करके आतंकवाद का खात्मा किया। पहले घोषणाएं बहुत होती थीं, पर अब उसका मूर्त रूप देखने को मिल रहा है। पिछले साढ़े आठ वर्ष में प्रदेश दंगा मुक्त हुआ है। अब तो चुनाव आयोग को भी धमकी दी जा रही है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा, बाबूजी कल्याण सिंह के दिखाए हुए रास्ते पर हमें राजवीर सिंह राजू भैया के साथ चलना है। उनको शत-शत नमन है। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा, बाबूजी ने सनातन धर्म की पताका को सबसे ऊंचा फहराया है। बाबूजी ने अपनी सीएम की कुर्सी को छोड़कर राम मंदिर की ओर कूच किया था। आज यहां पर मौजूद जनता उनके प्रति सम्मान को दिखाता है।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, हम सब संकल्प लेते हैं कि सपा की साइकिल को उखाड़ फेंकना है। बाबूजी को भारत रत्न का सम्मान मिलना चाहिए। अलीगढ़ का नाम हरिगढ़ होने में देरी नहीं होनी चाहिए।

उमा भारती ने कहा, अखिलेश यादव ने कहा कि नाम में क्या रखा है, उनकी मानसिकता ही गुलामी की है, वो नाम का क्या मतलब जाने। नाम की महिमा वही समझेगा जिसकी मानसिकता राष्ट्रीयता की हो।

सीएम दरबार पहुंचा रिटायर्ड फौजी

बोला- मैंने जहर खाया, एमएलए नंद किशोर से मुझे खतरा, वो गाजियाबाद में 'नंदू टैक्स' वसूल रहे

लखनऊ, 21 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ में सीएम के जनता दरबार में गुरुवार को एक रिटायर्ड फौजी पहुंचा। अंदर पहुंचते ही उसने वहां मौजूद लोगों से कहा- मैं जहर खाकर आया हूं। यह पता लगते ही वहां हड़कंप मच गया। आनन-फानन में रिटायर्ड फौजी को सिविल अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल, उनकी हालत ठीक है। डॉक्टर चेकअप कर रहे हैं।

रिटायर्ड फौजी का नाम सतबीर गुर्जर (65) पुत्र प्रेम सिंह है। वह गाजियाबाद के लोनी के सिरौली इलाके के रहने वाले हैं। गाजियाबाद विधायक नंद किशोर गुर्जर की शिकायत लेकर सीएम योगी से मिलने के लिए लखनऊ आए थे। पहले सूचना आई थी कि सतबीर ने जनता दरबार के अंदर ही जहर खाया। हालांकि, बाद में यह बात गलत निकली।

उसने खुद बताया कि बाहर से जहर खाकर अंदर गया। सिविल अस्पताल के सीएमएस डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि उसकी तबीयत स्थिर है। सतबीर का कहना है कि उसने जहर खाया है, इसलिए 48 घंटे निगरानी में रखा जाएगा।

सतबीर के पास जो एप्लिकेशन मिली है, उसमें उसने खुद को करगिल योद्धा और पूर्व फौजी बताया है। सतबीर ने लोनी से भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए सीएम योगी से सुरक्षा की गुहार लगाई है।

नंद किशोर गुर्जर ने अप्रैल माह में एक षड्यंत्रकारी कलश यात्रा निकाली थी। इसका षडयंत्र आपकी (योगी) सरकार गिराना था। मैंने समय रहते इस साजिश को पहचान कर सोशल मीडिया पर खुलासा किया, जिसका सबूत मेरे फेसबुक पेज पर है। तब से नंद किशोर गुर्जर मेरे ऊपर एक ऐसा अत्याचार कर रहा। जैसे अतीक अहमद और मुख्तार अहमद अपने विरोधियों के खिलाफ करते हैं।

लोनी विधानसभा क्षेत्र में 'नंदू टैक्स' के रूप में करोड़ों रुपए प्रतिदिन कमाए जा रहे। इस पैसे का कुछ भाग भाजपा के शीर्ष पर बैठे इसके एडवोकेट्स को भी जाते हैं। हाथ जोड़कर प्रार्थना करता हूं कि मेरी रक्षा की जाए। मैं बहुत बड़े खतरे में हूं।

मायावती को मम्मी कहने वाले पर एफआईआर

अब हाथ जोड़कर माफी मांगी, अखिलेश को पापा कहकर आईफोन मांगा था

गाजियाबाद, 21 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा प्रमुख मायावती को मम्मी कहने वाले गाजियाबाद के यूट्यूबर पुनीत सुपरस्टार उर्फ प्रकाश कुमार पर एफआईआर हुई है। गाजियाबाद के बसपा जिलाध्यक्ष नरेंद्र मोहित ने बुधवार देर रात शालीमार गार्डन थाने में मुकदमा दर्ज कराया। कहा- यूट्यूबर ने पूर्व मुख्यमंत्री का अपमान किया है। कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। ऐसे में यूट्यूबर के खिलाफ कार्रवाई की जाए। यूट्यूबर ने वीडियो जारी कर माफी मांगी। कहा- मैं हाथ जोड़कर क्षमा मांगता हूं। भविष्य में दोबारा कभी ऐसी गलती नहीं करूंगा।

दरअसल, यूट्यूबर ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इसमें वह कह रहा है- मायावती मम्मी... मेरे को आप बहुत याद आती हो। मैं आपको बहुत याद करता हूं। मम्मी... आप कहां चली गई हो।

इंस्टाग्राम आईडी puneetsuperr_star से पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ वीडियो पोस्ट किया गया है। इसमें गाजियाबाद भोपुरा का रहने वाला यूट्यूबर पुनीत सुपरस्टार उर्फ प्रकाश कुमार पूर्व मुख्यमंत्री की तस्वीर अपनी वीडियो के साथ लगाकर मम्मी-मम्मी का संबोधन करते हुए दिख रहा है।

उसने वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल किया। इस वजह से बसपा कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष देश में बहनजी के नाम से जानी जाती हैं। यूट्यूबर ने अपनी हरकत से उनका अपमान किया है। पुनीत ने समाज में सौहार्द बिगाड़ने का काम किया है। उसके इस कृत्य के लिए कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी ऐसी अभद्र टिप्पणी न कर सके।

केस होने के बाद यूट्यूबर ने वीडियो जारी किया। इसमें वह कह रहा है- नमस्कार मेरे दोस्तों। कल रात मैंने पूर्व मुख्यमंत्री मायावती जी पर एक वीडियो बनाया था। मेरा मकसद किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। अगर फिर भी किसी की भावना को ठेस पहुंची हो तो मैं हाथ जोड़कर क्षमा मांगता हूं। भविष्य में दोबारा कभी ऐसी गलती नहीं होगी।

पुनीत ने इससे पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को लेकर भी वीडियो बनाया था। कहा था- अखिलेश पापा, क्या आप अपने इस बेटे को iPhone 16 Pro Max नहीं दिलवा सकते हैं? पापा... पापा दिलवा दो प्लीज पापा।

इसके अलावा एक और वीडियो बनाया था, जिसमें कहा था- मोदी और अमित शाह दोनों मेरे पापा हैं। इन्होंने भूखे रहकर देश चलाया है। राहुल गांधी और केजरीवाल को भी पापा कहा था।

इंस्टाग्राम पर 1 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स

पुनीत के यूट्यूब पर 24 हजार और इंस्टाग्राम पर 1 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। वह यूट्यूब पर शॉर्ट वीडियो बनाता है। वह अक्सर भिखारियों के साथ बैठकर उनका मजाक उड़ाता है। कहता है- चाचा इतने काले क्यों हो गए। उसने यूट्यूब पर कीचड़ में लेटने और ब्रेड या खाने की चीजों में कीचड़ मिलाकर खाने का वीडियो भी डाला है।

दो साल पहले बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 में यूट्यूबर पुनीत सुपरस्टार को शो में पार्टिसिपेट करने के 24 घंटे के अंदर ही एलिमिनेट कर दिया गया। पुनीत ने घर में एंट्री करते ही अपनी अजीबोगरीब हरकतें शुरू कर दी थीं। उन्होंने अपने चेहरे पर टूथपेस्ट लगाकर खुद पर केमिकल भी डाल लिया था। बिग बॉस ने पुनीत को इस बिहेवियर को लेकर वॉर्निंग भी दी, पर वो नहीं माने। अंत में बाकी घरवालों ने उनके खिलाफ वोट करके उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया।

एनआईए रेड, नागालैंड से एके 47 लाकर बेचते थे

जेल में बंद आरोपी की निशानदेही पर छापेमारी

बताया- इनके यहां छिपाए थे हथियार

हाजीपुर (वैशाली), 21 अगस्त (एजेंसियां)। नागालैंड से AK-47 लाकर बिहार में बेचने के मामले में गुरुवार को NIA ने रेड की है। वैशाली, हाजीपुर और मोतिहारी में ये छापेमारी चल रही है।

इससे पहले टीम ने दिसंबर 2024 को मुजफ्फरपुर में मुखिया भोला राय के घर छापेमारी की थी। उसके बेटे देवमुनि ने पूछताछ में बताया है कि '2 दिनों के लिए AK-47 हाजीपुर के राजू राय और राजू सिंह के घर पर रखी थी।

देवमनी की निशानदेही पर ही आज NIA ने ये रेड की है। NIA ने राजू राय के पूरे घर का तलाशी ली है। छत पर लगे वाटर टैंक समेत घर के अलमारी, गोदरेज, पेटी - बक्से सहित पूरे घर का तलाशी ली।

सूत्रों की माने तो अब तक टीम को राजू राय के घर से कोई सामान नहीं मिला है। NIA ने राजू राय को अपने साथ लेकर अलग-अलग ठिकानों पर कार्रवाई कर रही है। राजू राय के निशानदेही पर डाकबंगला रोड स्थित दशई राय के मकान से NIA की टीम ने एक पिस्टल बरामद की है।

वैशाली के हाजीपुर में NIA ने गुरुवार सुबह दबिश दी। ऑटो स्टैंड संचालक राजू सिंह के घर पर रेड हुई है। नगर थाना क्षेत्र के डाक बंगला चौक स्थित राजू राय के घर करीब 6 घंटे टीम ने घर का चप्पा-चप्पा छान मारा। टीम घर की छत पर सर्च करती नजर आई। बताया जा रहा है कि घर से कुछ खास मिला नहीं है। राजू राय को टीम ने हिरासत में लिया है।

वहीं काजीपुर थाना क्षेत्र के घोसवर में राजू सिंह के घर पर छापेमारी अभी भी जारी है। जांच एजेंसी की 6 सदस्यीय टीम सुबह 4:30 बजे हाजीपुर पहुंची। स्थानीय पुलिस के सहयोग से यह कार्रवाई की गई।

दारोगा प्रीति कुमारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

बेतिया, 21 अगस्त (एजेंसियां)। बेतिया में निगरानी टीम ने एक महिला दारोगा को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। दारोगा प्रीति कुमारी को गुरुवार दोपहर नरकटियागंज के गौशाला रोड स्थित आवास से पकड़ा गया।

प्रीति कुमारी शिकारपुर थाना के एक केस में मदद करने के एवज में मलदहिया निवासी परवेज कौशर से 12000 रूपए घूस ले रही थी। परवेज कौशर गवाह को धमकी देने के मामले में नामजद है। निगरानी टीम ने घूस की राशि बिचौलिए अर्जुन सोनी के पॉकेट से बरामद की। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी विभाग की सख्त कार्रवाई का हिस्सा है। दारोगा और बिचौलिए के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दामाद ने ससुर की गोली मारकर हत्या की

पत्नी-सास पर फावड़े से किया हमला, शव के पास बैठा रहा, साथ में अस्पताल गया

रामपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। रामपुर में दामाद ने ससुर की गोली मारकर हत्या कर दी। युवक का उसकी पत्नी से विवाद चल रहा था। उसकी पत्नी की मां, बाप, बुआ और फूफा विवाद सुलझाने के लिए उसके घर पहुंचे। ससुराल वालों को देखकर आरोपी आक्रोशित हो गया। अपने परिवार के साथ मिलकर मारपीट शुरू कर दी। उसने अपने ससुर को गोली मार दी।

मारपीट में सास समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। गोली चलने की आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। एम्बुलेंस बुलाकर घायलों को हॉस्पिटल भिजवाया। इस बीच मौका पाकर आरोपी का परिवार फरार हो गया। जबकि आरोपी दामाद ससुर के शव के पास ही बैठा रहा। एम्बुलेंस में घायलों के साथ हॉस्पिटल भी गया। सूचना पर पुलिस भी अस्पताल पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। आरोपी दामाद को हॉस्पिटल से गिरफ्तार कर लिया। मामला बुधवार शाम 7 बजे मिलक के सिलई बड़ा गांव का है।

मुरादाबाद के रहने वाले अफसर अली अपनी बेटी अरमाना और दामाद नदीम के बीच चल रहे विवाद को सुलझाने के लिए बेटी के ससुराल गए थे। उनके साथ में उनकी पत्नी मुख्तरी, बहन शन्नो और बहनोई इस्लाम भी थे।

मुख्तरी ने बताया कि मैंने बेटी अरमाना की शादी 5 साल पहले नदीम से की थी। शादी के लिए अपना घर तक बेचना पड़ा था। बताया कि शादी के दो-ढाई महीने तक सबकुछ ठीक था। उसके बाद नदीम, अरमाना से दहेज को लेकर मारपीट करने लगा। सास और ननदें भी उसके साथ मारपीट करती थीं। अरमाना ने बताया कि नदीम की दिल्ली में एक दुकान है। वो वहीं रहता है। नदीम ने दिल्ली में दूसरी शादी कर ली थी। इसी के चलते वो मुझसे मारपीट करता था।

दाउद ने प्रीति से शादी की, बच्चा हुआ तो मार दिया

पत्नी बोली- 13 दिन का था बेटा, कहता- बेच दो; यूपी में धर्म बदलवाना चाहता था

गोपालगंज, 21 अगस्त (एजेंसियां)। गोपालगंज में एक पिता ने 13 दिन के नवजात बेटे की गला दबाकर हत्या कर दी। बच्चे की मां प्रीति (21) का कहना है, जन्म से पहले ही पति बच्चे को दुनिया में नहीं आने देना चाहता था। वो कहता था, इसे किसी को दे देना या बेच देना। मैंने नहीं बेचा तो बुधवार को बेटे की गला दबाकर हत्या कर दी और फरार हो गया।'

प्रीति ने बताया कि उसने दूसरे समुदाय के लड़के दाऊद अंसारी(25) से प्रेम विवाह किया था। 7 साल से दोनों का अफेयर था। साथ रहते थे। इस बीच प्रेग्नेंट होने पर प्रीति प्रेमी के साथ किराए के मकान में रहने के लिए आ गई। इसके बाद दोनों ने शादी कर ली। दाऊद को बच्चा नहीं चाहिए था। इसलिए उसने एक बार अबॉर्शन कराने की कोशिश भी की, लेकिन पांचवां महीना होने के कारण डॉक्टर ने गर्भपात करने से मना कर दिया। इसके बाद 7 अगस्त को प्रीति ने बेटे को जन्म दिया। बच्चे के जन्म होते ही दाऊद ने प्रीति पर नवजात को बेच देने का दबाव बनाने लगा। लेकिन वो इस बात से इनकार करती रही।

बुधवार को बच्चा कमरे में अकेला था, इसका फायदा उठाते हुए पिता ने खुद अपने बेटे की गला घोटकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। घटना महमदपुर थाना क्षेत्र के टेकनेवास गांव की है।

मृत बच्चे की मां प्रीति ने बताया, 'क्लास 6 से मेरा मोहल्ले के दाऊद अंसारी से प्रेम-प्रसंग जल रहा था। हम दोनों ने शादी कर ली। लेकिन मैं अभी तक उसका धर्म अपनाई नहीं थी। वो जैसे बोलता था वैसे उसके साथ रहती थी। धर्म परिवर्तन से मना करने पर वो अब मुझे छोड़ना चाहता था।'

'मुझसे छुटकारा पाने के लिए ही वो बच्चे को मार डालना चाहता था। उसके परिवार के लोग भी बच्चे को मारने-फेंकने की बातें करते थे। जब मैं किचन में खाना बना रही थी, उसने मेरे बच्चे का गला दबा दिया और फरार हो गया।'

12 गोली मारकर युवक की हत्या

2 महीने पहले मर्डर केस में जमानत पर बाहर आया था; हथियार लहराते भागे अपराधी

समस्तीपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। समस्तीपुर में गुरुवार को एक युवक की 12 गोली मारकर हत्या कर दी गई। युवक की पहचान माधोपुर के रहने वाले विक्रम गिरी के रूप में हुई है। 2 महीने पहले ही जेल से बाहर आया था।

वो नेपाली चौधरी नाम के व्यक्ति की हत्या के मामले में जेल में बंद था। वो घर से किसी काम से बाहर निकला था। इसी दौरान बाइक सवार बदमाशों ने 10 से 12 गोली मारकर हत्या कर दी।

घटना उजियारपुर थाना क्षेत्र के सातनपुर गांव के पास की है। गुरुवार को अज्ञात हमलावरों ने विक्रम गिरी की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी। बाइक सवार अपराधियों ने विक्रम गिरी पर उसके घर के पास ही ताबड़तोड़ फायरिंग की, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने लगभग दर्जन भर राउंड फायरिंग की और वारदात को अंजाम देने के बाद हथियार लहराते हुए फरार हो गए।

गोलियों की आवाज सुनकर इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोग घरों में दुबक गए और पूरे गांव में भय का माहौल छा गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की। वहीं, हमलावरों की तलाश में इलाके की सीमाओं को सील कर नाकेबंदी कर दी गई है।

महिला ने कॉन्स्टेबल की चोटी पकड़कर खींचा

आगरा के थाने में चले लात-घूसे, कपड़े फाडे

आगरा, 21 अगस्त (एजेंसियां)। आगरा में थाने के अंदर महिला और लेडी कॉन्स्टेबल के बीच जमकर लात-घूसे चले। इसका वीडियो सामने आया है। इसमें दिख रहा कि पीड़ित महिला कि पहले लेडी कॉन्स्टेबल ये हॉट-टॉक होती है। इसी दौरान महिला ने कॉन्स्टेबल को धक्का दे दिया। लेडी कॉन्स्टेबल और महिला के बीच हाथापाई शुरू हो गई। महिला ने कॉन्स्टेबल की चोटी पकड़कर खींच दिया। किसी तरह से अन्य महिला कॉन्स्टेबल ने दोनों को अलग किया। मामला ट्रांस यमुना का 19 अगस्त का है। पीड़ित महिला ने आज सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर आरोप लगाया कि मेरे साथ कमरे में बंद करके मारपीट की गई। कपड़े तक फाड़ दिए गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जबरन थाने में बैठाए रखा। घरवालों को सूचना तक नहीं देने दी। न्याय नहीं मिला तो वो सुसाइड कर लेगी। वहीं, पुलिस ने महिला पर थाने में पुलिसकर्मियों से अभद्रता करने की बात कही है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किए।

फर्रुखाबाद में सड़क बही, लखनऊ समेत 5 शहरों में बारिश

कानपुर में गंगा बैराज के 30 गेट खोले, 50 जिलों में अलर्ट

लखनऊ, 21 अगस्त (एजेंसियां)। कानपुर, अयोध्या और लखनऊ समेत 5 शहरों में बारिश हुई है। फर्रुखाबाद में गंगा खतरे के निशान से 20 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। 100 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। कंपिल-बदायूं मार्ग पर तीन जगह सड़क बह गई। एक जगह लोगों ने पाइप लगा दिए हैं। अब उसी के सहारे लोग रोड को पार कर रहे हैं।

कन्नौज में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। इसके चलते चार गांवों में बाढ़ का पानी भर गया है। लोग सड़क किनारे तिरपाल डालकर रहने को मजबूर हैं।

कानपुर में बैराज पर गंगा का जलस्तर 114.79 मीटर पहुंच गया है। यह खतरे के निशान से महज 21 सेंटीमीटर कम है। नरौरा से 1,34,584 और हरिद्वार से 1,34,433 क्यूसेक पानी आया। दबाव बढ़ने के चलते बैराज के सभी 30 गेट खोलकर 4,36,807 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

मौसम विभाग ने आज 50 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें से 8 जिलों में भारी बारिश हो सकती है। अब तक प्रदेश में कोटे के बराबर बारिश हो चुकी है।

अब तक 521.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने 520 मिमी बारिश का अनुमान जताया था।

करोड़पति प्रॉपर्टी कारोबारी की दिनदहाड़े हत्या

वाराणसी, 21 अगस्त (एजेंसियां)। वाराणसी में प्रॉपर्टी कारोबारी की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई। गुरुवार सुबह 9 बजे बाइक से साइट ऑफिस जा रहे थे, तभी रास्ते में 3 नकाबपोश शूटर्स उनके पीछे लग गए। ऑफिस से थोड़ी दूर पर ही बाइक सवार शूटर्स ने कारोबारी को ओवरटेक किया। जब तक वह कुछ समझ पाते दो शूटर्स से पिस्टल निकाली और 3 फायर किए।

पहली गोली कारोबारी महेंद्र गौतम (54) की गर्दन, दूसरी कनपटी में लगी, जबकि तीसरी बाइक में लगी। तीनों शूटर वारदात के बाद पिस्टल लहराते हुए भाग गए। वारदात सारनाथ थाना क्षेत्र की है। दिनदहाड़े हत्या की खबर से हड़कंप मच गया। डीसीपी समेत सीनियर अफसर मौके पर पहुंच गए। इलाके की नाकेबंदी करवाई गई, लेकिन शूटर्स का कुछ पता नहीं चल पाया। महेंद्र गौतम बुद्धा सिटी के रहने वाले थे। वाराणसी में प्रॉपर्टी का उनका बड़ा कारोबार है। उनके पिता श्यामनाथ आरटीओ अफसर थे। महेंद्र घर से अपनी नई कॉलोनी अरिहंत नगर जा रहे थे। तभी उनकी हत्या हुई।

जैन को एक्सटेंशन नहीं तो दो पीएस बनेंगे एसीएस

31 अगस्त को रिटायर होंगे अनुराग और कंसोटिया दीपाली के साथ शिवशेखर को मौका

भोपाल, 21 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश के नए मुख्य सचिव को लेकर स्थिति अभी साफ नहीं है। इसी वजह से प्रमुख सचिव से अपर मुख्य सचिव पद पर पदोन्नति पाने वाले आईएएस अफसरों का भविष्य भी अटका हुआ है। यदि वर्तमान मुख्य सचिव अनुराग जैन को एक्सटेंशन मिल जाता है तो अपर मुख्य सचिव कैडर का एक भी पद रिक्त नहीं होगा। वहीं, अगर उन्हें एक्सटेंशन नहीं मिलता तो दो पद खाली होंगे। ऐसी स्थिति में सीनियर आईएएस अधिकारी दीपाली रस्तोगी और शिवशेखर शुक्ला को अपर मुख्य सचिव पद पर प्रमोशन और वेतनमान मिलना तय माना जा रहा है।

मुख्य सचिव अनुराग जैन और अपर मुख्य सचिव गृह जे.एन. कंसोटिया का रिटायरमेंट 31 अगस्त को होना है। चूंकि उस दिन रविवार है, इसलिए दोनों अफसरों का रिटायरमेंट 29 अगस्त को ही माना जाएगा। मंत्रालय सूत्रों के अनुसार, मुख्य सचिव का पद अपर मुख्य सचिव स्तर का ही होता है, बस भत्ते और सुविधाएं अलग से मिलती हैं। यही वजह है कि जैसे ही अपर मुख्य सचिव कैडर के अधिकारी रिटायर होते हैं, उस रिक्ति की भरपाई के लिए प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी को प्रमोट कर दिया जाता है।

माना जा रहा है कि मुख्य सचिव अनुराग जैन के एक्सटेंशन को लेकर जो असमंजस की स्थिति बनी है वह 25 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'पीएम मित्रा पार्क' के उद्घाटन के बाद स्पष्ट हो सकती है। जैन की नई भूमिका तो रहेगी, यह भी साफ हो गया है लेकिन वह मुख्य सचिव के रूप में ही होगी या केंद्र और राज्य सरकार के किसी स्वायत्त संस्था के चेयरमैन के रूप में होगी, इसका फैसला भी इसके बाद ही होगा।

अगर सीएस जैन रिटायर होते हैं और केंद्र में पदस्थ एमपी कैडर के आईएएस अलका उपाध्याय या मनोज गोविल को सीएस बनाया जाता है तो उनकी केंद्र से वापसी होगी और ऐसे में मुख्य सचिव जैन के रिटायर होने से रिक्त होने वाले पद पर अलका उपाध्याय या मनोज गोविल (जिसका भी नाम तय हो) की पोस्टिंग हो जाएगी।

इसलिए पद रिक्त नहीं होगा। दूसरी ओर अगर अलका उपाध्याय, मनोज गोविल के अलावा एमपी में पदस्थ राजेश राजौरा, अशोक बर्णवाल या किसी और को मुख्य सचिव बनाया जाता है तो अपर मुख्य सचिव स्तर के संबंधित अधिकारी का पद रिक्त हो जाएगा।

इसके अलावा अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया के रिटायर होने से एक पद रिक्त होना तो तय ही है। इन स्थितियों में दो प्रमुख सचिवों को अपर मुख्य सचिव बनने का मौका मिल सकता हैं।

आईएएस अफसरों की सीनियरिटी लिस्ट के अनुसार, अपर मुख्य सचिव अजीत केसरी के रिटायरमेंट के बाद प्रमुख सचिव वित्त मनीष रस्तोगी को एसीएस बनाया गया था। अब इस माह होने वाले रिटायरमेंट में प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की दीपाली रस्तोगी का अपर मुख्य सचिव पद पर प्रमोशन लगभग तय माना जा रहा है।

वजह यह है कि उनके बाद सीनियर आईएएस पल्लवी जैन गोविल अप्रैल 2025 तक केंद्र में पदस्थ हैं और उनकी वापसी की संभावना फिलहाल नहीं है। ऐसे में 1994 बैच की सबसे सीनियर प्रमुख सचिव होने के नाते दीपाली रस्तोगी को एसीएस बनाया जाएगा।

इसके अलावा, यदि मुख्य सचिव अनुराग जैन रिटायर होते हैं तो उनके रिक्त पद पर दीपाली रस्तोगी को और गृह विभाग के एसीएस जे.एन. कंसोटिया के रिटायर होने से खाली हुए पद पर प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति विभाग शिवशेखर शुक्ला को एसीएस पदोन्नति मिलेगी। हालांकि, यदि जैन को एक्सटेंशन मिल जाता है तो शुक्ला को एसीएस बनने के लिए इंतजार करना होगा।

पुलिस गिरफ्त में हनीट्रैप गैंग के सदस्य

पानीपत, 21 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत जिले में एक डॉक्टर को हनीट्रैप में फंसाकर ब्लैकमेल करने के सनसनीखेज मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सीआईए टीम ने इस प्रकरण में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान गांव नोल्था निवासी सोनू और आशीष के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मामले की शुरुआत तब हुई जब एक महिला ने बीमारी का बहाना बनाकर डॉक्टर को अपने फ्लैट पर बुलाया। फ्लैट पर पहुंचने के बाद महिला ने डॉक्टर को कोल्ड ड्रिंक पिलाई और फिर शारीरिक संबंध बनाने की मांग रखी। इसी दौरान मौके पर आरोपी सोनू और आशीष पहुंच गए। दोनों ने डॉक्टर को फंसा लिया और उस पर दबाव बनाकर 11 लाख रुपये की मांग की। गिरफ्तार आरोपी सोनू कोई नया अपराधी नहीं है। उसके खिलाफ पहले से ही हत्या, लूट, डकैती और अवैध हथियार रखने जैसे एक दर्जन से ज्यादा गंभीर मामले दर्ज हैं। इस बार उसने अपने साथी आशीष और महिला के साथ मिलकर डॉक्टर को ब्लैकमेल करने की योजना बनाई थी। ब्लैकमेलिंग के इस खेल में महिला की मदद एक वकील ने भी की। वकील ने बीच में दखल देकर डॉक्टर से समझौता कराया और मामले को 4 लाख रुपये में निपटा दिया।

पीड़ित डॉक्टर ने जब इसकी शिकायत पुलिस को दी, तो मामला खुलकर सामने आया। सीआईए पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा और रिमांड पर लिया जाएगा। रिमांड के दौरान पूछताछ में इस पूरे गिरोह के और राज खुलने की संभावना है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- पति या पत्नी का अलग रहना नामुमकिन

अलग रहना है तो शादी न करें, शादी का मतलब दो आत्माओं का साथ आना

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि एक शादीशुदा जोड़े में पति या पत्नी का अलग रहना नामुमकिन है। दोनों में से कोई भी यह नहीं कह सकता कि वे अपने पार्टनर से अलग रहना चाहते हैं। जस्टिस बीवी नागरत्ना और आर महादेवन की बेंच ने कहा कि अगर कोई अलग रहना चाहता है तो उसे शादी नहीं करनी चाहिए।

बेंच ने कहा- 'शादी का क्या मतलब है, दो आत्माओं, दो लोगों का एक साथ आना। आप कैसे अलग रह सकते हैं?' सुप्रीम कोर्ट एक ऐसे जोड़े के मामले की सुनवाई कर रहा था जिनके दो छोटे बच्चे हैं और वे अलग रह रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट पति-पत्नी के विवाद से जुड़े एक मामले की सुनवाई कर रहा था। इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुई महिला ने कहा कि ताली एक हाथ से ताली बजती। इस पर बेंच ने कहा कि हर पति-पत्नी के बीच कुछ न कुछ झगड़ा होता ही है। हम आप दोनों से कह रहे हैं।

महिला ने दावा किया कि उसका पति सिंगापुर में रहता है और फिलहाल भारत में हैं। वह मामला सुलझाने को तैयार नहीं है। सिर्फ बच्चों की कस्टडी लेना चाहता है। इस पर कोर्ट ने हैदराबाद में रह रही महिला से पूछा कि आप सिंगापुर वापस क्यों नहीं जा सकतीं? महिला ने पति के व्यवहार को वजह बताया। उसने कहा सिंगल मदर होने की वजह से उसे नौकरी की जरूरत है क्योंकि पति से कोई खर्चा नहीं मिलता है। इस पर बेंच ने पति को 5 लाख रुपए जमा करने का निर्देश दिया। हालांकि, पत्नी ने कहा कि वह किसी पर निर्भर नहीं रहना चाहती।

इस पर जस्टिस नागरत्ना ने कहा, 'आप ऐसा नहीं कह सकतीं। एक बार जब आप शादी कर लेते हैं, तो आप भावनात्मक या किसी और तरह से पति पर निर्भर होते हैं। आर्थिक रूप से भले ही न हों। आप यह नहीं कह सकतीं कि मैं किसी पर निर्भर नहीं रहना चाहती। तो फिर आपने शादी क्यों की? शायद मैं पुराने ख्यालों की हूं, लेकिन कोई भी पत्नी यह नहीं कह सकती कि मैं अपने पति पर निर्भर नहीं रहना चाहती।' इस पर पत्नी ने सोचने के लिए समय मांगा। कोर्ट ने दोनों से कहा, 'आप दोनों पढ़े-लिखे हैं। आपको इन चीजों को सुलझाना चाहिए।'

थप्पड़ मारने से नाराज 9वीं के स्टूडेंट ने टीचर को मारी गोली

देहरादून, 21 अगस्त (एजेंसियां)। उधमसिंह नगर के काशीपुर में निजी स्कूल में पढ़ने वाले 9वीं कक्षा के छात्र ने टीचर पर तमंचे से गोली लगा दी। गोली लगने से घायल शिक्षक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस सनसनीखेज घटना के बाद से पूरे जिले के शिक्षकों में रोष है।

बताया जा रहा है कि शिक्षक ने क्लास में छात्र को थप्पड़ मार दिया था। छात्र लंच बॉक्स में तमंचा छिपाकर लाया और कक्षा में ही शिक्षक को गोली मार दी। शिक्षक की हालत गंभीर बनी हुई है।

पुलिस ने आरोपी छात्र को हिरासत में ले लिया है। तमंचा बरामद कर उससे पूछताछ की जा रही है। इस घटना के विरोध में काशी सहित कई इलाकों के स्कूल बंद हैं। सीबीएसई बोर्ड से जुड़े अध्यापक इस घटना के विरोध में हड़ताल पर बैठ गए हैं।

शिक्षक गगन सिंह निजी स्कूल में 15 सालों से तैनात हैं। बुधवार दोपहर वह 9वीं कक्षा में पढ़ा रहे थे। उसी दौरान छात्र ने लंचबॉक्स से 315 बोर का तमंचा निकाल लिया और शिक्षक पर तान दिया। जब तक शिक्षक संभल पाते, छात्र ने उनके दाहिने कंधे पर गोली मार दी। तत्काल उन्हें अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उनकी हालत खतरे से बाहर बताई है।

छात्र का कहना है कि बीते सोमवार को पढ़ाई के दौरान शिक्षक गगन सिंह ने एक सवाल का जवाब देने के बावजूद उसको थप्पड़ मार दिया था। इससे आहत होकर उसने शिक्षक को सबक सिखाने की ठान ली। बुधवार सुबह वह घर की आलमारी से तमंचा उठाकर लाया और मौका पाते ही शिक्षक पर फायरिंग कर दी।

इंदौर में हर महीने डॉग बाइट के 10 हजार मामले

7 महीनों में 28 हजार 142 लोगों को बनाया शिकार, 9 साल में दोगुने हो गए केस

इंदौर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर डॉग बाइट के मामले में प्रदेश में तीसरे पायदान पर है। यहां हर रोज औसतन 134 लोगों को कुत्ते अपना निशाना बना रहे हैं। एक दिन पहले ही बीएसएफ के छह जवानों को एक पागल कुत्ते ने अपना शिकार बनाया। दो जवानों को तो कुत्तों ने बुरी तरह से घायल कर दिया।

शहर में हर महीने लगभग 10 हजार लोगों को स्ट्रीट डॉग शिकार बना रहे हैं। सिर्फ इंदौर के प्रमुख हुकुम चंद पॉलीक्लिनिक के आंकड़ों की बात करें तो औसतन 4 हजार 20 लोगों को आवारा कुत्तों ने शिकार बनाया है। यानी रोजाना 134 लोगों पर स्ट्रीट डॉग ने हमला किया है।

2 साल पहले 2023 में यह आंकड़ा कम था। 2023 तक हर महीने स्ट्रीट डॉग इंदौर में एवरेज 3 हजार 600 और रोजाना 120 लोगों को अपना शिकार बना रहे थे। अब यह आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। हुकुम चंद पॉलीक्लिनिक (लाल अस्पताल) से मिले आंकड़ों के अनुसार इंदौर में जनवरी से लेकर जुलाई 2025 तक 28 हजार 142 लोगों को स्ट्रीट डॉग अपना शिकार बना चुके है। इसमें 28 अन्य वेक्सिन सेंटर और 350 नर्सिंग व प्राइवेट हॉस्पिटल का डेटा शामिल नहीं है।

9 साल में स्ट्रीट डॉग की संख्या दोगुनी

इंदौर की अधिकांश कॉलोनियों और चौराहों पर देर रात निकलना अब और खतरनाक हो चुका है। पिछले 9 साल में स्ट्रीट डॉग के काटने की संख्या दोगुनी हो गई है। वहीं हर साल स्ट्रीट डॉग के शिकार लोगों की संख्या में 20% तक की बढ़ोतरी हो रही है। इनके काटने के बाद लोग एंटी रैबीज वैक्सीन लगाने के लिए एमटीएच स्थित हुकुम चंद पॉलीक्लिनिक पहुंचते हैं।

आंकड़ों के अनुसार 1 जनवरी 2025 से 31 जुलाई 2025 तक इंदौर में 28 हजार 142 लोग आवारा कुत्तों के हमले से घायल हुए हैं। जबकि 9 साल पहले 2016 में यह आंकड़ा 20 हजार 455 था।

यानी 2016 में सालभर में जितने स्ट्रीट डॉग ने लोगों को शिकार बनाया था उससे 8 हजार ज्यादा लोगों को 2025 में स्ट्रीट डॉग सिर्फ 7 महीने में ही अपना शिकार बना चुके हैं। इस हिसाब से देखा जाए तो 9 साल में इंदौर में डॉग बाइट के केस डबल हो गए हैं।

बर्थ-डे सेलिब्रेशन-चाकू से काटा केक

फिर थाने में हाथ जोड़कर मांगी माफी,आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज

इंदौर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर में चाकू से केक काटकर बर्थ-डे सेलिब्रेट करने वाले आरोपियों पर पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों को थाने ले गई, जहां वे हाथ जोड़कर माफी मांगते नजर आए। आरोपियों का पहले से आपराधिक रिकार्ड है और वे क्षेत्र में दहशत फैलाने के लिए ऐसा कर रहे थे। बर्थ-डे सेलिब्रेशन का वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड हुआ है।

आजाद नगर थाने के टीआई तिलक करोले ने बताया कि अभिषेक नगर मूसाखेड़ी निवासी धीरज पुत्र संतोष धनौरे का जन्मदिन था। ममता कॉलोनी निवासी अमन उर्फ आमीन पुत्र अजीज पटेल, अभिषेक नगर निवासी दीपक पुत्र राम अवतार धनौरे इसे सेलिब्रेट कर रहे थे। इस दौरान आरोपी ने चाकू से केक काटा। इस दौरान आरोपियों ने रास्ते से गुजरते कृष्णा नाम के व्यक्ति से मारपीट भी की।

वीडियो देखकर पुलिस ने आरोपियों की पहचान की और उन्हें पकड़कर थाने लाई। यहां आते ही आरोपी पुलिसकर्मियों के सामने हाथ जोड़कर खड़े हो गए। उन्होंने बताया कि लोगों में डर बैठाने के लिए इस तरह से बर्थ-डे बनाया था।

वहीं तेजाजी नगर पुलिस ने भी सोशल मीडिया पर चाकू दिखाकर रील डालने वाले बदमाश सनद उर्फ सन्नू पुत्र महेश मंडलोई निवासी असरावर्द खुर्द को पकड़ा है। आरोपी ने नाचने के दौरान अपने दोस्त के सामने चाकू निकाला और लहराते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया था। आरोपी का आपराधिक रिकार्ड भी है। उस पर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

कैंसर की कई दवाएं मौजूदा मूल्य नियंत्रण दायरे से बाहर

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। संसद की एक समिति ने इस बात पर चिंता जताई है कि कैंसर की कई दवाएं अब भी मौजूदा मूल्य नियंत्रण व्यवस्था के दायरे से बाहर हैं। समिति ने अपनी रिपोर्ट में, औषधि मूल्य नियंत्रण आदेश के दायरे का विस्तार कर कैंसर की दवाओं की यथासंभव व्यापक श्रृंखला को इसमें शामिल करने के उपायों की सिफारिश की है। नारायण दास गुप्ता की अध्यक्षता वाली राज्य सभा की याचिका समिति ने बुधवार को संसद में पेश की गई अपनी 163वीं रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया कि दवाओं की मौजूदा कीमतों और उपलब्धता के रुझान पर नजर रखने के लिए नियमित एवं व्यापक बाजार आकलन किया जाना चाहिए।

दवाओं के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए

समिति ने कहा कि हालांकि, हाल के वर्षों में कैंसर की दवाओं के मूल्य निर्धारण को नियंत्रित करने और वहनीयता को बढ़ावा देने के लिए नियामक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, फिर भी ऐसी दवाओं का एक बड़ा हिस्सा अब भी वर्तमान मूल्य नियंत्रण व्यवस्था के दायरे से बाहर है। समिति ने उल्लेख किया कि आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम), 2022 से संबंधित अधिसूचना के साथ, मूल्य नियंत्रण के अंतर्गत कैंसर-रोधी दवाओं की संख्या 40 (2011 में) से बढ़कर 63 (2022 में) हो गई है। हालांकि बड़ी संख्या में, कैंसर के उपचार में उपयोग की जाने वाली दवाएं औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 के अंतर्गत शामिल नहीं हैं और इस प्रकार वे किसी वैधानिक मूल्य सीमा के अधीन नहीं हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि नियामक समावेशन न होने के कारण कीमतें अत्यधिक और अक्सर वहनीय नहीं होती, जिससे वे मरीजों के एक बड़े हिस्से की पहुंच के दायरे में नहीं होती हैं। इसके अलावा, सरकार नियामक व्यवस्था की प्रभावशीलता का समय-समय पर मूल्यांकन करने और प्रणालीगत कमियों की पहचान करने के लिए एक मजबूत, संस्थागत निगरानी तंत्र स्थापित करने पर विचार कर सकती है। समिति ने रेखांकित किया, इन उपायों के कार्यान्वयन से कैंसर रोगियों और उनके परिवारों पर वित्तीय बोझ काफी कम हो जाएगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एम्स झज्जर के अनुसार, सामान्य कैंसर के लिए जनसंख्या आधारित जांच और 'डे केयर सेंटर' खोलना एनपीसीडीसीएस कार्यक्रम (कैंसर, मधुमेह, हृदय रोगों और आघात की रोकथाम व नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम) के सकारात्मक पहलू हैं।

समिति ने कहा कि हालांकि, इसे और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रारंभिक कैंसर निदान के वास्ते जिला स्तर पर सुविधाओं को बढ़ाने, डेटा आधारित योजना और कैंसर सेवाओं के कार्यान्वयन के लिए कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम एवं एनपीसीडीसीएस को एकीकृत करने तथा जागरूकता फैलाने और व्यवहार परिवर्तन गतिविधियों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा, जिलों और डे केयर सेंटर में रेडियोथेरेपी केंद्रों को चरणबद्ध तरीके से विकेन्द्रीकृत करने की आवश्यकता है। उन्हें कैंसर का पता लगाने और इसके प्रारंभिक प्रबंधन में शामिल किया जा सकता है।

झरने में डूबा तेलंगाना का एयरफोर्स जवान

साथी बिना बताए भागे, ग्वालियर से पिकनिक मनाने आए थे; एसडीआरएफ गोताखोर कर रहे तलाश

धौलपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। धौलपुर जिले के सरमथुरा थाना क्षेत्र स्थित दमोह झरने में एयरफोर्स का एक जवान डूब गया। उसके डूबते ही साथी जवान बिना किसी को सूचना दिए भाग गए। वह साथियों के साथ ग्वालियर से पिकनिक मनाने आया था। पुलिस को 12 घंटे बाद गुरुवार सुबह 6 बजे हादसे की सूचना मिली। इसके बाद गोताखोरों की मदद से जवान की तलाश की जा रही है।

सरमथुरा थाना अधिकारी कृपाल सिंह ने बताया- गुरुवार सुबह ग्वालियर से एयरफोर्स अधिकारी का फोन आया तब जवान के डूबने का पता चला। जानकारी के अनुसार ग्वालियर से एयरफोर्स के कुछ जवान बुधवार को धौलपुर के दमोह झरने पर पिकनिक मनाने आए थे। इस दौरान एक जवान पानी डूब गया। उसकी पहचान तेलंगाना के आदिलाबाद जिले के तारोड़ा निवासी लक्ष्मी प्रसाद के रूप में हुई। जवान के डूबते ही अन्य जवान बिना किसी को सूचना दिए चले गए।

थानाधिकारी ने बताया कि जवान बुधवार शाम करीब 6 बजे डूबा था। गुरुवार सुबह ग्वालियर से एयरफोर्स अधिकारी का फोन आया तब हादसे का पता चला। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने लापता जवान की तलाश शुरू कर दी है। राहत और बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया है। साथ ही स्थानीय गोताखोर भी तलाश में जुटे हैं।

300 फीट ऊंचाई से गिरता है पानी

धौलपुर जिले के सरमथुरा उपखंड में दमोह एक प्राकृतिक झरना है, जो बारिश के दिनों में पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहता है। इसमें 300 फीट ऊंचाई से पानी गिरता है। पानी इतना साफ है कि पानी के अन्दर जमीन की सतह भी देखी जा सकती है। घने जंगल के बीच स्थित यह एक दर्शनीय पर्यटन स्थल है।

दागी और सेटिंगबाज पुलिसवालों पर होगा एक्शन विजिलेंस तैयार कर रही खास लिस्ट

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। हर सप्ताह दिल्ली पुलिस का एक पुलिसकर्मी रिश्वत लेते हुए सीबीआई या विजिलेंस के हत्थे चढ़ रहा है, जिससे पुलिस की छवि धूमिल हो चुकी है। ऐसे में दिल्ली पुलिस के आला अधिकारियों ने मंथन के बाद एक बड़ा फैसला लिया है। दरअसल अब दिल्ली पुलिस के तमाम जिलों व यूनिट में तैनात दागी व सेटिंगबाज पुलिसवालों की लिस्ट तैयार करने के आदेश दे दिए गए हैं। इसका जिम्मा विजिलेंस और डिस्ट्रिक्ट पुलिस को ही दिया गया है। इसके तहत ऐसे पुलिसकर्मियों की लिस्ट तैयार की जा रही है।

पुलिस सूत्र ने बताया, पिछले कुछ महीनों में लगातार सीबीआई और विजिलेंस रेड में पुलिसकर्मी रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार हो रहे हैं। ऐसे में पिछले दिनों होम सेक्रेटरी ने दिल्ली पुलिस के आला अधिकारियों के साथ मीटिंग की, जिसमें लॉ एंड ऑर्डर से लेकर रिश्वकांडों को लेकर भी चर्चा हुई। दिल्ली पुलिस कमिश्नर शशि भूषण कुमार सिंह ने अपने तमाम स्पेशल सीपी व अन्य अधिकारियों के साथ मीटिंग की। तय किया गया कि अब ऐसे पुलिसकर्मियों की लिस्ट तैयार की जाए जो दागी हैं और अपराधियों के साथ मिलकर काम करते हैं। ये लिस्ट तैयार करने का जिम्मा विजिलेंस डिपार्टमेंट व डिस्ट्रिक्ट यूनिट को ही दिया गया है। सूत्र ने यह भी बताया कि ऐसे पुलिसकर्मियों की लिस्ट तैयार करने के बाद इन सभी पुलिसकर्मियों को साइड लाइन कर दिया जाएगा। जैसे उनका ट्रांसफर बटालियन, डिस्ट्रिक्ट लाइन आदि में किया जाएगा। यही नहीं उन्हें कम से कम दस साल तक सेंसिटिव पोस्टिंग नहीं मिलेगी। जल्द इनके खिलाफ एक्शन होना शुरू हो जाएगा। एक अन्य पुलिस सूत्र का कहना है कि इस लिस्ट में किस रैंक तक के पुलिसकर्मियों को रखना है, इस बारे में कुछ खुलकर नहीं बताया गया है।

मुंबई की महिला ने इंदौर में पति-ननंद पर कराई एफआईआर

रोमी बनकर यूसूफ ने की शादी, बेटे का जबरन खतना कराया

इंदौर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर के तुकोगंज थाना क्षेत्र में मुंबई निवासी महिला की शिकायत पर उसके पति और ननंद के खिलाफ दहेज प्रताड़ना, धमकी देने, धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है।

पीड़िता का कहना है कि उसका पति पहले अपना नाम रोमी बताकर रिश्ते में आया, लेकिन शादी के बाद पता चला कि उसका असली नाम यूसुफ है। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि नाबालिग बेटे का जबरन खतना कराया गया और पति ने निजी वीडियो वायरल करने की धमकी दी। मूल रूप से मलाड ईस्ट, मुंबई की रहने वाली पीड़िता ने पुलिस को बताया कि साल 2005 में एक एडवर्टाइजिंग कंपनी के काम के दौरान उसकी पहचान रोमी नामक युवक से हुई। करीब पांच साल तक दोनों रिलेशनशिप में रहे। इस दौरान युवक ने खुद को रोमी बताकर ही रिश्ता निभाया।

साल 2010 में दोनों ने कानूनी रूप से शादी कर ली। तभी महिला को पता चला कि रोमी का असली नाम यूसुफ है। इसके बावजूद उसने रिश्ता तोड़ा नहीं। 2011 में बेटे का जन्म हुआ। महिला ने आरोप लगाया कि बेटे के जन्म के बाद यूसुफ ने इस्लामिक पद्धति से पालन-पोषण की बात कहकर जबरन उसका खतना करा दिया।

महिला ने यह भी बताया कि इस दौरान यूसुफ की बहन गुलबानू लगातार उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव डालती रही। परिवार को टूटने से बचाने के लिए उसने चुप्पी साध ली और हालात को सहन करती रही।

पीड़िता ने आगे कहा कि जब उसने पति से अलग रहने की बात कही तो यूसुफ ने उसे डराना-धमकाना शुरू कर दिया। यहां तक कि उसने महिला को अंतरंग पलों के वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी। इससे परेशान होकर महिला ने पुलिस अधिकारियों को शिकायत सौंपी।

बुधवार को महिला तुकोगंज थाने पहुंची, जहां उसकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की। ग्रीन पार्क कॉलोनी, साउथ तुकोगंज निवासी यूसुफ उर्फ रोमी खान और उसकी बहन गुलबानू खान पर धारा 498ए, 323, 294, 506, 34 भादवि और धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 की धारा 3/5 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 22 अगस्त- 2025

अपने ही जाल में फंसे ट्रंप!

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब अपना खजाना भरने के लिए दूसरे देशों पर टैरिफ लगाकर रहे थे तो उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि इसका उल्टा असर पड जाएगा। अप्रैल में जब उन्होंने टैरिफ की घोषणा की तभी से उनके देश में कंपनियों के दिवालिया होने की रफ्तार बढ़ गई है। पिछले महीने जुलाई में ही 71 बड़ी कंपनियां दिवालिया हो गई। इस तरह इस साल अमेरिका में अब तक 446 बड़ी कंपनियां दिवालिया हो चुकी हैं। अमेरिका पहले से ही कर्ज के जाल में फंसा हुआ है। ट्रंप कर्ज के जाल से बाहर निकलने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। उन्होंने इसके लिए दुनिया भर के देशों पर मनमाना टैरिफ लगाया। लेकिन इसका उल्टा असर होता दिख रहा है। जुलाई में ही 71 बड़ी कंपनियां दिवालिया हुईं जो जुलाई 2020 के बाद किसी एक महीने में दिवालिया होने वाली कंपनियों की सबसे ज्यादा हैं। ट्रंप ने विदेशी सामान पर अप्रैल में 10% टैरिफ लगाया था। इसी महीने से अमेरिका में दिवालिया होने वाली कंपनियों की संख्या में तेजी आई। साल 2025 की पहली छमाही में 371 बड़ी कंपनियों ने हाथ खडे कर दिए। जून में 63 कंपनियों ने बैंकरप्सी के लिए आवेदन किया। इस साल दिवालिया होने वाली कंपनियों में 1990 और 2000 के दशक के कई पॉपुलर ब्रांड्स शामिल हैं। इनमें फारएवर 21, जान्स , राइट एड, पार्टी सिटीऔर क्लेयर्स शामिल हैं। सबसे ज्यादा मार स्मॉलकैप कंपनियों पर पड़ी है। 2024 के अंत में नुकसान में चल रही रसेल 2000 कंपनियों की संख्या बढ़कर 43 फीसदी पहुंच गई जो 2020 के बाद सबसे ज्यादा है। 2008 के संकट के समय यह आंकड़ा 41 फीसदी था। इसके बाद ट्रंप का टैरिफ वॉर शुरू हुआ। कई बार के बदलाव के बावजूद अमेरिका में टैरिफ अब भी बहुत ज्यादा है। अमेरिका का इफेक्टिव टैरिफ 17.3 फीसदी है जो 1935 के बाद सबसे ज्यादा है।

इस साल इंडसट्रियल सेक्टर की 70 कंपनियां दिवालिया हुई हैं जबकि कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी सेक्टर की 61 कंपनियां पर ताला लग चुका है। हेल्थकेयर सेक्टर की 32, कंज्यूमर स्टैपल्स की 22, आईटी की 21, फाइनेंशियल की 13, रियल एस्टेट की 11, कम्युनिकेशन सर्विसेज के 11, मटीरियल्स की 7, यूटिलिटीज तथा एनर्जी सेक्टर की चार कंपनियां इस साल दिवालिया हुई हैं। इन सेक्टर्स की कंपनियों पर टैरिफ का सबसे ज्यादा असर पडा है। टैरिफ से देश में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ने का भी खतरा है। जुलाई में 11 फीसदी छोटी कंपनियों ने कहा कि उनकी बिक्री बहुत खराब रही है। अमेरिका में छोटी कंपनियां 6.23 करोड़ लोगों यानी 45.9 फीसदी लोगों को रोजगार मिला है। अमेरिका में 20 से 24 साल के युवाओं की बेरोजगारी पिछले तीन महीने में औसतन 8.1 फीसदी रही जो चार साल में सबसे ज्यादा है। लागत कम करने के लिए कंपनियां एआई का सहारा ले रही हैं और एंट्री लेवल पर जॉब कटौती कर रही हैं। महंगाई भी फिर सिर उठाने लगी है। कोर सीपीआई मंहगाई भी 3 फीसदी के ऊपर चली गई है। इससे फेडरल रिजर्व के लिए ब्याज दरों में कटौती करना मुश्किल हो गया है।

स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की घातक प्रवृत्ति

अशोक भाटिया

आज के दौर में बच्चों में गुस्सा और हिंसक प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। छोटी-सी बात पर मारपीट या आक्रामक व्यवहार कई बार गंभीर अपराधों का रूप ले लेता है। इस चिंता को और गहरा कर देती है। ऐसे में माता-पिता की भूमिका सबसे अहम हो जाती है। दरअसल, पहले सवाल यह उठता है कि मासूम उम्र, जहां पढ़ाई-खेलकूद और सपनों की उड़ान होनी चाहिए, वहां खून-खराबा क्यों?

हाल ही में सामने आई अहमदाबाद की घटना, जिसमें 8वीं कक्षा के छात्र ने 10वीं के स्टूडेंट की हत्या कर दी। इस घटना ने सांप्रदायिक रंग भी ले लिया । . आरोपी छात्र अल्पसंख्यक समुदाय से है, जबकि पीड़ित सिंधी समाज से था । उसके पहले दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, चेन्नई समेत देश के कई हिस्सों में स्कूलों के अंदर कुछ छात्रों द्वारा किसी छात्र या शिक्षक की हत्या। इसके अलावा हाल ही में दिल्ली के ज्योति नगर इलाके के एक सरकारी स्कूल में कुछ छात्रों ने 10वीं के छात्र की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। दिल्ली से सटे गुरुग्राम के एक बड़े निजी स्कूल में हुई बहुचर्चित प्रद्युम्न हत्याकांड समाज को झकझोर कर रख देने वाली घटना है। उधर, गुजरात के वड़ोदरा में एक छात्र की चाकू से 31 बार वार कर हत्या कर दी गई। दक्षिणी राज्य तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के सेंट मैरी एग्लो इंडियन स्कूल में 12वीं कक्षा के एक छात्र ने प्रधानाचार्य की हत्या कर दी। देशभर में इस तरह की कई घटनाएं हैं, जो स्कूली छात्रों में पनप रही हिंसा की प्रवृत्ति की ओर इशारा करती हैं। ये घटनाएं समाज के लिए खतरे की घंटी हैं। मनोवैज्ञानिकों और शिक्षाविदों की मानें तो स्कूली छात्रों के मन में भरी कुंठा, ईर्ष्या और असहिष्णुता के कारण स्कूली बच्चे इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। यह प्रवृत्ति धीरे-धीरे समाज के लिए खतरा बनती जा रही है। इस संदर्भ में सवाल उठते है कि आखिर वे बच्चे अपने साथ कोई घातक चीज लेकर कैसे स्कूल आ गए। क्या बच्चों के थैले या बस्ते की जांच का कोई नियम नहीं है? इसी के मद्देनजर दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने स्कूलों को आदेश दिये थे कि विद्यार्थियों के बस्ते की औचक जांच करने के लिए एक समिति बनाई जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि विद्यार्थियों के पास ऐसी कोई सामग्री न हो, जिसका उपयोग किसी को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा सके। जाहिर है, इस व्यवस्था के पीछे सरकार की मंशा विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित माहौल बनाना है, ताकि उनके बीच कोई मामूली विवाद जानलेवा हमले में न तब्दील हो जाए। अगर किसी छात्र के पास कोई हथियार नहीं रहेगा, तब गंभीर हिंसा की स्थिति नहीं बनेगी और आपसी विवाद को सुलझाने की गुंजाइश बनी रहेगी। मगर सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है! पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मनःस्थितियों के बारे में सरकार के पास क्या योजना है? बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? बच्चों के बस्ते की औचक जांच की व्यवस्था की अपनी अहमियत हो सकती है। मगर जरूरत इस बात की है कि बच्चों के भीतर बढ़ती हिंसा और आक्रामकता के कारणों को दूर करने को लेकर काम किया जाए। बचपन में हिंसा के संपर्क और किशोरावस्था में व्यवहार संबंधी समस्याओं के बीच संबंधों की जाँच 88 प्रसूति किशोर माताओं और उनके बच्चों के नमूने में की गई। प्रतिगमन विश्लेषणों से पता चला कि 10 वर्ष की आयु से पहले हिंसा और उत्पीड़न के प्रत्यक्षदर्शी होने से, प्रसवपूर्व मातृ और प्रारंभिक बचपन की बाह्य समस्याओं को नियंत्रित करने के बाद भी, अपराध और हिंसक व्यवहार की भविष्यवाणी की जा सकती है। मध्य बाल्यावस्था के दौरान सामाजिक योग्यता और अवसाद ने लड़कियों के लिए उत्पीड़न और हिंसक व्यवहार के बीच संबंधों को नियंत्रित किया, लेकिन लड़कों के लिए नहीं: सामाजिक योग्यता और अवसाद के निम्न स्तर उन किशोर लड़कियों में अपराध के जोखिम कारकों के रूप में कार्य करते हैं जिन्होंने बचपन में उत्पीड़न का अनुभव किया था। इन निष्कर्षों के युवा हिंसा निवारण कार्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं।

ॉदिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रोफेसर डॉक्टर नवीन कुमार ने स्कूली छात्रों की प्रवृत्ति में आए बदलाव के बारे में कहना है कि स्कूली बच्चों द्वारा हिंसा कुंठा और दबाव का नतीजा है। स्कूली बच्चों की प्रवृत्ति में आए बदलाव के पीछे तीन कारण हैं, जिसमें पहला है कि परिवारों का बच्चों से संवाद कम हो गया है। माता पिता बच्चों को अधिक समय नहीं दे पा रहे हैं जिस कारण बच्चों में नैतिक मूल्य का निर्माण नहीं हो पा रहा है। इससे बच्चों में सहयोग व सद्भाव वाली भावना घट रही है। दूसरा कारण है शिक्षा प्रणाली। जब तक स्कूली बच्चों की शिक्षण प्रणाली सही नहीं होगी, तब तक वे मानसिक दबाव और तनाव में रहेंगे ही। वे कब क्या कर बैठेंगे, कोई नहीं जानता। डॉक्टर कुमार ने आगे बताया कि तीसरी बात कि स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली बातें सैद्धांतिक होती हैं, जो बच्चों की रुचि को संतुष्ट नहीं कर पाती हैं। बच्चों को स्कूलों में नियंत्रित वातारण में एक स्थान पर बैठा दिया जाता है, जिस कारण उन्हें शिक्षकों से वन टू वन बातचीत करने में दिक्कत होती है। डॉक्टर कुमार का कहना है कि महानगरीय संस्कृति में और हालात भी बुरे हैं । बच्चे के घर पर आने के बाद उसके मनोभाव व समस्याओं को जानने वाला कोई नहीं रहता। ऐसे में बच्चों को जो ठीक लगता है, वे करते हैं। क्या इसके लिए समाज भी जिम्मेदार है, इस सवाल पर कहना था कि अगर किसी बच्चे ने सफलता पा ली तो ठीक है, लेकिन अगर वह सफल नहीं हुआ तो परिवार से लेकर समाज तक में उसे कोसा जाता है। ऐसे में उसमें कुंठा बढ़ेगी ही। बचपन आनंद काल होता है, जहां उसके गुणों और आत्मविश्वास का निर्माण होता है, लेकिन स्कूलों में 70 से 80 फीसदी बच्चों को पता ही नहीं होता कि उसे आगे करना क्या है।

डॉक्टर कुमार के अनुसार समाज अब आत्मकेंद्रित होने की ओर बढ़ रहा है, समाज में सफलता का पैमाना आईएएस, आईपीएस और बड़ा व्यापारी मान लिया गया है, लेकिन अच्छा मनुष्य बनने की भावना में कमी आई है। समाज में आम और विशेष की खाई बढ़ी है। समाज में सफलता की परिभाषा हो गई है: शक्तिशाली। जो शक्तिशाली है वह अपना प्रभुत्व कायम कर लेगा। समाज आपको तभी मानेगा जब आप आईपीएस, बड़े व्यापारी या राजनेता होंगे। ₹ उनके अनुसार यह एख बहुत ही खतरनाक चलन बन गया है। वे कहते हैं कि देश में कोई व्यक्ति अपने बच्चे को किसान नहीं बनाता और इसी तरह से मौलिक चीजों को भी नजरअंदाज किया जा रहा है। इन घटनाओं पर स्कूलों द्वारा लगाम लगाने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि स्कूल बच्चों का ध्यान रचनात्मक गतिविधियों में लगाएं, सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान न दें, सिर्फ पाठ्यक्रम पढ़ाने से बच्चों का भला नहीं होगा। उन्हें तैराकी सिखाएं, कहीं घूमने ले जाएं या खेल की गतिविधियों में शामिल होने को कहें। साथ ही बच्चों में एक-दूसरे से संवाद की तकनीक पैदा करना भी जरूरी है, ताकि उनमें संवेदना जागे। उन्हें बाहर ले जाकर उन गरीब बच्चों से मिलाएं, जिन्हें ये सब सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। इन उपायों से बच्चों की प्रवृत्ति में बदलाव आएगा। अभिभावकों की तरफ से बच्चों की परवरिश में कोताही भी उनके इस रवैये के लिए जिम्मेदार है। डॉक्टर कुमार के अनुसार अभिभावकों को बच्चों से लगातार संवाद करना चाहिए । उनके साथ भावनात्मक रूप से जुड़ना चाहिए।

परसाई: साहित्य की वह कलम जो सत्ता से कभी नहीं डरी

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

हरिशंकर परसाई का नाम हिंदी साहित्य में एक ऐसी धारदार लेखनी के साथ उभरता है, जिसने हँसी के माध्यम से समाज की गहरी खामियों को उजागर किया। उनकी जयंती, 22 अगस्त, केवल एक तारीख नहीं, बल्कि उस साहित्यिक चेतना को याद करने का अवसर है, जिसने समाज के सामने सच का आईना रखा। परसाई केवल व्यंग्यकार नहीं थे; वे एक संवेदनशील कथाकार, गहरे विचारक और सामाजिक सुधारक भी थे। उनकी रचनाएँ, जैसे वैष्णव की फिसलन, तब की बात और थी, और निठल्ले की डायरी, न केवल पाठकों को हँसाती हैं, बल्कि उन्हें सामाजिक और राजनीतिक विसंगतियों पर सोचने के लिए मजबूर भी करती हैं। उनकी लेखनी का जादू यह था कि वह आम आदमी की भाषा में लिखी गई, जिससे गाँवों, कस्बों और शहरों के पाठक उनके साथ एक गहरा रिश्ता जोड़ सके।

परसाई का जन्म 22 अगस्त 1924 को मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले के जमनी गाँव में हुआ। उनका बचपन अभावों और संघर्षों में बीता। पिता का देहांत जल्दी हो गया, और परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी। इन कठिनाइयों ने परसाई को जीवन की कड़वी सच्चाइयों से कम उम्र में ही रूबरू करा दिया। यह अनुभव उनकी रचनाओं में साफ झलकता है। उनकी रचनाएँ, जैसे प्रेमचंद के फटे जूते, सामाजिक असमानता, गरीबी और सत्ता के दुरुपयोग पर तीखा प्रहार करती हैं। परसाई की लेखनी में जो तीक्ष्णता और संवेदनशीलता दिखती है, वह उनके जीवन के इन कठिन अनुभवों की देन है। उनकी यह खासियत थी कि वे समाज की कमियों को हल्के-फुल्के अंदाज में पेश करते थे, लेकिन उनकी हर पंक्ति में गहरी पीड़ा और सामाजिक चेतना छिपी होती थी।

परसाई का व्यंग्य केवल हँसाने का साधन नहीं था; वह एक सामाजिक हथियार था। वे कहते थे, व्यंग्य दुख से पैदा होता है। उनकी रचनाओं में यह दुख साफ दिखाई देता है, चाहे वह सत्ता की विसंगतियों पर उनकी तीखी टिप्पणी हो, धार्मिक पाखंड पर उनकी चोट हो, या मध्यवर्गीय जीवन की छोटी-मोटी विडंबनाओं का चित्रण हो। उदाहरण के लिए, उनकी रचना इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर में वे पुलिस और प्रशासन की भ्रष्ट कार्यप्रणाली का मजाक उड़ाते हैं, लेकिन इस मजाक के पीछे एक गंभीर सवाल छिपा है—क्या हमारा सिस्टम वाकई इतना भ्रष्ट और लापरवाह है? परसाई का यह अंदाज उनकी रचनाओं को समयातीत बनाता है। आज भी, जब हम उनकी रचनाएँ पढ़ते हैं, तो वे उतनी ही प्रासंगिक लगती हैं। नेताओं की वादाखिलाफी, धर्म के नाम पर राजनीति, और भ्रष्टाचार पर उनके व्यंग्य आज के भारत पर भी सटीक बैठते हैं।

परसाई की एक और खासियत थी उनकी सादगी भरी भाषा। वे जटिल शब्दों या विद्वतापूर्ण लेखन से बचते थे। उनकी लेखनी में गाँव-देहात की मिट्टी की सोंधी खुशबू थी, जो आम पाठक को तुरंत अपनी ओर खींच लेती थी। उनकी रचनाएँ, जैसे पूछो परसाई से या शिकायत मुझे भी है, में आम आदमी की भाषा और उसके रोजमर्रा के जीवन की समस्याएँ साफ झलकती हैं। यही कारण है कि परसाई का पाठक वर्ग केवल साहित्यिक हलकों तक सीमित नहीं रहा। उनकी रचनाएँ छोटे शहरों, कस्बों और गाँवों में भी उतनी ही लोकप्रिय थीं। उनकी यह क्षमता थी कि वे गंभीर मुद्दों को इतने सहज ढंग से पेश करते थे कि पाठक हँसते-हँसते समाज की सच्चाई से रूबरू हो जाता था।

कम लोग जानते हैं कि परसाई ने केवल व्यंग्य ही नहीं लिखा। उन्होंने कहानियाँ, निबंध और आलोचनात्मक लेखन भी किया। उनकी कहानियों में सामाजिक यथार्थ और मानवीय संवेदनाओं का गहरा चित्रण मिलता है। इसके अलावा, उन्होंने एक समय अध्यापन और पत्रकारिता भी की। कई अखबारों में उनके कॉलम बेहद लोकप्रिय थे। इन कॉलमों में वे तत्कालीन राजनीति, सामाजिक रूढ़ियों और प्रशासनिक खामियों पर तीखी टिप्पणियाँ करते थे। उनकी लेखनी इतनी प्रभावशाली थी कि कई बार उन्हें राजनीतिक और सामाजिक दबावों का सामना करना पड़ा। लेकिन परसाई कभी नहीं डिगे। वे अपनी लेखनी के जरिए सत्ता, धर्मगुरुओं और समाज के तथाकथित ठेकेदारों को निशाने पर लेते रहे।

परसाई का लेखन न केवल पुरुष-प्रधान समाज की विसंगतियों को उजागर करता था, बल्कि उन्होंने स्त्रियों की स्थिति पर भी अपनी कलम चलाई। उनकी रचनाओं में पितृसत्ता, घरेलू जीवन की जटिलताओं और समाज में स्त्रियों के प्रति भेदभाव पर तीखी टिप्पणियाँ मिलती हैं। हालांकि, कुछ आलोचकों का मानना है कि उनकी रचनाओं में कभी-कभी पारंपरिक दृष्टिकोण भी झलकता है, लेकिन यह उनकी ईमानदारी को ही दर्शाता है। वे समाज की कमियों को, चाहे वह उनकी अपनी सोच में ही क्यों न हो, छिपाने की कोशिश नहीं करते थे। उनकी रचना भोलाराम का जीव में मध्यवर्गीय परिवार की छोटी-छोटी समस्याओं और पितृसत्तात्मक सोच का चित्रण इस बात का उदाहरण है।

परसाई की दूरदर्शिता उनकी रचनाओं की सबसे बड़ी ताकत थी। उन्होंने अपने समय की सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों को इतनी गहराई से समझा कि उनके व्यंग्य आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। परसाई का निजी जीवन भी उनकी लेखनी की तरह ही सादगी और संघर्ष से भरा था। वे आर्थिक तंगी से जूझते रहे, लेकिन कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। वे मजाक में कहा करते थे, लेखक को भूखा रहना चाहिए, तभी उसकी लेखनी में आग रहती है। यह केवल एक कथन नहीं था, बल्कि उनकी जिंदगी का सच था। उनके जीवन के अंतिम वर्षों में भी आर्थिक कठिनाइयाँ बनी रहीं, लेकिन लेखन के प्रति उनकी निष्ठा कभी कम नहीं हुई। उनकी यह प्रतिबद्धता उनकी रचनाओं में भी झलकती है, जो हमेशा निडर और बेबाक रही।

परसाई ने व्यंग्य को केवल मनोरंजन की विधा नहीं रहने दिया; उन्होंने इसे सामाजिक चेतना का हथियार बनाया। उन्होंने सिद्ध किया कि व्यंग्य केवल हँसी पैदा करने के लिए नहीं, बल्कि समाज को झकझोरने और उसे बदलने के लिए भी हो सकता है। उनकी रचनाएँ हमें न केवल हँसाती हैं, बल्कि हमें अपने समाज, अपनी व्यवस्था और स्वयं अपने भीतर झाँकने के लिए मजबूर करती हैं। उनकी जयंती पर उन्हें याद करना केवल एक साहित्यकार को श्रद्धांजलि देना नहीं है, बल्कि उस चेतना को जीवित रखना है, जो हमें सच्चाई से रूबरू कराती है।

परसाई की लेखनी आज भी हमें प्रेरित करती है कि हम अपने आसपास के पाखंड, भ्रष्टाचार और अन्याय को देखें और उसका विरोध करें। वे हमें सिखाते हैं कि हँसी के पीछे गंभीर चिंतन और नैतिक जिम्मेदारी होती है। उनकी जयंती पर यह संकल्प लेना चाहिए कि हम उनकी तरह निडर और ईमानदार बने रहेंगे, चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी विपरीत क्यों न हों। परसाई का साहित्य न केवल हिंदी साहित्य की धरोहर है, बल्कि यह एक ऐसी ज्योति है, जो हमें समाज की सच्चाई को देखने और उसे बदलने की प्रेरणा देती है।

चुनाव आयोग की कमजोरियां सामने आ गई

राजेश कुमार पासी

राहुल गांधी चुनाव आयोग पर लगातार हमले कर रहे हैं कि उसने भाजपा से मिलकर चुनाव चोरी किया है । चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और स्वतंत्र रूप से काम करती है । इसी तरह सुप्रीम कोर्ट भी एक संवैधानिक संस्था है और स्वतंत्र रूप से काम करती है । इस समय विपक्ष चुनाव आयोग पर हमले कर रहा है लेकिन वो सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ भी बयानबाजी शुरू कर देता है जब कोई फैसला उसके एजेंडे के खिलाफ आ जाता है । इस समय कांग्रेस के नेता राहुल गांधी पूरे विपक्ष का नेतृत्व कर रहे हैं और पूरा विपक्ष उनके एजेंडे पर चल रहा है । कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए संवैधानिक व्यवस्थायों का अपने हितों में इस्तेमाल किया है इसलिए राहुल गांधी को लगता है कि मोदी सरकार सत्ता का दुरुपयोग करके संवैधानिक संस्थाओं का इस्तेमाल अपने राजनीतिक हितों को साधने के लिए कर रही है । देखा जाए तो ये सच भी है कि जो भी दल सत्ता में होता है वो संवैधानिक संस्थाओं पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल करता है । सवाल यह है कि अगर भाजपा ऐसा कर भी रही है तो उसके खिलाफ अभियान तब चलाया जाना चाहिए जब विपक्ष के हाथ में ठोस सबूत हों लेकिन हो यह रहा है कि विपक्ष व्यवस्था की विसंगतियों को इंगित करके भाजपा पर हमला कर रहा है । अजीब बात यह है कि यह विसंगतियां खुद कांग्रेस ने ही पैदा की हैं या कांग्रेस के समय से चली आ रही हैं । राहुल गांधी ने एक प्रेस कांफ्रेंस करके मतदाता सूची में मौजूद विसंगतियों को मीडिया के सामने रखा और कहा कि इन विसंगतियों के सहारे भाजपा ने चुनाव चोरी किया है । चुनाव आयोग ने अपनी बात रखने के लिए एक बड़ी प्रेस कांफ्रेंस की और पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए । चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है इसलिए भाजपा उसका बचाव नहीं कर सकती । चुनाव आयोग को यह बात समझ आ गई है कि उसे अपनी छवि बचाने के लिए देश को अपना पक्ष बताना पड़ेगा । मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बड़ी साफगोई से अपनी बात मीडिया के सामने रखी लेकिन अंजाने में ही वो चुनाव आयोग की कमजोरियां देश के सामने रख गए । अजीब बात यह है कि उन्होंने जिन कमजोरियों को बड़ी सहजता के साथ मीडिया में रखा, उससे लगता है कि चुनाव आयोग को अपनी कमजोरियों का अहसास ही नहीं है । सच तो यह है कि राहुल गांधी इन्हीं कमजोरियों को सामने लाकर चुनाव चोरी का विमर्श चलाने की कोशिश कर रहे हैं । बेशक ज्ञानेश कुमार ने मीडिया के सवालों के जवाब अच्छी तरह दिए लेकिन फिर भी कुछ सवाल बाकी रह गए । चुनाव आयोग की प्रेस कांफ्रेंस में एक साथ पांच सवाल लिए जा रहे थे और फिर उनके जवाब एक साथ दिए जा रहे थे । मैंने जीवन में ऐसा पहली बार देखा है कि पांच सवाल एक साथ लेकर जवाब दिए जाएं । पता ही नहीं चल रहा था कि वो किसके सवाल का जवाब दे रहे हैं । इसके कारण कई सवालों के जवाब अस्पष्ट रह गए हालांकि उन्होंने किसी भी सवाल से बचने की कोशिश नहीं की । चुनाव आयोग को मोदी की तरह विपक्ष की तरफ से बेपरवाह होकर काम करना चाहिए लेकिन अपनी कमियों से दूर नहीं भागना चाहिए । चुनाव आयोग को समझना होगा कि अब सोशल मीडिया का जमाना है. हर खबर कुछ ही देर में पूरी दुनिया तक पहुंच जाती है । चुनाव आयोग को अपने काम में सुधार करने की जरूरत है ताकि उस पर कम से कम सवाल उठें और जनता का विश्वास उसमें बना रहे क्योंकि लोकतंत्र को चलाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी संविधान ने उसे ही दे रखी है । चुनाव आयोग के सामने जो कमियां आ रही है, उन्हें उसे दूर करने की कोशिश करनी चाहिए । अगर कुछ कमियां दशकों से जारी हैं तो उन्हें सामान्य मानकर छोड़ा नहीं जाना चाहिए । बेशक राहुल गांधी भाजपा पर सवाल उठा रहे हैं लेकिन इसमें कांग्रेस सहित दूसरे दल भी शामिल हो गए हैं । मतदाता सूची में गड़बड़ी का सभी फायदा उठाते रहे हैं । सबको पता है कि मृतकों के नाम पर फर्जी वोटिंग होती है । जो लोग दूसरे जगहों पर चले गए हैं, उनकी जगह भी फर्जी वोटिंग की जाती है । भाजपा तो अभी इस खेल में शामिल हुई है, कांग्रेस तो इस खेल की पुरानी खिलाड़ी है ।

क्या चुनाव आयोग नहीं जानता जो लोग दूसरे राज्यों में मजदूरी करने जाते हैं, वो अपना वोट वहां बनवा लेते हैं लेकिन उनका नाम अपने गांव की मतदाता सूची में भी रहता है । प्रधान पद के चुनावों में ये लोग वोट डालने जरूर जाते हैं क्योंकि प्रधान उन्हें गांव की सरकारी सुविधाएं दिलाता है । इस तरह करोड़ों लोगों के पास दो वोटर कार्ड हो सकते हैं और वो लोग दो जगहों पर वोट भी डालते होंगे । दो वोटर कार्ड होना कानूनी रुप से गलत है लेकिन चुनाव आयोग इस कमी को दूर करने के लिए क्या कर रहा है । जब आप किसी नई जगह पर जाते हैं तो नया राशन कार्ड बनवाने के लिए जरूरी होता है कि आप पुरानी जगह से अपना नाम हटवा दें, तभी नया राशन कार्ड बनता है, हालांकि राशन कार्ड भी बड़ी मात्रा में फर्जी बने हुए हैं ।

अशिक्षा जनित अंधविश्वास समग्र विकास में अवरोध

संजीव ठाकुर

आश्चर्य की बात है कि आज के प्रगतिशील वैज्ञानिक युग में विज्ञान और टेक्नोलॉजी से शिक्षित जनमानस भी अंधविश्वास और रूढ़िवादिता का अंधभक्त या अनुयाई हो गया है। मकान में वास्तु दोष दूर करने के लिए अनावश्यक तोड़फोड़ और सुधार के लिए लाखों खर्च किए जाते हैं। यह अंधविश्वास का एक जीता जागता प्रमाण है। वास्तु दोष तथा अंधविश्वास को मानने वाले 90% शिक्षित युवा इस मकड़ जाल में फंसे हुए हैं। अशिक्षा और अज्ञानता ने अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता को भारत में फैलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी है। इस वैज्ञानिक युग में अत्यंत शिक्षित एवं पढ़े-लिखे लोग भी अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता के पीछे भागने लगे तो यह समाज और देश के लिए दुर्भाग्य की बात है। यह तो तय है की शिक्षा, ज्ञान अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर के विवेकपूर्ण विचारों को सोचने की शक्ति प्रदान करता है और इसके पश्चात ही मनुष्य वैज्ञानिक आधार पर तर्क रखकर अपनी बात को मानना शुरू करता है। पूर्व में हम मानते थे कि पृथ्वी चपटी है किंतु वैज्ञानिक प्रयोगों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार यह सिद्ध हो गया कि पृथ्वी गोल है अब लोगों ने लॉजिक और वैज्ञानिक प्रमाण के आधार पर यह मान लिया है की पृथ्वी गोल ही है।

शहीद भगत सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नौजवान भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास और कट्टरता हमारी प्रगति के बहुत बड़े बाधक है, वह हमारे रास्ते की बाधा साबित हुए हैं उनसे हमें हर हाल में छुटकारा पा लेना चाहिए जोकि आजाद विचारों को बर्दाश्त नहीं कर सकती उसे समाप्त हो जाना चाहिए इसी प्रकार अन्य बहुत सारी कमजोरियां भी हैं जिन पर हमें विजय प्राप्त करना होगा ,इस कार्य के लिए सभी समुदाय के क्रांतिकारी उत्साह रखने वाले नई सोच के नौजवानों की आवश्यकता है। उन्होंने बिल्कुल सही कहा था क्योंकि युवा शक्ति ही देश में नए विचारों की क्रांति ला सकती और अंधविश्वास को समूल नष्ट करने में इनकी ऊर्जा इस कार्य के लिए लगाई जा सकती है,पर दूसरी तरफ शिक्षा का प्रचार प्रसार होना भी नितांत आवश्यक है। शिक्षा ही ऐसा मूल मंत्र है जिससे अंधविश्वास एवं आडंबर की पोल खोली जा सकती शिक्षा से हमारा तात्पर्य विज्ञान से भी है विज्ञान ने अनेक अंधविश्वास को जन सूचियों में अविश्वास के रूप में में स्थापित किया है और शिक्षा तथा विज्ञान तकनीकी ऐसे मार्ग हैं जिन से चलकर हम न सिर्फ चांद पर पहुंचे हैं बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से पूरी दुनिया एक परिवार की तरह एक दूसरे के एकदम करीब आ चुकी है ऐसे में अंधविश्वास, धार्मिक कट्टरता एवं संप्रदायवाद की जगह कहाँ बच जाती है भला ? शिक्षा का स्तर ईतना ऊंचा हो जाना चाहिए की इन अंधविश्वासी बातों और मिथकों का अस्तित्व ही मूल रूप से विस्मृत किया जाना चाहिए। बिल्ली के रास्ता काटने से काम रुक जाता है,किसी की छींक देने से अशुभ संकेत स्थापित होने लगते हैं यदि कौवा बोलता है तो मेहमान आने का संकेत माना जाना इन सब बातों की कोई तार्किक अथवा वैज्ञानिक पृष्ठभूमि नहीं है और जनमानस द्वारा अपने दिमाग का प्रयोग कर ऐसी अतार्किक और वैज्ञानिक बातों में विश्वास करना भी अंधविश्वास को सामाजिक स्तर पर मान्यता प्रदान करता है।

यह भी अशिक्षा का एक बहुत बड़ा परिणाम है। शिक्षा विज्ञान तथा तकनीकी ज्ञान समाज में तर्कसंगत बातों का विश्वास करने पर भरोसा दिलाता है और धीरे धीरे अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता से मनुष्य को परे ले जाता है। मूलतः अंधविश्वास को दूर करने के लिए हमें शिक्षा जैसे अस्त्र का इस्तेमाल तीव्र गति से किया जाना चाहिए। अंधविश्वास, तंत्र मंत्र के अधीन होकर पशुओं की बलि देना भी एक प्रकार से अंधविश्वास को बढ़ावा देना ही है, तंत्र मंत्र के विश्वास में आकर मानव न केवल पशुओं की बलि देते बल्कि बच्चों की बलि देने से भी नहीं परहेज करता है।

जब तक रहेगा समोसे में आलू

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

कभी फिल्मी दुनिया में, एक गीत खूब बजता था, जब तक रहेगा समोसे आलू, तेरा रहूँगा ओ! मेरी शालू। मुझे तो लगता है, समोसे के अंदर आलू भरने की परंपरा चिरंतन काल से चली आ रही है। समोसे के अंदर भरे, आलू के प्यार-दुलार का संग-साथ हमेशा लोगों को हरषाता-लुभाता रहा है। कभी एक नेता के संदर्भ में, यह जुमला खूब उछाला जाता था, जब तक रहेगा, समोसे में आलू, तब तक फलां राज्य की कुर्सी पर, काबिज रहेगा अपना कालू। अपना देश तमाम विविधताओं, तमाम सांस्कृतियों से भरा-पूरा देश है-इसलिए पूरे देश में, समोसे में भी तरह-तरह की तमाम विविधताएँ पाई जातीं है, कहीं हल्का है। कहीं भारी है। कहीं तीखा है। कहीं तैलीय है। कहीं चटनी के साथ है, कहीं छोले के साथ, कहीं चाट के साथ, तो कहीं हरी मिर्च और चटपटे अचार के साथ। कहीं पत्ते-दोने में ,कहीं प्लास्टिक की पैंकिग में, तो कहीं इको फेंडली पेपर के अंदर से, प्रकट होकर आंतरिक आत्मिक क्षुधा को तृप्त करता, यह सबका प्यारा-दुलारा समोसा ही है। उसकी बनावट, उसकी कसावट ,उसके अन्दर भरे आलू-कचालू के साथ लजीज़ मसालों व अन्य पदार्थों की मिलावट से उसके स्वाद और उसकी देहयाष्टि पर बरबस लोग टूट पड़ते हैं, जब वह गरमा-गरम, छन-छन-छन रूनझुन-रूनझुन घुंघरू बजाते हुए, कड़ाही से प्रकट होता है।

अगर समोसे में इतनी सारी विविधताएँ पायी जाएंगी तो फिर उसके रेट में, उसके वेट में भी विविधताएँ व अन्तर होना लाजिमी है। घाट-घाट का पानी, पत्ते का सेवन करने वाले, एक नेताजी को जब इसके रेट में कई जगहों से अन्तर का अहसास हुआ, तब वह बेहद दुखी और चिंतित हुए। लिहाजा इस वैश्विक समस्या का चिन्तन-मंथन निरंतर करते रहे, इसके समाधान पर उनके मन में कई-कई कार्य योजनाएं उपजने लगीं। देश को सबसे बड़ी इस ज्वलंत समस्या से कैसे निजात दिलाई जाए, इस पर गहराई से कई महीनों तक, वह सोचते-विचारते रहे। आखिरकार वह सुनहरा दिन भी आया, जब देश की सबसे बड़ी पंचायत में उन्हें बोलने का मौका मिला, तब वह समोसे की विविधता व इसके रेट को लेकर मुखर हुए बोले-जब देश एक है तो समोसे के रेट, उसकी वैराइटी कश्मीर से कन्याकुमारी तक अलग-अगल क्यों है? समोसे के साथ पाव-भाजी तथा रेस्ट्रोरेंट-ढाबों के खान-पान के बिगड़े रेटों पर भी अपने गूढ़ विचार ऐरोप्लेन की रफ्तार से वह प्रकट कर गये। अमृत काल में, देश की सबसे बड़ी पंचायत, उनके अमृत विचारों से अभिभूत हुई। बहुत हर्षित हुई । उनके विचारों को सुन कुछ सयाने लोग कहने लगे, सबसे बड़ी इस समस्या के लिए, एक स्थाई कार्य समिति बनाई जाए । एक आयोग बनाया जाए, तभी समोसे से लेकर, होटलों ढाबों तक किया गया, नेता जी का राष्ट्रीय चिंतन-मंथन सार्थक होगा।

आज मनाई जाएगी पिठोरी अमावस्या

भाद्रपद माह में आने वाली अमावस्या को पिठोरी अमावस्या के नाम से जाना जाता है। साल 2025 में 22 अगस्त के दिन पिठोरी अमावस्या मनाई जाएगी। इस दिन पितरों की पूजा करने से उनका आशीर्वाद हमें प्राप्त होता है।

पिठोरी अमावस्या 22 अगस्त 2025 को है। यह दिन पितरों की पूजा करने के लिए बेहद शुभ माना जाता है। इसके साथ ही इस दिन 64 योगिनियों की पूजा का भी विधान है। इस दिन संतान की सुख-समृद्धि और लंबी उम्र के लिए भी व्रत रखा जाता है। ऐसे में आइए जान लेते हैं कि पिठोरी अमावस्या के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त कब रहेगा और कैसे इस दिन आपको पूजा करनी चाहिए।

पिठोरी अमावस्या तिथि

भाद्रपद माह की अमावस्या तिथि यानि पिठोरी अमावस्या की शुरुआत 22 अगस्त को सुबह 11 बजकर 55 मिनट से हो जाएगी वहीं 23 अगस्त को 11 बजकर 35 मिनट तक पिठोरी अमावस्या रहेगी। इसलिए श्राद्ध आदि की अमावस्या 22 अगस्त को मानी जाएगी। हालांकि उदयातिथि में कुछ लोग 23 अगस्त को भी अमावस्या तिथि का पूजन करेंगे। आइए अब जान लेते हैं कि 22 अगस्त को श्राद्ध आदि के लिए शुभ समय कब रहेगा।

शुभ पूजा मुहूर्त

पिठोरी अमावस्या की शुरुआत सुबह 11 बजकर 55 मिनट से होगी इसलिए पूजा भी इसके बाद करना ही शुभ रहेगा। पूजा के लिए अभिजीत मुहूर्त (दोपहर 12:04 पीएम से 12:55 पीएम तक) बेहद शुभ रहेगा। हालांकि इसके बाद भी आप पितरों का तर्पण और श्राद्ध प्रदोष काल तक कर सकते हैं। सूर्यास्त के बाद के समय को प्रदोष काल कहा जाता है।

पिठोरी अमावस्या पूजा विधि

पिठोरी अमावस्या के दिन आपको सुबह के समय स्नान-ध्यान के बाद भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। गंगाजल से विष्णु भगवान का अभिषेक करना चाहिए। इसके बाद धूप- दीप जलाकर भगवान की पूजा करनी चाहिए।

इस दिन आपको विष्णु चालीसा का पाठ भी करना चाहिए। पूजा के अंत में आरती करें और प्रसाद का वितरण करें। वहीं पितरों की कृपा प्राप्त करने के लिए पितृ चालीसा का पाठ आपको इस दिन करना चाहिए। साथ ही पीपल के पेड़ तलें सरसों के तेल का दीपक जलाना चाहिए।

पिठोरी अमावस्या की पूजा का शुभ मुहूर्त

सूर्योदय- सुबह 05:54
ब्रह्म मुहूर्त- सुबह में 04:26 से 05:10
अभिजित मुहूर्त- सुबह 11:58 से दोपहर 12:50
प्रदोष मुहूर्त- शाम 06:53 से रात 09:06
सायाह्न सन्ध्या- शाम 06:53 से रात 08 बजे

पिठोरी अमावस्या की पूजा विधि

ब्रह्म मुहूर्त से पहले उठें।
स्नान आदि कार्य करने के बाद शुद्ध लाल या पीले रंग के कपड़े धारण करें।
सूर्य देव को जल अर्पित करें।
पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण करें।
गंगा के समीप घी का एक दीप जलाएं।
हाथ जोड़कर व्रत का संकल्प लें।
आटे से 64 योगिनियों की प्रतिमाएं बनाएं और उनकी पूजा करें।
पिठोरी अमावस्या की कथा पढ़ें या सुनें।
व्रत का पारण करने से पहले दान करें।

अमावस्या पर नदी स्नान के बाद भी कर सकते हैं तर्पण

अमावस्या पर किसी नदी में स्नान करें और स्नान के बाद हथेली में जल लें। जल में काले तिल और जौ रखें। पूर्वजों के नाम स्मरण करते हुए अंगूठे की ओर से पितरों को जल अर्पित करें। मंत्र ऊँ पितृदेवेभ्यो नमः का उच्चारण करें।

इस दिन पिंडदान भी कर सकते हैं। पिंडदान में पिंड के रूप में चावल और तिल से बने पदार्थ अर्पित किए जाते हैं।

अमावस्या पर दान देना भी शुभ माना जाता है। इस दिन तिल, काले कपड़े, धन या अन्नदान करें। गरीबों को भोजन कराने से पितृ प्रसन्नता प्राप्त होती है।

हरिद्वार में ये घाट और मंदिर पितर कर्म के लिए खास हैं

हरिद्वार हिंदुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। साल भर हरिद्वार में देश के अलग-अलग राज्यों और विदेशों से हिंदू धर्म के लोग गंगा स्नान और धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए आते हैं। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, हरिद्वार में किए गए धार्मिक कार्य से संपूर्ण फल की प्राप्ति होती है। पितृपक्ष के दौरान हरिद्वार में कोई भी धार्मिक अनुष्ठान करने पर विशेष फल की प्राप्ति होती है।

हिंदू धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, आश्विन मास में होने वाले पितृपक्ष के दौरान यदि हरिद्वार में गंगा किनारे धार्मिक अनुष्ठान किया जाए तो नाराज पितृ भी प्रसन्न हो जाते हैं। हरिद्वार में पितृ कार्य करने के लिए धार्मिक ग्रंथों में अनेक स्थानों का वर्णन किया गया है। अस्थि प्रवाह घाट, कुशावर्त घाट, प्राचीन नारायणी शिला मंदिर, राजा दक्ष घाट और शीतला माता घाट पर पितृ कार्य करने से विशेष लाभ मिलता है।

अस्थि प्रवाह घाट हर की पैड़ी के पास स्थित है, जहां देश के अलग-अलग राज्यों से आए लोग अपने पितरों की अस्थियां प्रवाहित कर धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। कहा जाता है कि इस स्थान पर पिंडदान, तर्पण, पितरों को जलांजलि, तिलांजलि आदि करने का विशेष महत्व है। अस्थि प्रवाह घाट हर की पैड़ी पर गंगा किनारे स्थित एक प्राचीन घाट है।

हर की पैड़ी पर स्थित प्राचीन कुशावर्त घाट का वर्णन स्कंद पुराण समेत कई धार्मिक ग्रंथों में किया गया है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, इस स्थान पर पितरों के निमित्त उनका पिंडदान करने, श्राद्ध कर्म करने, तर्पण करने और पितरों को तिलांजलि देने पर प्रेत योनि में भटक रहे पितरों को शांति मिलती है और वे अपने लोक लौट जाते हैं। प्राचीन काल में इस स्थान पर कुशा के बड़े-बड़े वृक्ष थे, जो हिंदू धर्म में बेहद पवित्र माने जाते हैं।

आश्विन मास में होने वाले पितृपक्ष के दौरान यदि हरिद्वार के देवपुरा में नारायणी शिला पर पितृ कार्य किया जाए तो संपूर्ण लाभ की प्राप्ति होती है। इस स्थान का वर्णन पितरों को शांति देने और मोक्ष प्रदान करने के लिए कई धार्मिक ग्रंथों में किया गया है। जिनके पितृ प्रेत योनि में भटक रहे हों या नाराज हों, प्राचीन नारायणी शिला पर पिंडदान और पितृ पूजा करने पर सभी दुख समाप्त हो जाते हैं।

हरिद्वार में भगवान शिव की ससुराल मानी जाती है, जहां पितृपक्ष के दौरान पितरों के निमित्त धार्मिक कार्य करने का विशेष महत्व बताया गया है।

हरिद्वार की उपनगरी कनखल में स्थित दक्षेश्वर महादेव मंदिर ही भगवान शिव की ससुराल है। यही दक्ष घाट भी है, जहां पिंडदान, श्राद्ध कर्म, पितरों को तिलांजलि, जलांजलि और अन्य पितृ कार्य करने पर संपूर्ण लाभ मिलता है।

हरिद्वार की उपनगर कनखल में भगवान शिव की ससुराल दक्षेश्वर महादेव मंदिर स्थित है। दक्षेश्वर महादेव मंदिर के पास ही माता सती का जन्मस्थान है, जहां प्राचीन शीतला माता मंदिर है। इस मंदिर के घाट पर, साल भर में होने वाली अमावस्या के दिन या पितृपक्ष के दौरान नाराज पितरों को मनाने के लिए धार्मिक अनुष्ठान करने पर संपूर्ण लाभ मिलता है। यहां पिंडदान, तर्पण और अन्य पितृ कार्य करने का विशेष महत्व बताया गया है।

जैन धर्म में आठ दिवसीय पर्युषण पर्व का महत्व

निर्मला बैद

जैन धर्म में कई तरह के पर्व मनाये जाते हैं। जिनमे से एक पर्युषण पर्व भी है। जैन धर्म के त्यौहार में यह प्रमुख है। जैन धर्म को दो संप्रदायों में बांटा गया है। श्वेताम्बर और दिगम्बर सम्प्रदाय। श्वेताम्बर सम्प्रदाय का मुख्य पर्व पर्युषण पर्व होता है। इसमें विशेषकर व्रत रखा जाता है। जिसे यथाशक्ति उपवास कहते हैं। यह 8 दिन तक चलते हैं। यह जैन धर्म के श्वेताम्बर सम्प्रदाय के लिए यह पर्व अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

पर्युषण पर्व कब है?

यह पर्व श्वेताम्बर सम्प्रदाय के लोग 8 दिन तक मनाते हैं। यह पर्व भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी से लेकर शुक्ल पक्ष की पंचमी तक मनाते हैं।

पर्युषण पर्व कैसे मनाएं?

पर्युषण का संधि विच्छेद करने पर परि+ उषण। परि का अर्थ चारों ओर और उषण का अर्थ धर्म की आराधना से है।

कहा जाता है इस दिन जो लोग अपने मन के अंदर का प्रदूषण दूर कर दें। वह सच्चे सार्थक हो जाते हैं।

पर्युषण पर्व तैयारी दो भाग में की जाती है।

पहला तीर्थंकरों की पूजा करना और उन्हें स्मरण करना।

दूसरा इस व्रत को शारीरिक और मानसिक रूप से अपने आप को समर्पित करना।

यह व्रत निर्जला व्रत होता है। इस दिन कुछ खाया और पिया नहीं जाता है।

पर्युषण पर्व 8 दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। आखिरी दिन को महापर्व के रूप में मनाते हैं।

इस दौरान तपस्या और त्याग का विशेष महत्व होता है।

पर्युषण पर्व के समय 5 कर्तव्य का विशेषकर ध्यान रखा जाता है।

पर्युषण के पांच कर्तव्य- संवत्सरी- केशलोचन- प्रतिक्रमण- तपश्चर्या- आलोचना और क्षमा याचना।

पर्युषण पर्व का महत्व-

यह पर्व महावीर स्वामी के सिद्धांत पर आधारित है। यह हमें सत्य के मार्ग पर चलना सिखाता है। कहा जाता है धर्म के मार्ग पर चलने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इससे मन के सभी विकार ख़त्म होते हैं। सभी के प्रति अच्छे भाव का विकास होता है। यह जैन धर्म का महत्वपूर्ण पर्व होता है। इसका व्रत करने से बुरे कर्मों का नाश होता है। इस दिन तपस्या करने अत्यधिक महत्वपूर्ण माना गया है। इसलिए जैन धर्म में पर्युषण पर्व का अधिक महत्व है।

पर्युषण पर्व का इतिहास-

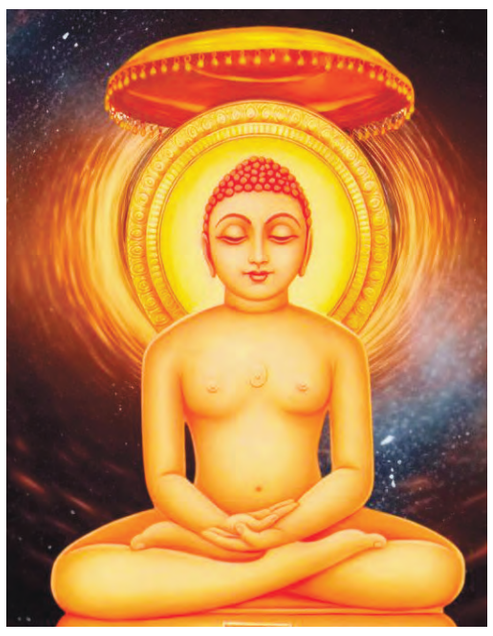

यह पर्व मुख्य रूप से जैन धर्म में मनाया जाता है। यह पर्व 8 दिन की अवधि तक चलता है। 8वें दिन पर्युषण पर्व का धूमधाम से अंत किया जाता है। यह पर्व जैन धर्म के दो समुदाय में अलग-अलग तरह से मनाया जाता है। पहला है श्वेताम्बर और दूसरा है दिगम्बर।

इस पर्व के इतिहास के बारे में बात करें तो पर्युषण पर्व का इतिहास अत्यधिक पुराना यानि प्राचीन है। पर्युषण का अर्थ होता है "परिवार की भीड़" और इस त्यौहार को जैन धर्म में लोग अपने परिवार के साथ खुशीपूर्वक मनाते हैं। भगवान महावीर के जीवन काल से प्रभावित होकर पर्युषण पर्व को मनाया जाने लगा।

माना जाता है जिस दौरान भगवान महावीर ने शिक्षा दी थी उस समय को ही पर्युषण पर्व कहा गया था। यह जैन धर्म का धार्मिक पर्व है।

पर्युषण पर्व के दिन धार्मिक सन्देश पहुंचाने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

अज्ञानता हमारी सभी परेशानियों का मूल कारण है

जीवन में विकास के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा व्यक्ति को प्रकाशित, संस्कारित करती है, सभ्य बनाती है और जीवन के प्रत्येक आयाम पर सशक्त बनाए रखती है। अज्ञान मनुष्य की सभी परेशानियों का कारण है। हमारी सभी दुविधाओं का मूल अज्ञान ही है। इसलिए हमें अपनी शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए और सद्ग्रंथों का अध्ययन करना चाहिए। साधु-संतों के उपदेशों का पालन करें।

-स्वामी अवधेशानंद जी गिरि

पैसों की तंगी, मानसिक तनाव दूर करने के लिए आज़माएं नीम और मां काली का यह उपाय

ज़िंदगी में अक्सर ऐसा समय आता है जब इंसान चाहे जितनी मेहनत करे, लेकिन उसे मनचाही सफलता, धन या सुख-शांति नहीं मिल पाती। ऐसे में कई लोग छोटे-छोटे घरेलू और धार्मिक उपाय अपनाकर अपने जीवन को बेहतर बनाने की कोशिश करते हैं। आज हम आपके लिए एक ऐसा उपाय लेकर आए हैं, जो पूरी तरह सरल, फ्री और बेहद असरदार है। इस उपाय में किसी बड़े खर्चे या जटिल प्रक्रिया की ज़रूरत नहीं है। आपको बस नीम के पत्ते लेने हैं और उन्हें मां काली को अर्पित करना है। कहते हैं कि ऐसा करने से जीवन की परेशानियां दूर होती हैं, सुख-समृद्धि आती है और पैसों की तंगी भी खत्म होने लगती है।

नीम के पत्तों का महत्व

नीम को भारतीय परंपरा में बेहद पवित्र और चमत्कारी माना गया है। इसे न सिर्फ आयुर्वेद में औषधि के रूप में महत्व दिया गया है बल्कि धार्मिक दृष्टि से भी यह बेहद खास है। मान्यता है कि नीम के पत्ते नकारात्मक ऊर्जा को दूर करते हैं और घर में सकारात्मकता का संचार करते हैं। जब इन्हें मां काली को अर्पित किया जाता है, तो मां की कृपा जल्दी प्राप्त होती है और जीवन की मुश्किलें दूर होने लगती हैं।

उपाय करने का तरीका

1. रोज़ाना सुबह ताज़े नीम के पत्ते पेड़ से तोड़कर लाएं।
2. मां काली के मंदिर या घर पर उनके चित्र/प्रतिमा के सामने ये पत्ते अर्पित करें।
3. यह प्रक्रिया लगातार 11 दिन तक करें।
4. मान्यता है कि केवल एक दिन करने से भी असर दिखने लगता है, लेकिन 11 दिन का यह प्रयोग पूरा करने से स्थायी लाभ मिलता है।

फायदे जो देखने को मिल सकते हैं

1. पैसों की तंगी दूर होगी – कहा जाता है कि मां काली की कृपा से धन का आगमन शुरू हो जाता है।
2. घर-परिवार में सुख-शांति – नीम के पत्ते नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करके वातावरण को सकारात्मक बनाते हैं।
3. स्वास्थ्य में सुधार – नीम का पत्ता खुद ही औषधि है। इसे अर्पित करने से मानसिक शांति और स्वस्थ जीवन की राह खुलती है।
4. आत्मविश्वास बढ़ेगा – जब इंसान के जीवन में रुकावटें दूर होती हैं, तो उसका आत्मबल भी मजबूत हो जाता है।

यह भी पढ़ें – इन 8 संकेतों को नजरअंदाज कर यात्रा न करें, वर्ना हो सकती है बड़ी अनहोनी या दुर्घटना, रुक जाना ही समझदारी है

खास बातें ध्यान रखने योग्य

1. पत्ते हमेशा ताज़े होने चाहिए।
2. उपाय करते समय मन में सच्ची श्रद्धा और विश्वास होना ज़रूरी है।
3. इस उपाय को किसी दिखावे या परखने की भावना से न करें, वरना इसका असर कम हो सकता है।
4. मां काली के मंत्र का जाप करते हुए पत्ते अर्पित करने से और भी जल्दी परिणाम मिलता है।

गणेश चतुर्थी इन 5 राशिवालों के लिए बेहद शुभ

गणेश चतुर्थी पावन पर्व का शुभारंभ 27 अगस्त बुधवार को होगा। इस बार की गणेश चतुर्थी 5 राशि के जातकों के लिए बेहद शुभ होने वाली है। इन लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। गणपति बप्पा की कृपा से उनके जीवन से विघ्न और बाधाएं दूर होंगी। शुभ लाभ के साथ ही इनके लिए सफलता का भी योग बनेगा। आइए जानते हैं गणेश चतुर्थी किन 5 राशिवालों के लिए शुभ है?

गणेश चतुर्थी राशिफल 2025

मेष: इस साल गणेश चतुर्थी का दिन मेष राशि के जातकों के लिए बहुत अच्छा होने वाला है। इस दिन आप में गजब का आत्मविश्वास देखने का मिलेगा। गणेश जी का नाम लेकर जिस भी काम की शुरूआत करेंगे, उसमें सफलता प्राप्त होगी। उसमें आने वाली विघ्न और बाधाएं दूर होंगी। गणेश चतुर्थी पर किया गया निवेश आपको मालामाल करेगा। भविष्य में इससे आपको अच्छा मुनाफा मिलेगा। इस दिन आपको नए अवसर प्राप्त होंगे, आप मौकों को हाथ से न जाने दें।

कर्क: गणेश चतुर्थी कर्क राशि के लोगों के लिए भी शुभ होगी। इस दिन आपको करियर के क्षेत्र में नए असवर प्राप्त होंगे। इनका लाभ उठाएंगे, तो सकारात्मक फल मिलेगा। आपकी उन्नति होगी। आपके निर्णयों की सराहना की जाएगी। आपके यश और कीर्ति में बढ़ोत्तरी होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आपका आर्थिक मजबूत होगा। इस दिन आप स्वयं पर विश्वास करें।

वृश्चिक: गणेश चतुर्थी का दिन वृश्चिक राशि के लोगों के लिए नए अवसर लेकर आएगा। इस दिन आप कोई भी नई शुरूआत कर सकते हैं। गणेश जी की कृपा से आपको सफलता प्राप्त होगी। यह दिन आपके लिए सकारात्मक ऊर्जा और तरक्की वाला होगा। आपके रिश्ते मधुर होंगे। पार्टनर के साथ आप अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आपकी सेहत भी ठीक रहेगी।

धनु: गणेश चतुर्थी के अवसर पर धनु राशि के लोगों के लिए निवेश करने का अच्छा मौका है। इस दिन प्रॉपर्टी, शेयर आदि में पैसे लगाकर आप भविष्य में अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। विघ्नहर्ता गणपति बप्पा आपके संकट दूर करेंगे, पुराने अटके काम सफल होंगे। करियर में आगे बढ़ने के लिए आपको नए मौक मिलेंगे। आप अपने पेशेवर हुनर को तराशने में सफल होंगे।

कुंभ: गणेश चतुर्थी का दिन कुंभ राशिवालों के लिए भी शुभ फलदायी है। इस दिन कार्यस्थल पर आपको सहयोग प्राप्त होगा। बॉस आपसे खुश रहेंगे, आपके काम की तारीफ होगी। आपके नए विचार आपको सफलता और उन्नति दिलाने में मदद करेंगे। इस दिन आप जिस लक्ष्य को पाना चाहते हैं, उस पर आगे बढ़ें, आपका काम सफल होने की संभावना अधिक है। समाज में आपको पहचान मिलेगी, यश और कीर्ति बढ़ेगी।

जूनियर आर्टिस्ट के तौर पर किया काम फिर साउथ इंडस्ट्री के बने मेगास्टार

चिरंजीवी आज किसी पहचान के मोहताज नहीं है. उन्होंने इंडस्ट्री में एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं और वो साउथ इंडस्ट्री के मेगास्टार हैं. चिरंजीवी ने जूनियर आर्टिस्ट के तौर पर जर्नी की शुरुआत की थी. उन्होंने अपनी जिंदगी में बहुत स्ट्रगल किया था. लेकिन आज वो सक्सेस एंजॉय कर रहे हैं.

जब सेट पर हुई चिरंजीवी की बेइज्जती

लेकिन क्या आपको पता है कि एक बार उन्हें सेट पर बेइज्जत किया गया था, इसके बाद ही उन्होंने सुपरस्टार बनने की कसम खाई थी. आइए नजर डालतें हैं एक्टर की जर्नी पर.

एक खबर के मुताबिक, चिरंजीवी ने बताया था, 'मैं बड़े एक्टर्स के साथ काम कर रहा था और भी कई जूनियर आर्टिस्ट थे. एक दिन सेट पर मुझ पर चिल्लाया गया. मुझसे कहा गया कि तुम्हें क्या लगता है कि तुम सुपरस्टार हो? मुझे बेइज्जती फील हुई. जैसे मुझसे बात की गई मुझे अच्छा नहीं लगा. उस दिन मैंने सोचा कि मुझे सपुरस्टार बनना है. उस घटना को मैंने अपने जिंदगी में मोटिवेशन के तौर पर लिया.'

चिरंजीवी की नेटवर्थ

चिरंजीवी ने कई शानदार फिल्में दी हैं. वो इंद्रा, रुद्रा वीना, टैगोर, गैंग लीडर, शंकर दादा एमबीबीएस, सई रा नरसिम्हा रेड्डी जैसी कई शानदार फिल्मों में काम कर चुके हैं. चिरंजीवी अब इंडस्ट्री के बहुत बड़े स्टार हैं और लग्जरी लाइफस्टाइल जीते हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी नेटवर्थ 1650 करोड़ रुपये है.

बता दें कि चिरंजीवी 22 अगस्त यानी आज अपना बर्थडे सेलिब्रेट करेंगे.

पर्सनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने सुरेखा कोनिडेला के साथ शादी की. उनकी शादी 1980 में हुई. कपल तीन बच्चों के पेरेंट हैं. उनके बेटे का नाम राम चरण हैं. वो इंडस्ट्री के बड़े स्टार हैं. चिरंजीवी की दो बेटियां सुष्मिता कोनिडेला और श्रीजा कोनिडेला हैं.

तेलुगु कलेक्शन से 'वॉर 2' के प्रोड्यूसर्स को भारी नुकसान यशराज फिल्म्स ने किया मुआवजा देने का फैसला?

ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की फिल्म 'वॉर 2' भले ही बॉक्स ऑफिस पर बड़े स्केल पर रिलीज की गई हो, लेकिन फिल्म को लेकर जितनी उम्मीदें थीं, वो पूरी नहीं हो पाईं। खासकर तेलुगु स्टेट्स में इस बिग-बजट एक्शन थ्रिलर को दर्शकों ने निराशाजनक रिस्पॉन्स दिया। नतीजा यह हुआ कि प्रोड्यूसर नागा वामसी और उनके पार्टनर्स को भारी नुकसान झेलना पड़ा।

80 करोड़ में खरीदे थे राइट्स

रिपोर्ट्स के मुताबिक नागा वामसी और उनके साथियों ने तेलुगु वर्जन के डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स करीब 80 करोड़ रुपये में खरीदे थे। उन्हें भरोसा था कि केवल तेलुगु बेल्ट से ही फिल्म 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लेगी। लेकिन रिव्यूज और ऑनलाइन ट्रोलिंग ने रिलीज के पहले ही दिन से फिल्म की पकड़ कमजोर कर दी। इतना ही नहीं, इसी दौरान रिलीज हुई रजनीकांत की फिल्म 'कुली' दर्शकों की पहली पसंद बन गई और 'वॉर 2' की हालत और खराब हो गई।

'ग्रेट आंध्रा' की रिपोर्ट के मुताबिक 'वॉर 2' को अपने स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा बनाकर आई यशराज फिल्म्स ने नुकसान की भरपाई के लिए बड़ा कदम बढ़ाया है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि कंपनी ने प्रोड्यूसर नागा वामसी और उनके साथियों को 22 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का फैसला किया है। जिसमें 10 करोड़ निजाम रीजन के लिए, 7 करोड़ आंध्र रीजन के लिए और 5 करोड़ सीडेड रीजन के लिए शामिल है। यह भुगतान स्ट्रक्चर्ड सेटलमेंट के रूप में किया जा रहा है ताकि प्रोड्यूसर्स का बोझ थोड़ा हल्का हो सके। हालांकि, यशराज फिल्म्स की तरफ से अब तक आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है।

स्टार पावर भी नहीं बचा सकी फिल्म

दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर जैसे सुपरस्टार्स के साथ-साथ कियारा आडवाणी, अनिल कपूर और आशुतोष राणा भी अहम भूमिकाओं में थे। जबरदस्त एक्शन और हाई-ऑक्टेन स्टंट्स के बावजूद दर्शकों ने इसे बड़े पैमाने पर खारिज कर दिया। 'सैकनिल्क' के मुताबिक फिल्म ने रिलीज के छह दिनों में तेलुगु वर्जन से सिर्फ 60 करोड़ रुपये की कमाई की।

'मास जत्रा' भी हुई पोस्टपोन

नागा वामसी के लिए मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हुईं। उनकी अगली फिल्म, रवि तेजा स्टारर 'मास जत्रा', जो पहले 27 अगस्त को रिलीज होने वाली थी, अब टल गई है। इसमें श्रीलीला और राजेंद्र प्रसाद भी नजर आएंगे। मेकर्स ने इसे नई तारीख पर रिलीज करने का फैसला किया है।

30 साल बाद रजनीकांत के साथ काम करेंगे मिथुन, बताया कैसे हुई 'जेलर 2' में एंट्री

वेटरेन एक्टर मिथुन चक्रवर्ती 75 साल की उम्र में भी फिल्मों में लगातार सक्रिय हैं। वो जल्द ही विवेक अग्निहोत्री की आगामी फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' में नजर आएंगे। इसके अलावा मिथुन चक्रवर्ती की पाइपलाइन में साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' भी है। इसको लेकर पिछले काफी वक्त से चर्चा चल रही थी। अब मिथुन चक्रवर्ती ने इन चर्चाओं पर विराम लगाते हुए बताया है कि वो रजनीकांत के साथ फिल्म 'जेलर 2' में नजर आने वाले हैं।

जल्द शुरू करेंगे जेलर 2 की शूटिंग

बातचीत के दौरान जब मिथुन चक्रवर्ती से पूछा गया कि क्या वो रजनीकांत के साथ फिल्म 'जेलर 2' कर रहे हैं, तो अभिनेता का जवाब था हां, बिल्कुल। आगे रजनीकांत के साथ अपनी दोस्ती और बॉन्डिंग को लेकर बात करते हुए उन्होंने कहा, "मेरी और रजनी की दोस्ती बहुत पुरानी है। हम अलग-अलग भाषाओं और इंडस्ट्री से आते हैं, लेकिन दिल से हमेशा जुड़े रहे।

हाल ही में हम एक कार्यक्रम में मिले। रजनी ने मजाक में कहा कि अब हमें साथ कुछ करना चाहिए। मैंने उसी वक्त हां कह दिया। यह सिर्फ फिल्म नहीं बल्कि दो दोस्तों का मिलन है। सोचिए, जब रजनी और मिथुन एक साथ पर्दे पर होंगे तो यह ऑडियंस के लिए किसी त्योहार से कम नहीं होगा। इस महीने की 25 तारीख से हम शूटिंग शुरू कर रहे हैं। मुझे यकीन है कि यह फिल्म लोगों को मनोरंजन के साथ यादगार अनुभव भी देगी।"

30 साल पहले बंगाली फिल्म में साथ नजर आए थे दोनों स्टार

रजनीकांत और मिथुन चक्रवर्ती लगभग 30 साल बाद एक साथ नजर आने वाले हैं। दोनों इससे पहले आखिरी बार साल 1995 में आई बंगाली भाषा की फिल्म 'भाग्य देवता' में नजर आए थे। इस फिल्म में रजनीकांत का स्पेशल अपीयरेंस था और यह उनकी एकमात्र बंगाली फिल्म भी है। इससे पहले मिथुन और रजनीकांत साल 1989 में आई हिंदी फिल्म 'भ्रष्टाचार' में एकसाथ दिखाई दिए थे। रमेश सिप्पी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में इन दोनों के अलावा रेखा, अनुपम खेर और रजा मुराद भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। इस फिल्म में भी रजनीकांत का स्पेशल अपीयरेंस है। अब लगभग 30 साल बाद दोनों फिर एकसाथ 'जेलर 2' में नजर आएंगे।

प्रभास के साथ भी नजर आएंगे मिथुन

अपने आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में बात करते हुए मिथुन चक्रवर्ती ने बताया कि 'जेलर 2' के अलावा वो 'फौजी' नाम की एक फिल्म में भी नजर आएंगे। इसमें वो 'बाहुबली' फेम स्टार प्रभास के साथ दिखाई देंगे। अभिनेता ने बताया कि इसके अलावा भी कुछ और प्रोजेक्ट हैं, जिनका खुलासा वो अभी नहीं कर सकते। हालांकि, उन्होंने कहा कि आने वाले वक्त में फैंस के लिए जबरदस्त मनोरंजन लेकर आने वाला हूं।

एक जैसे किरदार नहीं करना चाहता

75 साल की उम्र में भी अलग-अलग तरह के किरदार करना और अपने किरदारों को लेकर उत्सुक रहने के सवाल पर अभिनेता ने कहा कि मैं आज भी अपने किरदारों को लेकर उतना ही एक्साइटेड रहता हूं, जितना करियर के शुरुआती दौर में होता था। उन्होंने कहा कि मैं खुद को किसी एक शैली तक सीमित नहीं मानता। मेरे लिए असली मजा तभी है जब मैं हर तरह का किरदार निभा सकूं, चाहे कॉमेडी हो, ट्रेजेडी या एक्शन। मेरी नजर में सच्चा अभिनेता वही है जो हर बार ऑडियंस को नया रूप दिखाए।

'कौन बनेगा करोड़पति' के सीजन 17 के सेट पर भारतीय महिला आइस हॉकी टीम से मिले अमिताभ बच्चन, कहा- किसी को कम न आंकें

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने हाल ही में भारतीय महिला आइस हॉकी टीम से मिलने को अपने जीवन के सबसे सम्मानित पल बताया. ये मुलाकात उनके लोकप्रिय शो 'कौन बनेगा करोड़पति' (केबीसी) के सेट पर हुई, जहां उन्होंने टीम की एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने की शानदार उपलब्धि का जश्न मनाया.

बिग बी ने किया ब्लॉग पोस्ट

बिग बी ने अपनी ब्लॉग पोस्ट में 'कौन बनेगा करोड़पति' के सीजन 17 के सेट से कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वह महिला आइस हॉकी टीम के साथ नजर आ रहे हैं. बाकी फोटोज में वह अकेले हैं. ये फोटोज ब्लैक एंड व्हाइट हैं. पहली तस्वीर में वह चलते हुए तो दूसरी तस्वीर में इमोशनल दिखाई दे रहे हैं.

अमिताभ ने महिला हॉकी टीम के लिए लिखा

अमिताभ ने ब्लॉग की शुरुआत में लिखा, एक खुलासा और सम्मान और कितना बड़ा सौभाग्य है क्यों? क्या आपने कभी सुना है कि भारत में एक महिला आइस हॉकी टीम भी है, और हाल ही में हुए एशियाई खेलों में उन्होंने कांस्य पदक भी जीता है?

उन्होंने आगे टीम के संघर्षों और सफलता की कहानी को साझा किया, महिलाओं ने अपने कड़े संघर्षों के बावजूद सफलता हासिल की. किसी ने भी इनकी जीत की उम्मीद नहीं की थी, लेकिन इन्होने अपनी मेहनत और साहस से सबको गलत साबित कर दिया.

बिग बी ने टीम की सच्ची भावना और उनकी कमिटमेंट को सराहा और कहा, कभी भी किसी भी महिला को कमजोर मत समझो, क्योंकि वह आपको गलत साबित करके दिखाती हैं. वह अपने लक्ष्य को पाने के लिए कुछ भी कर सकती हैं।

'कौन बनेगा करोड़पति' के सीजन 17 के सेट पर भारतीय महिला आइस हॉकी टीम से मिले अमिताभ बच्चन, कहा- भारतीय महिला आइस हॉकी टीम ने ब्रोंज जिता। भारतीय महिला आइस हॉकी टीम ने पिछले महीने संयुक्त अरब अमीरात के अल ऐन में आईआईएचएफ एशिया कप में थाईलैंड को 3-1 से हराकर ब्रोंज जिता था.यह जीत भारतीय महिला खिलाड़ियों के दृढ़ साहस और अडिग आत्मविश्वास का प्रतीक है. उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके खेल कौशल को दर्शाती है, बल्कि यह देश में महिला खिलाड़ियों के प्रति सम्मान और प्रेरणा का एक बड़ा संदेश भी देती है.

अमिताभ बच्चन ने इस प्रेरणादायक टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं और इस अद्भुत सफर की सराहना की, जो न केवल खेल जगत में, बल्कि समाज में भी महिलाओं के अधिकार और उनकी क्षमता का परिचय कराता है.

'कौन बनेगा करोड़पति' का सीजन 17 सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है. इसके अलावा, यह सोनी लिव ऐप पर भी स्ट्रीम होता है.

अरिजीत सिंह की दौलत करोड़ों में, फिर भी जीते हैं बेहद सिंपल लाइफ

अरिजीत सिंह बॉलीवुड के स्टार सिंगर हैं. उनकी सिंगिंग के फैंस दीवाने हैं और उनके फिल्मों में गाए तमाम गाने चार्टबस्टर में टॉप पर रहते हैं. लेकिन क्या आप जानते है कि इतने फेमस सिंगर होने के बावजूद अरिजीत सिंह काफी सिंपल लाइफस्टाइल जीते हैं. आज उनकी नेटवर्थ से लेकर कार कलेक्शन तक सब यहां जानते हैं.

अरिजीत सिंह का सिंगर बनने का सफर

अरिजीत सिंह का जन्म 25 अप्रैल को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुआ था. उन्हें पहली बार 2000 के दशक की शुरुआत में एक रियलिटी शो फेम गुरुकुल में देखा गया था. हालांकि वह पूरे शो में एक शानदार सिंगर के रूप में उभरे, लेकिन फिनाले के बहुत करीब पहुंचने के बाद वे शो से एविक्ट हो गए थे. लेकिन भाग्य ने उनके लिए कुछ और ही सोच रखा था.

लगभग छह साल बाद, उनकी आवाज़ बॉलीवुड फिल्म मर्डर 2 में सुनाई दी थी. फिल्म में उन्होंने फिर मोहब्बत गाया. यह गाना तुरंत हिट हो गया और लोग उन्हें पहचानने लगे थे.

साल 2013 में, आशिकी 2 का गाना तुम ही हो आया, जिसकी भारी सफलता ने इस जनरेशन के प्लेबैक सिंगर के रूप में उनकी जगह को और मजबूत कर दिया था. हालाँकि, यह सिंह का पहला रिकॉर्ड किया गया गाना नहीं था. उन्होंने संजय लीला भंसाली की फिल्म सांवरिया के लिए गाया है, लेकिन उनका वर्जन आधिकारिक तौर पर रिलीज़ नहीं हुआ था.

इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और बॉलीवुड के सभी टॉप अभिनेताओं के लिए कई गाने गाए. उन्हें बिन्ते दिल, पद्मावत और केसरिया, ब्रह्मास्त्र के लिए दो बार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया.उन्हें 2025 में पद्मश्री पुरस्कार से भी सम्मानित किया जाएगा. फिल्मों में गाने के अलावा, उनके लाइव कॉन्सर्ट ने उन्हें ग्लोबल ऑडियंस से जोड़ा है.

सादगी भरा जीवन जीते हैं अरिजीत सिंह

अरिजीत सिंह आज देश विदेश में बेहद पॉपुलर हैं और करोड़ों की धन-दौलत के भी मालिक हैं लेकिन स्टारडम का नशा उनके सिर नहीं चढ़ा है. वे खुद को सेलिब्रिटी ही नहीं मानते और काफी सादगी भरा जीवन जीते हैं.

अरिजीत सिंह अक्सर झोला लिए पैरों में चप्पल पहने हुए बस और ट्रेन में ट्रैवल करते हुए नजर आते हैं.

वे मुंबई और मुर्शिदाबाद के बीच अपना समय बिताते हैं, जहां वह अभी भी अपनी पत्नी और बेटे के साथ रहते हैं और अक्सर अपनी स्कूटी पर देखे जा सकते हैं.

अरिजीत सिंह की कितनी है नेटवर्थ

एक रिपोर्ट के मुताबिक सिंगर को दो घंटे के लाइव कॉन्सर्ट के लिए 14 करोड़ रुपये वसूलते, जो उन्हें न केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर में सबसे ज़्यादा कमाई करने वाले म्यूजिशियनंस में से एक बनाता है.वही सिंगर और टेलीविज़न हस्ती राहुल वैद्य ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इस चौंका देने वाली राशि का ज़िक्र किया था. साथ ही उन्होंने कहा था कि जबरदस्त पॉपुलैरिटी के बावजूद अरिजीत सिंह जमीन से जुड़े हैं. रिपोर्ट के अनुसार, अरिजीत सिंह की कुल नेटवर्थ 414 करोड़ रुपये है. वह 8 रुपये के आलीशान अपार्टमेंट में रहते हैं.

अरिजीत सिंह को कारों का शौक है और उनके पार 3.4 करोड़ रुपये से ज्यादा की लग्जरी कारों का कलेक्शन है, जिसमें रेंज रोवर और मर्सिडीज शामिल हैं.

नोरा फतेही की ये तस्वीर देख उनके हुस्न पर मर मिटेंगे

नोरा की सोशल मीडिया पर बड़ी फैन फॉलोइंग है, जहां लोग उनके ग्लैमरस लुक्स और स्टाइलिश तस्वीरों पर दीवाने हो जाते हैं. नोरा का फैशन सेंस हमेशा ट्रेंड में रहता है और यही वजह है कि वह आज की यंग ऑडियंस की फेवरेट बन चुकी हैं.

इस लुक में नोरा का ट्रेडिशनल अवतार बेहद रॉयल और एलीगेंट है. उन्होंने रेड और बेज प्रिंटेड लहंगा पहना है जिसे हैवी ज्वेलरी और माथापट्टी से स्टाइल किया है. लंबे गजरे से उन्होंने अपने हेयरस्टाइल को सजाया है और उनके पूरे लुक में क्लासिक इंडियन टच है.

गर्लफ्रेंड सबा आजाद की अगली फिल्म पर ऋतिक ने बरसाया प्यार

आज गुरुवार को निर्माताओं ने आगामी फिल्म 'सॉन्स ऑफ पैराडाइज' का पहला लुक जारी कर फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है। पहले लुक में ऋतिक रोशन की कथित गर्लफ्रेंड सबा आजाद और आलिया भट्टा की मां सोनी राजदान नजर आ रही हैं। यह फिल्म कश्मीर की पहली प्लेबैक सिंगर पर आधारित है।

निर्माताओं का पोस्ट

आज फिल्म निर्माताओं ने सबा आजाद और सोनी राजदान की म्यूजिकल ड्रामा फिल्म 'सॉन्स ऑफ पैराडाइज' का एक मोशन वीडियो शेयर किया है। इस मोशन वीडियो के साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा, 'कश्मीर की गूंज से एक अविस्मरणीय आवाज उभरती है...

सबा की फिल्म पर ऋतिक का कमेंट

'सॉन्स ऑफ पैराडाइज' फिल्म की

घोषणा के बाद सबा आजाद के कथित बॉयफ्रेंड ने फिल्म के इस मोशन वीडियो को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया और साथ ही कैप्शन दिया 'खूबसूरत'।

कब और कहां देखें फिल्म

'सॉन्स ऑफ पैराडाइज' का निर्देशन दानिश रेंजू ने किया है। शफत काजी और दानिश रेंजू ने मिलकर इस फिल्म का निर्माण किया है। इस फिल्म में सोनी राजदान और सबा आजाद के अलावा जैन खान दुर्रानी, शीबा चड्ढा, तारुक रैना और लिलेट दुबे भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह फिल्म कश्मीर के दिग्गज गायकों को समर्पित है।

यह फिल्म दिवंगत गायिका राज बेगम की शानदार आवाज से प्रेरित है। राज बेगम, जिन्हें 2002 में पद्म श्री पुरस्कार मिला था। राज बेगम 1950 और 1960 के दशक की शुरुआत में सबसे प्रभावशाली हस्तियों में से एक थीं। राज बेगम, कश्मीर की पहली महिला गायिका थीं। यह फिल्म 29 अगस्त से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

नेता पर आरोप लगाने के बाद मलयालम अभिनेत्री पर हुए साइबर हमले, बोलीं- मैं डरने वाली नहीं

हाल ही में मलयालम अभिनेत्री रिनी एन जॉर्ज ने केरल की एक राजनीतिक पार्टी के एक नेता पर उन्हें आपत्तिजनक संदेश भेजने और उनके साथ अनुचित व्यवहार करने का आरोप लगाया। अब अभिनेत्री का कहना है कि इस खुलासे के बाद उन पर गंभीर साइबर हमला हो रहा है। अभिनेत्री ने इन साइबर हमलों के बाद चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ये साइबर हमले उन पर जारी रहे तो उन्हें नेता का नाम बताने पर मजबूर होना पड़ेगा।

रात से

हो रहे साइबर हमले

एक्ट्रेस रिनी ने नेता के बारे में खुलासा किया था और गंभीर आरोप लगाए थे। अब अभिनेत्री का कहना है कि इस खुलासे के बाद से ही उन पर साइबर अटैक हो रहे हैं। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि बुधवार रात से कई महिलाओं ने उसी नेता द्वारा किए गए दुर्व्यवहार के अपने अनुभव साझा करने के लिए उनसे संपर्क किया है। उन्होंने कहा कि जिन महिलाओं के साथ ऐसा ही अनुभव हुआ है, उन्हें आगे आना चाहिए। रिनी ने कहा कि वह परिणामों से न हीं डरतीं और उनका सामना करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, उन्होंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि नेता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगी या नहीं। एक्ट्रेस ने कहा कि उनके खुलासे मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए नहीं थे, बल्कि वह उस अपराधी नेता का पर्दाफाश करना चाहती थीं।

एक दिन पहले अभिनेत्री ने लगाए थे आरोप

इससे एक दिन पहले बुधवार को मलयालम अभिनेत्री ने पत्रकारों को बताया था कि एक युवा नेता ने उन्हें आपत्तिजनक संदेश भेजे थे और उन्हें एक होटल में बुलाया था। अभिनेत्री ने बताया था कि नेता को चेतावनी देने और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से शिकायत करने के बावजूद, उनका दुर्व्यवहार जारी रहा। हालांकि, उन्होंने उस नेता का नाम बताने से इनकार कर दिया। अब जब इस खुलासे के बाद उन पर साइबर अटैक हुए, तब अभिनेत्री ने यह धमकी दी है कि अगर उन पर ये साइबर हमले बंद न हुए तो वो नेता का नाम भी बता देंगी।

गरमाई प्रदेश की सियासत

इस बीच भाजपा ने पलक्कड़ में एक कांग्रेस विधायक के कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला और दावा किया कि अभिनेत्री ने जिस नेता का पर्दाफाश किया है, वह वही हैं। विधायक के कार्यालय पहुंचने से पहले ही पुलिस ने मार्च को रोक दिया। भाजपा ने विधायक के इस्तीफे और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार के आरोप में उनके खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है। वहीं पलक्कड़ जिला कांग्रेस नेतृत्व ने कहा कि उन्हें आरोपों का सामना कर रहे विधायक के खिलाफ कोई शिकायत नहीं मिली है।

सलमान खान ने बिग बॉस 19 को फैमिली के साथ देखने की अपील की

सलमान खान के लोकप्रिय टीवी रियलिटी शो बिग बॉस का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब इस शो के प्रीमियर की तारीख और समय सामने आ गए हैं। सीरियल के नए प्रोमो में सलमान खान ने सामने आकर इस शो से जुड़ी बड़ी जानकारी साझा की है।

इस रविवार हो जाइए तैयार

मेकर्स की ओर से शेयर किए गए इस नए प्रोमो में सलमान खान बोल रहे हैं कि 'जब हम साथ-साथ होते हैं, तब और भी ज्यादा ठाठ होते हैं। इसलिए बिग बॉस फैमिली के साथ ही देखिएगा।' इसके साथ ही कैप्शन में लिखा है, 'राजनीति के दौर में पॉवर आएगी किसके हाथ, तैयार हो जाइए देखने के लिए बिग बॉस फैमिली के साथ।' बिग बॉस का ग्रैंड प्रीमियर इस रविवार यानी 24 अगस्त को रात साढ़े 10 बजे से होगा। इस बार बिग बॉस टीवी पर कलर्स के साथ-साथ ओटीटी पर जियो हॉटस्टार पर भी स्ट्रीम होगा। ओटीटी पर शो 9 बजे से आएगा, जब टीवी पर साढ़े 10 बजे से देखने को मिलेगा।

इस बार घर में चलेगा डेमोक्रेसी का राज

इस बार 'बिग बॉस 19' में कई बदलाव किए गए हैं। इस बार का शो पूरी तरह से राजनीति पर आधारित होगा, जिसमें डेमोक्रेसी का अनूठा तड़का देखने को मिलेगा। जानकारी के मुताबिक, इस सीजन में कैप्टन की जगह लीडर चुना जाएगा। खबर है कि घर दो दलों में बंटा होगा और लीडर का चुनाव इन दलों के बीच हुए चुनाव के माध्यम से होगा।

इन नामों की है चर्चा, अब तक फाइनल नहीं हुए कंटेस्टेंट

शो के शुरू होने की तारीख का एलान कर दिया गया है, लेकिन अभी तक शो के कंटेस्टेंट के नामों की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। कई नामों को लेकर चर्चा जरूर चल रही है, लेकिन मेकर्स की ओर से अब तक इन नामों की पुष्टि नहीं की गई है। जिन नामों की चर्चा चल रही है, उनमें गौरव खन्ना, अशनूर कौर, शहबाज बडेशा, हुनर हाली, आवेज दरबार, नगमा मिराजकर, अभिषेक बजाज, जीशान कादरी, बसीर अली, अपूर्वा मखीजा और पूरव झा जैसे नाम शामिल हैं। हालांकि, कंटेस्टेंट के फाइनल नाम प्रीमियर पर ही पता चलेंगे।

इस बार अकेले सलमान नहीं करेंगे होस्ट

'बिग बॉस 19' को लेकर एक बड़ा बदलाव ये भी सुनने में आ रहा है कि इस बार यह शो अकेले सलमान खान होस्ट नहीं करेंगे। जानकारी के मुताबिक, सलमान खान के अलावा दो और होस्ट को भी साइन किया गया है। इनमें सलमान के साथ करण जौहर और फराह खान के 'बिग बॉस 19' को होस्ट करने की चर्चा है। वहीं इस बार शो की टाइमिंग भी लंबी है। इस बार यह 3 नहीं बल्कि 5 महीने तक चलेगा।

वाणी कपूर ने अपने जन्मदिन को लेकर किया प्यारा पोस्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'मंडला मर्डर्स' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। इसी बीच वाणी ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने परिवार के साथ प्री बर्थडे सेलिब्रेशन की कुछ खास तस्वीरें शेयर कीं और एक भावुक नोट भी लिखा। वाणी का पोस्ट

वाणी कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपने परिवार के साथ कई बेहतरीन तस्वीरें शेयर कीं। किसी तस्वीर में वाणी परी जैसे मेकअप में नजर आईं, तो कहीं पर वह कैंडल बुझाती दिखाई दीं। इन शानदार तस्वीरों और वीडियोज के साथ वाणी ने कैप्शन में लिखा, 'जन्मदिन जल्दी आ गया... सबसे अच्छे लोगों के साथ'। वैसे वाणी कपूर अपना जन्मदिन 23 अगस्त को मनाएंगी।

सेलेब्स और फैंस के कमेंट्स

वाणी की इस शानदार पोस्ट पर कई सेलेब्स और फैंस ने अपनी राय पेश की है। एक्ट्रेस अनुष्का रंजन ने लिखा, 'बहुत ज्यादा प्यारा', साउथ एक्ट्रेस राशि खन्ना ने लिखा, 'हाहा बहुत प्यारा वाणी', एक फैन ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो', एक और फैन ने लिखा, 'जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं भगवान भला करे', एक और फैन ने लिखा, 'खूबसूरत लुक', एक और फैन ने लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो', एक और फैन ने लिखा, 'जन्मदिन पर इतना सुंदर उत्सव।'

वाणी कपूर का करियर

वाणी कपूर ने 2013 में यशराज फिल्म्स की 'शुद्ध देसी रोमांस' से बॉलीवुड में शुरुआत की थी। वाणी ने 'बेफिक्रे', 'वॉर', 'शमशेरा' और 'रेड 2' जैसी फिल्मों में काम किया है। इससे पहले, उन्होंने मॉडलिंग और होटल इंडस्ट्री में भी काम किया था। हाल ही में वाणी 'मंडला मर्डर्स' सीरीज में नजर आईं। यह एक क्राइम थ्रिलर सीरीज है। जिसका प्रीमियर 25 जुलाई 2025 को नेटफ्लिक्स पर हुआ। गोपी पुथ्रन और मनन रावत द्वारा रचित यह सीरीज उपन्यास 'द बुचर ऑफ बनारस' पर आधारित है। यह कहानी है उत्तर प्रदेश के काल्पनिक शहर चरणदासपुर में स्थापित एक रहस्य की। इस सीरीज में वाणी कपूर के अलावा वैभव राज गुप्ता, सुरवीन चावला, रघुबीर यादव और श्रिया पिलगांवकर ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं।

नौ साल की उम्र में 'गंगा जमुना' से शुरू किया अभिनय, अरुणा ईरानी के दिलचस्प किस्से

अरुणा ईरानी ने अपनी मेहनत और अभिनय से न सिर्फ दर्शकों का दिल जीता, बल्कि इंडस्ट्री में एक मिसाल कायम की। अरुणा ईरानी का आज 18 अगस्त को 79वां जन्मदिन है। अरुणा ने नौ साल की उम्र में फिल्म 'गंगा जमुना' (1961) से अपने करियर की शुरुआत की। 1960-70 के दशक में विलेन से लेकर सपोर्टिंग रोल्स तक में छाई रहीं। फिल्मों के अलावा, उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में कदम रखा और कई हिट सीरियल्स बनाए। जानिए अरुणा के बारे में दिलचस्प बातें...

अरुणा का जन्म और शुरुआत

मशहूर बॉलीवुड अभिनेत्री अरुणा ईरानी का जन्म 18 अगस्त 1946 को मुंबई में हुआ था। उनके पिता फरीदुन ईरानी एक नाटक मंडली चलाते थे और मां सगुना अभिनेत्री थीं। कथित तौर पर अरुणा ईरानी ने 500 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है और बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग से खास पहचान बनाई। उन्होंने लीड रोल, चरित्र भूमिकाएं और खलनायिका के किरदार निभाए, खासकर फिल्म 'बेटा' में उनकी खलनायिका की भूमिका को बहुत सराहा गया। उन्होंने कई दिग्गज कलाकारों जैसे धर्मेंद्र, राज कपूर और महमूद के साथ काम किया। महमूद के साथ उनके रिश्ते की अफवाहों ने उनके करियर को प्रभावित किया, जिसके कारण उन्हें दो साल तक काम नहीं मिला। हालांकि, फिल्म 'बॉबी' ने उनके करियर को फिर से ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

'बॉबी' फिल्म का मजेदार किस्सा

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 1973 में रिलीज हुई फिल्म 'बॉबी' में अरुणा ईरानी ने एक छोटा लेकिन यादगार रोल निभाया था। इस फिल्म में एक सीन था, जिसमें ऋषि कपूर को बिना कपड़ों के तौलिये में बाहर आना था। अरुणा को इस सीन में उनके साथ काम करना था, लेकिन वह शरमा गईं और शुरू में सीन करने से मना कर दिया। बाद में, निर्देशक राज कपूर ने उन्हें समझाया कि सीन में कुछ गलत नहीं है और वह इसे सहजता से कर सकती हैं। आखिरकार, अरुणा मान गईं और सीन पूरा हुआ। बाद में ऋषि कपूर ने मजाक में उनसे पूछा, ₹मैं तो बिना कपड़ों के था, आप क्यों शरमा रही थीं?₹ इस पर अरुणा ने हंसते हुए कहा कि उन्हें शर्मिंदगी हो रही थी।

प्राण साहब से डर गई थीं अरुणा

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जब अरुणा 17-18 साल की थीं, तब वह फिल्म 'जौहर महमूद इन हॉन्ग कॉन्ग' की शूटिंग के लिए हॉन्ग कॉन्ग गई थीं। वापसी में उनके साथ मशहूर अभिनेता प्राण भी थे, जो अपने खलनायक किरदारों के लिए जाने जाते थे। अरुणा को प्राण से डर लग रहा था, क्योंकि उन्हें लगा कि प्राण कोई गलत हरकत कर सकते हैं। फ्लाइट लेट होने की वजह से उन्हें रात कोलकाता में रुकना पड़ा। प्राण ने उनके लिए होटल में अलग कमरा बुक करवाया, तब जाकर अरुणा की जान में जान आई। बाद में उन्हें अपनी गलतफहमी पर पछतावा हुआ।

महमूद के साथ अफवाहों का दौर

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अरुणा ने अभिनेता महमूद के साथ 'हमजोली', 'बॉम्बे टू गोवा', और 'दो फूल' जैसी कई फिल्मों में काम किया। दोनों की ऑन-स्क्रीन जोड़ी को दर्शकों ने बहुत पसंद किया, लेकिन इस दौरान दोनों के बीच अफेयर और शादी की अफवाहें भी उड़ीं। अरुणा ने बाद में बताया कि वह और महमूद सिर्फ अच्छे दोस्त थे, लेकिन इन अफवाहों ने उनके करियर को कुछ समय के लिए प्रभावित किया।

दिलीप कुमार ने दी पहली फिल्म

अरुणा ने नौ साल की उम्र में फिल्म 'गंगा जमुना' से अपना अभिनय करियर शुरू किया था। एक दिन वह अपने पिता के साथ स्टूडियो गई थीं, जहां दिलीप कुमार ने उन्हें देखा और पूछा, 'लड़की, डायलॉग बोल सकती हो?' अरुणा ने हां कहा और डायलॉग बोला। दिलीप कुमार को उनका अंदाज पसंद आया और उन्होंने अरुणा को फिल्म में एक छोटा रोल दे दिया। यह उनके करियर का पहला कदम था।

'कारवां' में डांस से जीता दिल

1971 की फिल्म 'कारवां' में अरुणा ने एक बंजारन का किरदार निभाया। उनके गाने 'चढ़ती जवानी मेरी चाल मस्तानी' और 'दिलबर दिल से प्यारे' उनके शानदार डांस की वजह से सुपरहिट हुए। इस फिल्म के सेट पर अरुणा की मेहनत और एनर्जी की सभी ने तारीफ की। उनके डांस ने दर्शकों का दिल जीत लिया और उन्हें एक नई पहचान दी।

टीवी सीरियल्स का किया निर्देशन

अरुणा ईरानी ने बतौर निर्देशक टीवी सीरियल 'देश में निकला होगा चांद' से किया। उनका यह डेब्यू सीरियल हर किसी को बेहद पसंद भी आया। उनका यह सीरियल 2001 में स्टार प्लस पर शुरू हुआ और 2005 तक चला। इसकी सफलता के बाद अरुणा ने 'मेंहदी तेरे नाम की' और 'वैदेही' जैसे कई टीवी सीरियल्स का निर्देशन किया। अरुणा ने 'रब्बा इश्क ना होवे', 'तुम बिन जाऊं कहां', और 'जमीन से आसमान तक' का भी निर्देशन या निर्माण किया है। इन सीरियल्स में उन्होंने छोटे रोल निभाए।

अरुणा ईरानी की शादी

अरुणा ने 1990 में 40 साल की उम्र में फिल्म निर्देशक कुकू कोहली से शादी की। कुकू पहले से शादीशुदा थे और उनकी बेटियां थीं, जिसके बारे में अरुणा को बाद में पता चला। उन्होंने अपनी शादी को कई साल तक छुपाए रखा, क्योंकि वह किसी को ठेस नहीं पहुंचाना चाहती थीं। अरुणा ने बच्चे न करने का फैसला लिया, क्योंकि वह नहीं चाहती थीं कि उनके बच्चे जटिल पारिवारिक स्थिति में परेशानी झेलें। उन्होंने यह भी कहा कि वह काम से दूर नहीं होना चाहती थीं, इसलिए मां बनने का विचार छोड़ दिया।

कई अवॉर्ड्स से सम्मानित हो चुकी हैं अरुणा ईरानी

अरुणा ईरानी ने शानदार अभिनय के लिए कई अवॉर्ड जीते हैं। फिल्म 'पेट, प्यार और पाप' के लिए अरुणा को फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस के अवॉर्ड से नवाजा गया। वहीं फिल्म 'बेटा' के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस और हिंदी सिनेमा में बेहतरीन योगदान के लिए फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है।

अरुणा का करियर

अरुणा ईरानी आखिरी बार फिल्म 'घुड़चढ़ी' में नजर आई थीं। यह फिल्म 2023 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अरुणा के अलावा संजय दत्त, रवीना टंडन, पार्थ समथान और खुशाली कुमार ने अभिनय किया था। यह फिल्म 2023 की बंगाली फिल्म 'लव मैरिज' का रीमेक है।

सरकार ने असेट मोनेटाइजेशन के जरिए 1.42 लाख करोड़ रुपये जुटाए: नितिन गडकरी

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। सरकार ने वित्त वर्ष 2025 तक राजमार्ग परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण के अलग-अलग तरीकों से 1,42,758 करोड़ रुपये जुटाए हैं। गुरुवार को संसद में यह जानकारी दी गई। केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि चालू वित्त वर्ष में परिसंपत्ति मुद्रीकरण से अनुमानित रूप से 30,000 करोड़ रुपये आए है। सरकार राजमार्ग परिसंपत्तियों का मुद्रीकरण तीन तरीकों से करती है- टोल ऑपरेट एंड ट्रांसफर (टीओटी), इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट) और सिक्योरिटाइजेशन (एसपीवी के माध्यम से परियोजना आधारित वित्तपोषण)। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में गडकरी ने कहा कि सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना, 2025 (योजना) पायलट कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस दौरान छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मार्च 2024 से होने के बाद से 31 जुलाई, 2025 तक 4,971 सड़क दुर्घटना पीड़ितों का इलाज किया गया है। सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना, 2025 (योजना) को अखिल भारतीय स्तर पर अधिसूचित किया गया है। इस योजना के तहत, मोटर वाहन के उपयोग के कारण हुई सड़क दुर्घटना का शिकार होने वाले किसी भी व्यक्ति को देश भर में किसी भी निर्दिष्ट अस्पताल में दुर्घटना की तारीख से अधिकतम 7 दिनों की सीमा के अधीन, प्रति पीड़ित 1.5 लाख रुपये तक के उपचार का कवर मिलेगा। इसके अलावा, एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि 12 अगस्त 2025 तक वाहन पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वाहनों पर लगाई गई उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेटों की कुल संख्या 20,16,32,06 है। मंत्री ने यह भी कहा कि 12 अगस्त, 2025 तक पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधाओं (आरवीएसएफ) में कुल 2,76,990 वाहनों को स्क्रैप किया जा चुका है। टीओटी मोड के तहत, खुले बाजार से बोलियां आमंत्रित की जाती हैं। सड़क खंड रियायत अवधि (15-30 वर्ष) के लिए सबसे ऊंची बोली लगाने वाले को दिए जाते हैं, जो आरक्षित मूल्य से अधिक होनी चाहिए। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना ट्रस्ट (एनएचआईटी) का गठन किया है। एनएचएआई, एनएचआईटी को उच्चतम मूल्यांकन प्राप्त करने के लिए 15-30 वर्षों की रियायत अवधि देता है। एनएचआईटी के प्रस्तावित मूल्य की तुलना आरक्षित मूल्य से की जाती है। इसके बाद एनएचआईटी बॉन्ड के जरिए धन जुटाता है और सेबी के प्लेटफ़ॉर्म पर यूनिट बेचकर सर्वोत्तम मूल्य प्राप्त करता है।

आम आदमी को सस्ता सामान मिलने का रास्ता साफ!

जीएसटी में 12% और 28% के स्लैब को खत्म करने की जीओएम ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। लोगों को खाने-पीने और दूसरी चीजों के सस्ता मिलने का रास्ता लगभग साफ हो गया है। जीएसटी की दरों को सरल बनाने के लिए मंत्रियों के समूह की गुरुवार को एक अहम बैठक हुई। इसमें राज्यों के वित्त मंत्रियों ने केंद्र सरकार की टैक्स स्लैब को कम करने के प्रस्ताव को मान लिया है। इन सिफारिशों पर अंतिम फैसला जीएसटी काउंसिल अपनी अगली बैठक में लेगी, जो सितंबर में होने वाली है। बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में छह सदस्यों वाले जीओएम के सामने यह प्रस्ताव रखा गया था।

इसका मकसद है कि अभी जो 5, 12, 18 और 28 फीसदी की चार दरें हैं, उन्हें हटाकर सिर्फ दो मुख्य दरें रखी जाएं। इसके मुताबिक अब सिर्फ 5 और 18 फीसदी वाले स्लैब ही रहेंगे। 12 और 28 फीसदी के स्लैब को खत्म कर दिया जाएगा।

इससे रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली और कई दूसरी चीजें काफी सस्ती हो जाएंगी।

कैसी होगी जीएसटी की नई व्यवस्था?

जीएसटी की नई व्यवस्था में जरूरी चीजों और सेवाओं पर 5 फीसदी टैक्स लगेगा। ज्यादातर दूसरी चीजें (जो स्टैंडर्ड हैं) 18 प्रतिशत की स्टैंडर्ड दर में आएंगी। वहीं कुछ खास चीजों पर 40 प्रतिशत का टैक्स लगेगा। इन्हें 'सिन गुड्स' कहा जाता है। इनमें शराब, तंबाकू, ड्रग्स, जुआ, सॉफ्ट ड्रिंक्स, फास्ट फूड, कॉफी, चीनी और यहां तक कि पोर्नोग्राफी जैसी चीजें शामिल हैं। सिन टैक्स एक खास तरह का टैक्स है जो सरकार ऐसी चीजों पर लगाती है। इसका मकसद है कि लोग इनका इस्तेमाल कम करें और इनसे होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

आम आदमी को होगा फायदा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दो दिन की जीओएम बैठक में कहा था कि एक आसान जीएसटी सिस्टम से आम आदमी, किसानों, मध्यम वर्ग और छोटे कारोबारियों को फायदा होगा। साथ ही जीएसटी ज्यादा पारदर्शी और विकास को बढ़ावा देने वाला बनेगा।

कैसे होगा दरों में बदलाव?

बदलावों के तहत लगभग सभी चीजें जो अभी 12 फीसदी की श्रेणी में हैं, उन्हें 5 फीसदी के स्लैब में लाया जाएगा। इसी तरह, ज्यादातर प्रोडक्ट्स जिन पर 28 फीसदी टैक्स लगता है, उन्हें 18 फीसदी के ब्रैकेट में शिफ्ट किया जाएगा।

केंद्र सरकार का मानना है कि इससे नियमों का पालन बेहतर होगा और चीजें कम उलझी हुई होंगी।

एअर इंडिया व एअर इंडिया एक्सप्रेस को उठाना पड़ा 9568 करोड़ का घाटा, सरकार ने सदन में दिए आंकड़े

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस को मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में कर से पहले कुल मिलाकर 9,568.4 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। पिछले वित्त वर्ष में, अकासा एअर और स्पाइसजेट ने कर से पहले 1,983.4 करोड़ रुपये और 58.1 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया, जबकि इंडिगो को कर से पहले 7,587.5 करोड़ रुपये का लाभ हुआ। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने गुरुवार को लोकसभा में एक लिखित उत्तर में ये आंकड़े साझा किए। हालांकि, ये आंकड़े अस्थायी हैं।टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअर इंडिया को कर से पहले 3,890.2 करोड़ रुपये का घाटा हुआ, जबकि इसकी कम लागत वाली शाखा एअर इंडिया एक्सप्रेस, जो लंबे समय से लाभदायक थी, ने 2024-25 में 5,678.2 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया। घाटे में चल रही एअर इंडिया और मुनाफे में चल रही एअर इंडिया एक्सप्रेस का जनवरी 2022 में टाटा समूह ने अधिग्रहण कर लिया था।आंकड़ों के अनुसार, एअर इंडिया का कर्ज 26,879.6 करोड़ रुपये था, जबकि इंडिगो का कर्ज 67,088.4 करोड़ रुपये था। आंकड़ों के अनुसार, एअर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर और स्पाइसजेट का कर्ज क्रमशः 617.5 करोड़ रुपये, 78.5 करोड़ रुपये और 886 करोड़ रुपये था। मोहोल ने लिखित उत्तर में कहा, मार्च 1994 में एअर कॉरपोरेशन अधिनियम के निरस्त होने के साथ ही भारतीय घरेलू विमानन नियंत्रण मुक्त हो गया है। संसाधन जुटाने और ऋण पुनर्गठन सहित वित्तीय और परिचालन संबंधी निर्णय, वाणिज्यिक विचारों के आधार पर संबंधित एयरलाइनों की ओर से प्रबंधित किए जाते हैं।

गिग वर्कर्स की जांच में खामियां उजागर

20 फीसदी पते गलत निकले, ग्राहक सुरक्षा से जुड़े गंभीर सवाल उठे

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। देश में गिग वर्कर्स से जुड़ी सुरक्षा को लेकर चिंता गहराती जा रही है। लगभग 20 प्रतिशत गिग वर्कर्स अपने पते के सत्यापन जांच में विफल रहे। इससे ई-कॉमर्स, फूड डिलीवरी और परिवहन क्षेत्रों में ग्राहक सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ऑथब्रिज की एक सर्वेक्षण रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। ये वो लोग हैं जो छोटे-मोटे काम करते हैं, जैसे कैब चलाना, ऑनलाइन डिलीवरी या फिर फ्रीलांसिंग करने जैसे काम। गिग वर्कर वह व्यक्ति होता है जो अस्थायी, लचीले या फ्रीलांस काम में लगा होता है, जिसे अक्सर डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सुविधा प्रदान की जाती है। कोविड-19 महामारी के बाद गिग रोजगार विशेष रूप से साझा सेवाओं और लॉजिस्टिक्स सेगमेंट में मांग में वृद्धि देखी गई है। इससे रोजगार की खोज के लिये प्लेटफार्मों में इससे संबंधित गतिविधियों में तेजी आई है।नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 2020-21 में भारत में लगभग 77 लाख गिग वर्कर्स थे। यह संख्या 2029-30 तक बढ़ कर 2.35 करोड़ पहुंचने का अनुमान है। वर्तमान में भारत में लगभग 80 लाख व्यक्ति गिग और प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था में जुड़े हुए हैं।ऑथब्रिज की रिपोर्ट के अनुसार पते के सत्यापन की जांच नहीं होने से वर्करों को ट्रैक करने और उनका सत्यापन करने में मुश्किलें आ रही हैं। इससे डिलवरी एजेंट और कैब ड्राइवर जैसे गिग वर्करों पर बहुत अधिक निर्भर रहने वाली कंपनियों के लिए यह एक गंभीर चुनौती बन गई है। नरिपोर्ट से यह भी सामने आया कि गिग वर्कर्स से जुड़े तथ्यों में चार प्रतिशत की विसंगति दर देखी गई। इन गड़बड़ियों में अदालत से जुड़े अपराधों के रिकॉर्ड और फर्जी पहचान जैसे मामले शामिल हैं।

भारत पर क्यों गुस्सा निकाल रहे हैं डोनाल्ड ट्रंप?

इन आंकड़ों से समझ में आ जाएगा सारा खेल

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के तेल बाजार में रूस की बढ़ती पकड़ ने ट्रेड के तौर-तरीकों को बदल दिया है। इस दौरान रूस भारत का सबसे बड़ा सप्लायर बनकर उभरा है। लेकिन इससे भारत को तेल सप्लाई करने वाले सबसे बड़े देशों इराक, सऊदी अरब और यूएई पर ज्यादा असर नहीं पड़ा है। लेकिन अमेरिका को भारी नुकसान हुआ है। अमेरिका से भारत को होने वाली कच्चे तेल की सप्लाई चार साल पहले की तुलना में एक तिहाई कम हो गई है। आंकड़ों से पता चलता है कि छोटे सप्लायरों को भी नुकसान हुआ है। एनर्जी कार्गो ट्रैकर वोरटेक्सा के अनुसार, 2021 से इराक और सऊदी अरब से तेल की सप्लाई में लगभग 5% की कमी आई है। 2021 वह साल था जब यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ था। इस दौरान यूएई से सप्लाई 3% बढ़ी है। इसके विपरीत छोटे सप्लायरों से होने वाली सप्लाई पर असर पड़ा है। अमेरिका से सप्लाई एक तिहाई कम हो गई है। नाइजीरिया और कुवैत से शिपमेंट आधे हो गए हैं। ओमान और मैक्सिको से शिपमेंट 80% से ज्यादा गिर गए हैं।

कैसे बढ़ी रूस से सप्लाई

वोरटेक्सा के आंकड़ों से पता चलता है कि 2021 में भारत का रोजाना तेल आयात 40 लाख बैरल था। इसमें रूस की हिस्सेदारी महज 100,000 बैरल थी। यह इराक, सऊदी अरब, यूएई, अमेरिका, नाइजीरिया, कुवैत और अन्य देशों से बहुत कम था। लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद स्थिति बदल गई। पश्चिमी देशों ने रूस के तेल कई तरह की पाबंदियां लगाईं। इसके बाद रूस ने भारत और चीन को डिस्काउंट पर तेल बेचना शुरू किया। 2022 तक इराक और सऊदी अरब के बाद रूस भारत का तीसरा सबसे बड़ा सप्लायर बन गया। एक साल बाद रूस ने दोनों को पीछे छोड़ दिया। रूस से रोजाना सप्लाई 1.76 मिलियन बैरल पहुंच गई। यह सऊदी और इराक से होने वाली जॉइंट सप्लाई से भी ज्यादा था। 2025 में रूस अभी भी टॉप पर है। रूस रोजाना औसतन लगभग 1.7 मिलियन बैरल की सप्लाई कर रहा है।

इसके बावजूद भारत के मिडिल ईस्ट के सप्लायर भी मजबूत बने हुए हैं। 2025 में इराक की रोजाना सप्लाई औसतन 898,000 बैरल, सऊदी अरब की 640,000 बैरल और यूएई की 448,000 बैरल रही है। 2021 की तुलना में इराक और सऊदी से वॉल्यूम में लगभग 5% की कमी आई है, जबकि यूएई से 3% की वृद्धि हुई है।

किसे हुआ नुकसान

रूसी तेल ज्यादातर स्पॉट मार्केट में डिस्काउंट पर खरीदा जाता है। इससे अफ्रीका और अमेरिका से आने वाले महंगे कार्गो पर असर पड़ा है। 2025 में, अमेरिका की रोजाना सप्लाई औसतन 271,000 बैरल, नाइजीरिया की 151,000 बैरल, कुवैत की 131,000 बैरल, ओमान की 20,000 बैरल और मैक्सिको की 24,000 बैरल रही है। कोलंबिया, इक्वाडोर, गैबोन और कांगो से भी फ्लो कम हो गया है। अधिकारियों का कहना है कि भारतीय रिफाइनर ऊर्जा सुरक्षा के लिए मिडिल ईस्ट के देशों के साथ टर्म कॉन्ट्रैक्ट को महत्वपूर्ण मानते हैं।

आईपीओ से पहले भी कंपनियों के शेयरों की हो सकेगी खरीद-बिक्री

सेबी अध्यक्ष ने दिए संकेत, पहल पायलट आधार पर

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। शेयर बाजार नियामक नियामक सेबी जल्द ही एक विनियमित प्लेटफॉर्म लॉन्च कर सकता है, जहां प्री-आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक पेशकश से पहले) कंपनियां कुछ खुलासे करने के बाद कारोबार कर सकेंगी। नियामक के अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह पहल पायलट आधार पर होगी। फिक्की की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए पांडे ने कहा कि निवेशकों के लिए निवेश निर्णय लेने के लिए कंपनियों की लिस्टिंग से पहले अक्सर पर्याप्त नहीं होती है। सेबी प्रमुख ने संकेत दिया कि हम पायलट आधार पर एक ऐसा प्लेटफॉर्म ला सकते हैं, जहां आईपीओ से पहले कंपनियां कुछ खुलासे कर व्यापार करने का विकल्प चुन सकती हैं। सेबी प्रमुख ने कहा कि इस पहल के अनावश्यक प्रक्रियाओं और समस्याओं के दूर करने की उम्मीद है। यह धन जुटाने, प्रकटीकरण और निवेशक को शामिल करने में अनावश्यक परेशानी पैदा करती हैं। इसके अलावे यह प्लेटफॉर्म उन उभरते क्षेत्रों, उत्पादों और परिसंपत्ति वर्गों का पता लगाएगी जो पूंजी की मांग और आपूर्ति दोनों का सृजन करते हैं।जब उनसे पूछा गया कि क्या प्री-आईपीओ ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर डिपॉजिटरीज के साथ कोई चर्चा हुई है, तो उन्होंने कहा, यह केवल सिद्धांत रूप में है, जो मैं कह रहा हूं। यह नया प्लेटफॉर्म निवेशकों को आईपीओ आवंटन और लिस्टिंग के बीच तीन दिनों की अवधि में विनियमित तरीके से शेयरों का व्यापार करने की अनुमति दे सकता है। यह पहल मौजूदा अनियमित ग्रे मार्केट की जगह ले सकती है, जो वर्तमान में इस अवधि के दौरान संचालित होता है।

सेबी इक्विटी उत्पादों की अवधि और परिपक्वता में सुधार की योजना बना रहा- तुहिन कांत पांडे

बाजार नियामक सेबी इक्विटी डेरिवेटिव उत्पादों की अवधि और परिपक्वता में सुधार लाने पर विचार कर रहा है। इसके अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे ने गुरुवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि नकदी बाजार में कारोबार तेजी से बढ़ा है और तीन साल की अवधि में दैनिक कारोबार दोगुना हो गया है। पांडे ने फिक्की कैपिटल मार्केट कॉन्फ्रेंस 2025 में कहा, हम डेरिवेटिव उत्पादों की परिपक्वता प्रोफाइल में सुधार के तरीकों पर हितधारकों के साथ परामर्श करेंगे, ताकि वे हेजिंग और दीर्घकालिक निवेश के लिए बेहतर साबित हो सकें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इक्विटी डेरिवेटिव्स पूंजी निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन नियामक को गुणवत्ता और संतुलन सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

सोना 600 रुपये बढ़कर 100620 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा, चांदी 1500 रुपये उछली

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। स्टॉकिस्टों की ताजा खरीदारी के बीच राजधानी दिल्ली में गुरुवार को सोने की कीमत 600 रुपये बढ़कर 1,00,620 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 500 रुपये बढ़कर 1,00,200 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। वहीं चांदी की कीमत 1,500 रुपये बढ़कर 1,14,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टि की है। पिछले सत्र में सोने की कीमत तीन सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद सुरक्षित निवेश की मांग और सस्ते दामों पर खरीदारी के कारण गुरुवार को सोने की कीमतों में तेजी आई।

फेड जोखिमों के बीच सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ी

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा कि सुरक्षित निवेश की नई मांग राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा फेडरल रिजर्व गवर्नर के इस्तीफे की मांग के कारण बढ़ी है। इससे केंद्रीय बैंक की स्वतंत्रता को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। गांधी ने कहा कि इस टिप्पणी के बाद अमेरिकी डॉलर अपने हाल के उच्चतम स्तर से नीचे आ गया, जिससे सोने की कीमतों को और समर्थन मिला।

वैश्विक बाजार में गिरे सोने-चांदी के दाम

अंतरराष्ट्रीय बाजार में न्यूयॉर्क में सोना 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,339.04 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। हाजिर चांदी भी 0.32 प्रतिशत गिरकर 37.78 डॉलर प्रति औंस पर आ गयी।

कोटक सिक्योरिटीज की एवीपी कमोडिटी रिसर्च, कायनात चैनवाला ने कहा कि सोना 3,340 डॉलर प्रति औंस के आसपास स्थिर बना हुआ है। निवेशक बेरोजगारी दावों, पीएमआई और मौजूदा घरेलू बिक्री सहित प्रमुख अमेरिकी वृहद आर्थिक आंकड़ों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

हालांकि, मुख्य ध्यान जैक्सन होल संगोष्ठी में फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल के भाषण पर बना हुआ है, क्योंकि निवेशक मौद्रिक नीति में बदलाव के संकेतों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। खासतौर से पिछले साल की टिप्पणियों के बाद, जिसमें दर-कटौती चक्र की शुरुआत का संकेत दिया गया था। इस बीच, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की जुलाई की बैठक के विवरण से पता चला है कि अधिकारी मुद्रास्फीति और श्रम बाजार के बारे में सतर्क बने हुए हैं। अधिकांश का मानना है कि ब्याज दरों में कटौती करना अभी जल्दबाजी होगी।

उतार-चढ़ाव के बाद हरे निशान में बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 142 अंक चढ़ा, निफ्टी 25000 के पार

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। शेयर बाजारों में गुरुवार को लगातार छठे दिन तेजी का सिलसिला जारी रही। इसमें आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में खरीदारी का जोर रहा। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि प्रस्तावित जीएसटी सुधारों और हाल ही में क्रेडिट रेटिंग में सुधार से निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। निवेशकों का ध्यान जैक्सन होल संगोष्ठी में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल के आगामी वक्तव्यों की ओर भी गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 143.87 अंक या 0.17 प्रतिशत उछलकर 82000.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 373.33 अंक या 0.45 प्रतिशत बढ़कर 82,231.17 पर पहुंच गया। सेंसेक्स के 14 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 33.20 अंक या 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,083.75 पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 18 पैसे गिरकर 87.25 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख लाभ में रहीं। वहीं पावर ग्रिड, इटरनल, हिंदुस्तान यूनिलीवर और अदानी पोर्ट्स पिछड़ने वालों में शामिल रहे।

यूरोपीय बाजारों में दिखी गिरावट

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में गिरावट देखी गई। बुधवार को अमेरिकी बाजार अधिकतर गिरावट के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 67.44 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.90 प्रतिशत बढ़कर 67.44 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 1,100.09 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1,806.34 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। गुरुवार तक छह दिनों की तेजी में सेंसेक्स 1,765 अंक या 2.14 प्रतिशत और निफ्टी 596 अंक या 2.4 प्रतिशत चढ़ चुका है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

[illegible] संवत्- 2082
[illegible] -1947, [illegible]
[illegible] -2551
[illegible] -432000
[illegible] -426874
[illegible] -5126 [illegible]
[illegible] -1972949126
[illegible] -1955885126

06-03
18-35

[illegible]	05-42 बजे
[illegible]	07-49 बजे
[illegible]	09-54 बजे
[illegible]	12-04 बजे
[illegible]	14-17 बजे
[illegible]	16-24 बजे
[illegible]	18-14 बजे
[illegible]	19-52 बजे
[illegible]	21-29 बजे
[illegible]	23-17 बजे
[illegible]	01-17 बजे
[illegible]	03-30 बजे

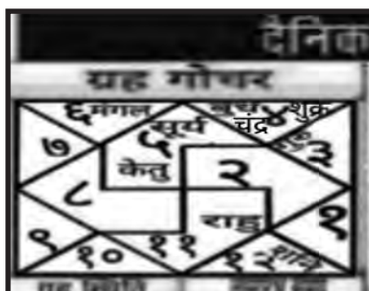

पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
चतुर्दशी 11-56 तक उपरान्त अमावस्या
भाद्रपद कृष्ण ,शुक्रवार 22 August
आश्लेषा 00-16 तक उपरान्त मघा
वरियान 14-34 तक परिघ
शकुनि 11-56 तक उप चतुष्पाद
पितृ कार्ये अमावस्या
शरद ऋतु प्रा.

राहुकाल 10-45 से 12-19 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
चंचल 06-03 - 07-36 शुभ	रोग 18-35 - 20-02 शुभ
लाभ 07-36 - 09-10 शुभ	काल 20-02 - 21-27 शुभ
अमृत 09-10 - 10-45 शुभ	लाभ 21-27 - 22-53 अशुभ
काल 10-45 - 12-19 अशुभ	उत्पात 22-53 - 00-19 अशुभ
शुभ 12-19 - 13-53 शुभ	शुभ 00-19 - 01-45 शुभ
रोग 13-53 - 15-27 अशुभ	अमृत। 01-45 - 03-10 अशुभ
उत्पात 15-27 - 17-02 अशुभ	चंचल 03-10 - 04-36 शुभ
चंचल 17-02 - 18-35 शुभ	रोग 04-36 - 06-03 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,): आपका आत्मविश्वास बहुत अधिक है, और आप अपने काम या पढ़ाई में कार्रवाई करने के लिए तैयार महसूस करते हैं। स्पष्ट संचार आपको नए अवसरों को पहचानने और उन्हें प्राप्त करने में मदद करता है। बहुत जल्दी कार्य करने से सावधान रहें, क्योंकि धैर्य आपको चीजों को सुचारू रखने में मदद करेगा।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आप किसी भी कार्य को अच्छी तरह से करने में बहुत गर्व महसूस करते है। यह अब आपके वरिष्ठ अधिकारियों के ध्यान में आएगा । कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आपको दी जा सकती है जो की आपके करियर की प्रगति के लिए नए दरवाजे और आयाम खोलेगी । आय में भी वृद्धि की संभावना है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): रचनात्मक चिंगारी आपके कार्यों के प्रति दृष्टिकोण को निखारती है, जिससे नियमित कार्य भी प्रेरणादायी लगते हैं। अंतर्ज्ञान आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करता है, जिससे आपको उन सूक्ष्म समाधानों को पहचानने में मदद मिलती है जो दूसरों से छूट सकते हैं। महत्वाकांक्षा प्रभावशाली सफलताओं का कारण बन सकती है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): रचनात्मक ऊर्जा आज आपके करियर को बढ़ावा देती है, जिससे आपको आत्मविश्वास के साथ खुद को अभिव्यक्त करने में मदद मिलती है। अंतर्ज्ञान आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करता है, खासकर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में। आप पहल करने और कार्यों को सीधे करने के लिए प्रेरित महसूस करेंगे।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आपकी रचनात्मकता स्वतंत्र रूप से प्रवाहित होती है, जो आपके कार्यों में नई ऊर्जा लाती है। दृढ़ संकल्प बढ़ता है, जिससे आप जटिल जिम्मेदारियों को तीव्रता और उद्देश्य के साथ पूरा कर पाते हैं। यदि आप आशावादी बने रहते हैं तो विकास के अवसर आपकी पहुँच में हैं। सीखते रहें और आगे बढ़ते रहें, और आपका समर्पण जल्द ही पहचान दिला सकता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): दिन की संवेदनशील ऊर्जा आपको अपने प्रियजनों के प्रति सुरक्षात्मक होने के लिए प्रोत्साहित करती है। जल्दी से अनुकूल होने की प्रकृति एक दोहरी प्रकृति का मूड लाती है, जिससे आप असंगत महसूस करते हैं। संबंधों पर ध्यान दें और अतिभोग से बचें। हालाँकि, रोमांटिक हितों में अहंकार का तनाव सामने आ सकता है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आज आपका अंतर्ज्ञान मजबूत है, जो आपको आंतरिक आत्मविश्वास के साथ कार्यों और निर्णयों को नेविगेट करने में मदद करता है। संचार बिखरा हुआ लग सकता है, इसलिए स्पष्ट और केंद्रित होने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतें। रचनात्मक विचार स्वाभाविक रूप से आते हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आपका आत्मविश्वास आपको काम पर चमकने में मदद करता है, जबकि जिज्ञासा आपको नए विचारों का पता लगाने के लिए प्रेरित करती है। रचनात्मक ऊर्जा प्रवाहित होती है, नए दृष्टिकोणों को प्रेरित करती है। कुछ रिश्ते तनाव सतह पर आ सकते हैं, लेकिन खुला, ईमानदार संचार इसे मजबूत साझेदारी में बदल सकता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आप अपने दिन की शुरुआत सूक्ष्म तीव्रता के साथ करते हैं, जिससे आप संसाधन संपन्न तो महसूस करते हैं, लेकिन साथ ही खुद पर थोड़ा दया भी करते हैं। भावनात्मक जोखिम से बचते हुए, रिटायर होने की इच्छा होगी। आप जल्दी से अनुकूलनशील हो जाएंगे, एक दोहरी प्रकृति वाली मानसिकता के साथ जो दृष्टिकोण को बदलती रहती है।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी): आज आपको अपने कार्यालय पर संचार और बातचीत कौशल का विशेष उपयोग करने की जरूरत है। आपको सावधान रहना होगा की जोर से शिकायत या किसी के पैरो में गिरने की जरुरत नहीं है , इसके बजाय आपको कूटनीति और कुशलता से दबाव के समय में कार्य करने की आवश्यकता होगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): भावनात्मक संघर्ष आपके कार्य जीवन को प्रभावित कर सकता है। मान्यता पाने की तीव्र इच्छा उत्पन्न हो सकती है, लेकिन सहकर्मियों, विशेषकर महिलाओं के साथ तनाव उभर सकता है। अचानक उत्साह के कारण विलक्षण व्यवहार हो सकता है और परियोजनाओं में रुचि बदल सकती है, इसलिए ध्यान केंद्रित रखें।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आपका कार्य जीवन ऊर्जा को पोषित करने, भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ावा देने और आपके पेशेवर संबंधों में सहानुभूति द्वारा निर्देशित होता है। निर्णय लेने में अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा करें। प्रमुख मोड़ आपको अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं, लेकिन चोट या तीव्र, कुंद आदान-प्रदान जैसे जोखिमों से सावधान रहें जो उपलब्धि के लिए आपकी इच्छा के साथ उत्पन्न हो सकते हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सांसद ने पीएम मोदी को दिया बस्तर दशहरा का न्योता

जगदलपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। बस्तर सांसद महेश कश्यप ने दिल्ली में संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इस अवसर पर महेश कश्यप ने प्रधानमंत्री मोदी को बस्तर की सांस्कृतिक धरोहर विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा उत्सव में शामिल होने आमंत्रित किया। सांसद ने कहा कि बस्तर दशहरा उत्सव में आपका आगमन स्मरणीय होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री को दशहरा उत्सव के आयोजन के कार्यक्रम विवरण की पुस्तिका भी भेंट की।

उल्लेखनीय है कि 75 दिनों तक चलने वाले बस्तर दशहरा उत्सव की शुरूआत हो चुकी है। सितंबर के अंतिम सप्ताह से अक्टूबर मास के प्रथम सप्ताह तक उत्सव के प्रमुख पूजा विधान संपन्न होंगे।

विदित हो कि सांसद बस्तर दशहरा आयोजन समिति के अध्यक्ष भी हैं। प्रधानमंत्री से भेंट के दौरान सांसद के साथ उनकी पत्नी चंपा कश्यप और तीन वर्षीय पुत्री क्षमता कश्यप भी थी। महेश कश्यप ने बस्तर को माओवादी हिंसा से मुक्त करने के लिए केंद्र सरकार की निर्णायक ठोस नीति के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया।

उन्होंने बस्तर के विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा लिए जा रहे निर्णयों और सहयोग की चर्चा करते हुए कहा कि आदिवासी बहुल बस्तर माओवादी हिंसा से मुक्ति के साथ ही विकास की दौड़ में शिक्षा सहित हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

विकसित बस्तर की संकल्पना को साकार होते जनता देख रही है। बस्तर की प्रस्तावित रेल परियोजनाओं की चर्चा करते हुए सांसद ने प्रधानमंत्री से इन्हें जनजातीय गौरव कारिडोर का दर्जा देने का अनुरोध किया। उनका कहना था कि रावघाट-जगदलपुर रेललाइन परियोजना का निर्माण जल्दी शुरू किया जाना चाहिए, जिससे बस्तर के विकास को और तेजी मिल सके। सांसद ने प्रधानमंत्री से बस्तर आकर रावघाट-जगदलपुर रेल परियोजना के लिए भूमिपूजन करने का आग्रह भी किया। महेश कश्यप ने बस्तर से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गो को फोन लेन में परिवर्तित करने की दिशा में भी पहल हो रही है। इससे बस्तर तेजी से विकास की मुख्यधारा में शामिल हो रहा है।

सौजन्य मुलाकात के दौरान सांसद महेश कश्यप ने प्रधानमंत्री को काष्ठ निर्मित स्मृति चिन्ह भेंट किया। जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चित्र उत्कीर्ण है, साथ ही केंद्र सरकार के कुछ महत्वपूर्ण निर्णयों और कार्यक्रमों का उल्लेख किया गया है। प्रधानमंत्री से भेंट और उनसे हुई चर्चा की जानकारी सांसद द्वारा मीडिया को बयान जारी कर दी गई।

उन्होंने बताया कि सार्वजनिक कार्यक्रमों में स्वयं प्रधानमंत्री द्वारा बस्तर में आ रहे बदलाव और यहां की विशेषताओं का बार-बार उल्लेख किया जाना बस्तर के लिए गर्व का विषय है और इससे यह स्पष्ट होता है कि यह क्षेत्र प्रधानमंत्री के हृदय के कितना निकट है।

दो पक्षों में पथराव लाठी-डंडे से मारपीट

6 लोग घायल, 2 की हालत गंभीर, दोनों पक्षों ने थाना में दर्ज कराई शिकायत

गिरिडीह, 21 अगस्त (एजेंसियां)। गिरिडीह के तिसरी थाना क्षेत्र के खिजूरी में गुरुवार को जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच जमकर पथराव और लाठी-डंडों से मारपीट हुई। इस घटना में दोनों पक्षों के कुल 6 लोग घायल हो गए।

दोनों पक्षों ने थाना में शिकायत दर्ज करवाई है। एक पक्ष के प्रवीण विश्वकर्मा ने बताया कि वे अपने नवनिर्मित मकान में बैठे थे।

इसी दौरान गांव के मनोज तुरी, सुखदेव तुरी समेत 40-50 लोग हथियारों के साथ आए। उन्होंने हमला कर दिया और पथराव किया। इस हमले में परिवार के कई सदस्य घायल हुए।

तिसरी थाना प्रभारी रंजय कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों में पहले से जमीन विवाद चल रहा था। दोनों तरफ से मारपीट हुई है। कुछ लोगों को चोट भी आई है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई है।

आज से 28 तक चलेगा विधानसभा का मानसून सत्र

अटल क्लिनिक और सूर्या हांसदा समेत कई मुद्दों पर सरकार को घेरेगा विपक्ष

रांची, 21 अगस्त (एजेंसियां)। शुक्रवार से शुरू हो रहे झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के हंगामेदार रहने की संभावना है। विपक्ष खासकर भाजपा इस सत्र में आक्रामक रूख अख्तियार करते हुए सरकार को घेरने की कोशिश करेगी। वहीं, विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने के लिए सत्ता पक्ष भी अपनी रणनीति बना रहा है। हाल के दिनों में जिस तरह से सूर्या हांसदा एनकाउंटर के मुद्दे को भाजपा लगातार उछाल रही है, उससे साफ है कि मानसून सत्र के दौरान भी यह मामला काफी जोर-शोर से उठाएगी।

इसके अलावा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से राज्य में चल रहे क्लिनिक का नाम बदल कर मदर टेरेसा के नाम से कर दिया गया है। इससे भी भाजपा काफी बौखलाई हुई है। इसके अलावा विधि व्यवस्था के मुद्दे पर भी सत्र में सरकार को घेरने का प्रयास करेगी है। वहीं, सीजीएल परीक्षा की जांच को लेकर भी भाजपा के तेवर अभी भी कड़े हैं। भाजपा ने 22 अगस्त को दोपहर एक बजे विधायक दल की बैठक बुलाई है। इसमें यह तय होगा कि सत्र के दौरान किन-किन मुद्दों पर सरकार को घेरा जाएगा।

विपक्ष के हर सवाल का दिया जाएगा जवाब : राजेश कच्छप

कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप नेकहा कि विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने के लिए सरकार तैयार है। हाल के दिनों में सूर्या हांसदा मामले को जिस तरह से विपक्ष उठा रहा है। उस पर भी सरकार जवाब देगी। उसमें निष्पक्ष जांच से सरकार पीछे नहीं हटेगी।

उन्होंने कहा कि विपक्ष के हर तरह के सवाल का जबाव देकर विपक्ष को संतुष्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन गुरुजी के मामले को लेकर पारिवारिक कारणों से लगातार व्यस्त रहे। वे सारे मामलों की जानकारी अब ले रहे हैं। राजेश कच्छप ने कहा कि इसके अलावा भी विपक्ष जो भी ज्वलंत मुद्दे को लेकर सामने आएगा। उन सारे मामलों का जबाव दिया जाएगा। सरकार इसके लिए पूरी तरह से तैयार है।

मानसून सत्र अब 22 अगस्त से शुरू हो रहा है और 28 अगस्त तक चलेगा। इस बार कुल चार कार्यदिवस होंगे। 23 अगस्त को शनिवार और 24 अगस्त को रविवार होने के कारण दोनों दिनों सत्र नहीं चलेगा। 27 अगस्त को भी अवकाश रहेगा। सत्र के दौरान सरकार कई महत्वपूर्ण विधायी कार्यों को पूरा करने की कोशिश करेगी।

पहले दिन वित्तीय वर्ष 2025-26 का पहला अनुपूरक बजट पेश होगा। इसके बाद शोक प्रकाश होगा। 25 अगस्त को पहली पाली में प्रश्नकाल और दूसरी पाली में वित्तीय वर्ष 2025-26 के पहले अनुपूरक बजट पर वाद विवाद होगा। 26 अगस्त को प्रश्नकाल के बाद राजकीय विधेयक एवंअन्य राजकीय कार्य होंगे।

तीन नाबालिग बच्चियां बरामद

स्कूल ड्रेस में मिलीं बच्चियां, बेंगलुरु-पश्चिम बंगाल भेजने की थी योजना

चाईबासा, 21 अगस्त (एजेंसियां)। चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन नाबालिग बच्चियों को मानव तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया। तीनों बच्चियां स्कूल ड्रेस में थीं। दलाल इन्हें छुट्टी के बाद बहला-फुसलाकर अपने साथ ले आए थे।

जानकारी के मुताबिक, दो बच्चियां तांतनगर और एक बच्ची टोकलो थाना क्षेत्र की रहने वाली है। दलालों की योजना तांतनगर की दोनों बच्चियों को बेंगलुरु और टोकलो की बच्ची को पश्चिम बंगाल ले जाने की थी। इन्हें नौकरी दिलाने का लालच देकर फंसाया गया था। चाइल्ड लाइन के प्रभारी मनोज कुमार दास ने बताया कि आरपीएफ की कार्रवाई के दौरान दलाल मौके से भाग निकले।

एसपी ने पाण्डुका थाना प्रभारी जय प्रकाश को किया निलंबित

पैसों का लेनदेन करने की हुई थी शिकायत

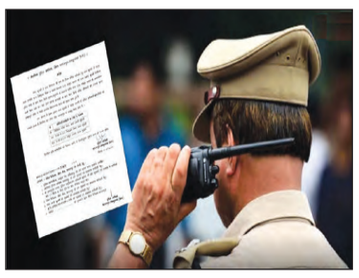

पगरियाबंद, 21 अगस्त (एजेंसियां)। जिले में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक अनुशासन को लेकर बड़ी कार्रवाई सामने आई है। गरियाबंद के पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने पाण्डुका थाना प्रभारी जय प्रकाश नेताम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, थाना प्रभारी जय प्रकाश नेताम के खिलाफ लोगों ने पैसों का लेनदेन करने और अपने कर्तव्यों में लापरवाही बरतने की गंभीर शिकायतें की थीं। जांच के बाद आरोपों को प्रथम दृष्टया सही पाए जाने पर एसपी निखिल राखेचा ने यह कठोर निर्णय लिया। निलंबन के बाद जय प्रकाश नेताम को रक्षित केंद्र, गरियाबंद में अटैच कर दिया गया है। आगे की विभागीय जांच भी जारी है।

इस कार्रवाई को जिले में पुलिस प्रशासन की जवाबदेही और अनुशासन को सुनिश्चित करने की दिशा में एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है। एसपी निखिल राखेचा ने स्पष्ट किया है कि जनता के साथ विश्वासघात करने वाले किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा।

जमीन के लिए वकील के मर्डर की सुपारी

चचेरे भाई ने 60 हजार में की डील, चोरी केस में थाने पहुंचा आरोपी, बच गई जान

कोंडागांव, 21 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में एक वकील की हत्या की साजिश नाकाम हो गई है। जमीनी विवाद में चचेरे भाई ने 60 हजार रुपए की सुपारी दी थी। चोरी के मामले में पकड़े गए सुपारी किलर के वॉट्सऐप चैट से इस पूरे मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने गुरुवार को दोनों का गिरफ्तार कर लिया है।

यह मामला कोंडागांव थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, राजकुमार बघेल (41) ग्राम दहिकोंगा का रहने वाला है। वह पेशे ने किसान है, जबकि उसके चचेरा भाई का नाम कंवल सिंह बघेल है, जो पेशे से वकील है। दोनों के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। इसी विवाद के चलते राजकुमार ने कंवल की हत्या की साजिश रची थी।

दरअसल, 19 अगस्त की रात एक प्रोविजन स्टोर में चोरी हुई थी। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दुर्ग के रहने वाले मो. मजहर अली खान (42) को हिरासत में लिया।

उसके मोबाइल की जांच में राजकुमार बघेल के साथ हुई चैटिंग का पता चला। पूछताछ में सामने आया कि राजकुमार ने मजहर को वकील की हत्या के लिए 60 हजार रुपए की सुपारी दी थी।

इसके बाद पुलिस ने वकील के भाई को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने जुर्म स्वीकार किया और बताया कि उसका चचेरे भाई कंवल सिंह से 2021 से जमीन विवाद चल रहा है। यह मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है। इसी रंजिश में उसने हत्या की योजना बनाई।

हत्या के आरोप में पिता-पुत्र गिरफ्तार

युवक की गला दबाकर की थी हत्या, सबूत मिटाने के लिए जंगल में जलाया था शव

पलामू, 21 अगस्त (एजेंसियां)। पलामू जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हत्याकांड का खुलासा हुआ है। पैसों के लेन-देन को लेकर पिता-पुत्र ने एक युवक की हत्या कर दी। आरोपियों ने सबूत मिटाने के लिए शव को जंगल में जलाने का प्रयास भी किया। घटना 16 अगस्त 2025 की है। आरोपी जनेश्वर सिंह (34) और उनके पिता राजेश्वर सिंह (58) ने घुटुवा गांव के मनोज भुईयां उर्फ मनू भुईयां (20) की गला दबाकर हत्या कर दी। अगले दिन 17 अगस्त को दोनों ने शव को भुरी जंगल में ले जाकर जला दिया। मामले का खुलासा तब हुआ, जब 20 अगस्त को मृतक के चाचा ललन भुईयां ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मामले की जांच शुरू की। जांच में दोनों आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

पुलिस ने भुरी जंगल से मृतक के जले हुए अवशेष बरामद किए हैं। थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

चाचा, मैं आपके सपनों को पूरा नहीं कर पाई

गोड्डा में सुसाइड नोट छोड़ छात्रा ने दी जान, 11वीं साइंस की कर रही थी पढ़ाई

गोड्डा, 21 अगस्त (एजेंसियां)। गोड्डा जिले के नगर थाना क्षेत्र के गायत्री नगर स्थित एक हॉस्टल में रह रही 18 वर्षीय आदिवासी छात्रा शीला मरांडी ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।

पौड़ैयाहाट थाना क्षेत्र के कारूडीह गांव की रहने वाली शीला 11वीं कक्षा में साइंस की पढ़ाई कर रही थी।

छात्रा ने आत्महत्या से पहले अपने चाचा के नाम एक सुसाइड नोट लिखा। उसमें उसने लिखा- मैं आपके सपनों को पूरा नहीं कर पा रही हूं। इधर मृतका के चाचा दिलीप मरांडी ने बताया कि सुसाइड के पीछे की वजह तो नहीं पता है। हो सकता है कि वह पढ़ाई के अत्यधिक दबाव में हो। हालांकि उन्होंने कभी किसी तरह की परेशानी का जिक्र नहीं किया। उन्होंने बताया कि हॉस्टल से फोन आने पर घटना की जानकारी मिली।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग तुरंत नगर थाना पुलिस को सूचित किया। थाना प्रभारी दिनेश महली ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल गोड्डा भेजा गया है। मृतका के माता-पिता को सूचना दे दी गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

देशभक्ति पर मौत की सजा

नक्सली स्मारक पर फहराया तिरंगा, बोला- भारत माता की जय, बौखलाये नक्सलियों ने किया कत्ल

कांकेर/रायपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। आजाद भारत में छत्तीसगढ़ की कांकेर की जमीं पर एक युवक को देश भक्ति की सजा मौत की कुर्बानी देकर चुकानी पड़ी । नक्सली अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ में लगातार नक्सल ऑपरेशन चलाये जाने के बावजूद नक्सली हैवानियत और दशहत पर उतारू हैं। मामला कांकेर का है। जहां एक युवक ने स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त को नक्सली स्मारक पर तिरंगा फहराया और भारत माता के जयकारे लगाये। इस बात की भनक नक्सलियों को लगने पर उन्होंने मानवता की सारी हदें पार करते हुए युवक की बड़ी ही बेरहमी से हत्या कर मौत के घाट उतार दिया।

नक्सलियों की नापाक हरकत

कायर नक्सलियों ने आजादी का जश्न मनाने वाले युवक की बड़ी ही बेरहमी के साथ नृशंस हत्या कर दी। 15 अगस्त को 38 साल के मनेश नरेटी को नक्सलियों ने मौत के घाट उतार दिया। दो दिन पूर्व नक्सलियों की इस नापाक हरकत का खुलासा हुआ। बताया जाता है नक्सलियों ने नरेटी को बिना गुंडा क्षेत्र के सुनसान इलाके में ले जाकर बेरहमी से किसी धारदार हथियार से हत्या कर दी। कांकेर पुलिस मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में लगी है।

वीडियो में दिख रहा है कि अब युवक नरेटी ग्रामीणों के साथ पूजा अर्चना करके बाद ध्वजारोहण कर रहा है। साथ में 15 से 20 नन्हे-मुन्हे बच्चे भी हैं जो आजादी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मना रहे हैं।

वीडियो में युवक नक्सली स्मारक पर तिरंगा फहराते और भारत माता की जय के नारे लगाते नजर आ रहा है। नरेटी का देश प्रेम और आजादी का जश्न नक्सलियों को रास नहीं आया और उन्होंने उसकी निर्दयता के साथ हत्या कर दी।

बस्तर में नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई जारी है। फोर्स नक्सलियों का खात्मा करने में लगी हुई है। इसी क्रम में उन्होंने नक्सलियों के स्मारक को ध्वस्त किया था। अपने क्षेत्र में नक्सलवाद को खत्म होते देखकर युवक काफी खुश था और और इस बार दोगुने उत्साह के साथ आजादी का जश्न मना रहा था पर उसे क्या मालूम था ये उसकी अंतिम खुशी थी।

बता दें कि ये वहीं बिना गुंड़ा एरिया है जहां गृहमंत्री अमित शाह ने नक्सलियों के खिलाफ नक्सल ऑपरेशन शुरू किया था। मार्च 2026 से पहले छत्तीसगढ़ सहित देश को नक्सलमुक्त करने का संकल्प लिया था। उनके एलान के बाद जवानों ने 29 नक्सलियों को एनकाउंटर में मार गिराया था।

कोर्ट में पेश नहीं हुए तोमर बंधु

अब इन संपत्तियों को किया जाएगा कुर्क

रायपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। सूदखोरी, एक्सटार्सन, मारपीट, आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर अपराधों में फरार चल रहे तोमर बंधुओं की अग्रिम जमानत याचिका सेशन कोर्ट ने बुधवार को खारिज कर दी। वीरेंद्र और रोहित तोमर के खिलाफ आधा दर्जन मामलों में बचाव पक्ष ने जमानत याचिका दायर की थी।

मामले की सुनवाई सीबीआइ की विशेष अदालत में हुई। दोनों भाई दो महीने से ज्यादा समय से फरार हैं। गिरफ्तारी के लिए एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने उन पर पांच-पांच हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा है। इसके बावजूद गिरफ्तारी नहीं होने पर पुलिस ने कोर्ट से उनकी संपत्ति कुर्की की मांग की थी। कोर्ट ने पुलिस के आवेदन को मंजूरी देते हुए चार संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश कलेक्टर को भेजा, जिस पर तहसीलदार को कार्रवाई की जिम्मेदारी दी गई है।

बचाव पक्ष ने उठाई आपत्ति

बचाव पक्ष के वकील ने कुर्की आदेश पर आपत्ति दर्ज की है। उनका कहना है कि उन्होंने 18 अगस्त को इस मामले में आवेदन पेश किया था, जिस पर 20 अगस्त को सुनवाई तय थी। बिना उनकी बात सुने कुर्की आदेश जारी करना न्यायसंगत नहीं है। इस पर कोर्ट गुरुवार को सुनवाई करेगी।

साईं विला समेत चार संपत्तियां कुर्क होंगी

तहसीलदार प्रवीण परमार के अनुसार, वीरेंद्र और इसके अलावा राजधानी के आसपास स्थित उनकी तीन और जमीनें भी कुर्क की जाएंगी।

कोर्ट की सुनवाई के बाद गुरुवार को तय होगा कि तोमर बंधुओं की संपत्ति कुर्क करने की प्रक्रिया कब शुरू होगी।

रायपुर सेंट्रल जेल से कैदी फरार

उम्रकैद की सजा काट रहा था, निर्माण कार्य के दौरान मौका पाकर हुआ फरार, तलाश में जुटी पुलिस

रायपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। रायपुर सेंट्रल जेल कैंपस से एक कैदी फरार हो गया। जानकारी के मुताबिक, दोपहर करीब 12 बजे पांच कैदियों को जेल परिसर में बने महिला जेल के पास अंडर कंस्ट्रक्शन हिस्से में वेल्डिंग के काम के लिए ले जाया गया था। इस दौरान, एक कैदी मौका पाकर वहां से भाग निकला। बताया जा रहा है कि यह कैदी लंबे समय से जेल में बंद था और वो उम्रकैद की सजा काट रहा था।

फरारी की जानकारी मिलते ही जेल प्रशासन ने तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। आसपास के इलाकों में जांच की जा रही है और कैदी को पकड़ने के लिए टीमें तैनात की गई है।

फरार कैदी 2021 से जेल में बंद था। कैदी को 15 साल की सजा सुनाई गई थी। जेल प्रशासन ने कहा कि जिम्मेदार स्टाफ पर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस और जेल की टीम दोनों ही कैदी की तलाश में लगी हुई है।

पुलिस को मिलीं 15 नई बोलेरो

बलरामपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। बलरामपुर पुलिस को पुलिस मुख्यालय रायपुर से 15 नई बोलेरो गाड़ियां मिली हैं। एसपी वैभव बैंकर ने 21 अगस्त को रक्षित आरक्षी केंद्र में इन गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पुलिस मुख्यालय ने 14 अगस्त को जारी आदेश के तहत ये वाहन जिले को आवंटित किए थे। एसपी वैभव बैंकर ने इन गाड़ियों को 14 थाना और चौकियों को सौंपा। उन्होंने थाना प्रभारियों और वाहन चालकों को कानून व्यवस्था बनाए रखने और विभागीय कार्यों के लिए गाड़ियों के उपयोग के बारे में निर्देश दिए। सहायक उप निरीक्षक अभिमन्यु सिंह समेत सभी संबंधित थाना और चौकी प्रभारी भी इस मौके पर उपस्थित थे।

मोबाइल टॉर्च की रोशनी में डिलीवरी

बिलासपुर के सीएचसी में बिजली गुल, ऑपरेशन-थिएटर में छाया अंधेरा, टांके लगाने के लिए नर्स को मांगना पड़ा फोन

बिलासपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में गर्भवती महिला की मोबाइल टॉर्च की रोशनी में डिलीवरी कराई गई। प्रसव के दौरान अचानक बिजली गुल हो गई थी। इसके बाद नर्स ने डिलीवरी वार्ड से बाहर खड़े शख्स से मोबाइल मांगकर टॉर्च की रोशनी में टांके लगाए।

इस दौरान तखतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद लोगों ने वीडियो बना लिया। वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में दिख रहा है कि अस्पताल के वार्ड में मोमबत्तियां भी जलाई गई हैं, ताकि वार्ड में अंधेरा न रहे।

दरअसल, बेलसरी निवासी ज्योति नाम की महिला को रविवार रात घर पर प्रसव पीड़ा होने पर स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां दर्द तेज होने पर उसे भर्ती कर लिया गया। प्रसव के लिए उसे ओटी में ले जाया गया, तभी अचानक स्वास्थ्य केंद्र की लाइट चली गई।

इस दौरान ऑपरेशन थिएटर में अंधेरा छा गया। अंधेरे की वजह से नर्स परेशान हो गईं। प्रसव कराते समय टांके लगाने की स्थिति आई, तो नर्स ने बाहर खड़े व्यक्ति से मोबाइल मंगवाया। टॉर्च की रोशनी में टांके लगाए। समय रहते सुझबूझ दिखाने से महिला और नवजात दोनों सुरक्षित हैं।

तखतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद मरीज बिजली न रहने से परेशान होते रहे। वार्डों में भर्ती मरीज उमस भरी गर्मी के बीच मरीजों को गमछे से हवा करते दिखे। इससे मरीजों की हालत और बिगड़ने का खतरा बना रहा।

बीएमओ उमेश कुमार साहू ने बताया कि, स्वास्थ्य केंद्र में थ्री फेज कनेक्शन है। जिस समय बिजली गई थी, एक फेज चालू था। अगर इलेक्ट्रीशियन मौके पर होता तो फेस बदलकर बिजली बहाल की जा सकती थी। हालांकि करीब आधे घंटे में बिजली बहाल कर दी गई।

उन्होंने कहा कि, यह कहना गलत है कि सुबह से ही बिजली बंद थी। दिनभर लाइट बंद होने के कारण इन्वर्टर साथ नहीं दे पाया। प्रसूता की स्थिति गंभीर होने और इमरजेंसी होने के कारण मोबाइल की टॉर्च की रोशनी से प्रसव कराया गया।

महिला के प्राइवेट-पार्ट पर कोलगेट से हमला

पेस्ट डाला, गला घोंटा, मरा समझकर भागा पड़ोसी

दंतेवाड़ा, 21 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में पड़ोसी पति-पत्नी ने सोते समय गमछे से गला दबाकर एक महिला को मारने करने की कोशिश की। जब महिला की जान नहीं गई, तो उसके प्राइवेट पार्ट पर कोलगेट से हमला किया। पेस्ट निकालकर अंदर डाल दिया। उसे मरा समझकर वहां से भाग गए। महिला से युवक एक तरफा प्यार भी करता था।

लेकिन महिला ने अपनी जमीन किसी दूसरे को कमाने के लिए दिया था। इसलिए जमीन हड़पने के लिए आरोपियों ने यह साजिश रची।

पुलिस ने आरोपी लखमा कुंजाम (39) और उसकी पत्नी कुमे कुंजाम (35) निवासी किरन्दुल को गिरफ्तार कर लिया है। मामला किरंदुल थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक, 9 अगस्त 2025 की रात महिला अपने घर पर अकेली सो रही थी। इसी दौरान पड़ोसी लखमा कुंजाम और उसकी पत्नी ने महिला की गमछे से गला दबाकर मारने की कोशिश की। महिला के प्राइवेट पार्ट पर हमला भी किया।

फिर उसे मरा समझकर घर पर ही छोड़कर भाग गए। लेकिन सुबह तक महिला अर्धनग्न हालत में पड़ी रही, उसकी सांसें भी चल रही थी। यह देख आरोपियों ने गांव में हल्ला किया। खुद ही पुलिस को सूचना देकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने हमले में घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया।

जांच में बदले बयान तो खुला राज

जांच के दौरान पुलिस ने परिजनों और आस-पड़ोस के लोगों से पूछताछ की। इसी दौरान लखमा कुंजाम और उसकी पत्नी कुमे कुंजाम बार-बार अपना बयान बदल रहे थे। इससे पुलिस को शक हुआ। जब उनसे सख्ती से पूछताछ की गई तो सच सामने आ गया।

महिला की पति की पहले ही मौत हो चुकी है। जिसके बाद बंटवारे में उसके हिस्से की जमीन उसे मिली थी। उसे हड़पने के लिए आरोपी लखमा कुंजाम महिला से एक तरफा प्यार करने लगा। लेकिन वो उसे अपने पास नहीं आने देती थी।

पीड़िता अपनी हिस्से की जमीन लखमा के बजाए किसी और को कमाने के लिए देती थी। इसलिए वो नाराज था। उसने पत्नी के साथ मिलकर वारदात की साजिश रची। रात में घर पर सोते समय हमला कर दिया।

अमेरिका के मशहूर जज फ्रैंक कैप्रियो का निधन

माता-पिता का केस सुनने के लिए बच्चों को बुलाते थे, दयालु जज के नाम से फेमस हुए

वॉशिंगटन, 21 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के मशहूर जज फ्रैंक कैप्रियो का बुधवार को निधन हो गया। वे 88 साल के थे। कैप्रियो लंबे समय से पैंक्रियाटिक कैंसर से लड़ रहे थे। उनके परिवार ने इंस्टाग्राम पर उनकी मौत की जानकारी दी।

कैप्रियो अपने कोर्ट शो 'कॉट इन प्रोविडेंस' से दुनियाभर में मशहूर हुए। यह शो 2018 से 2020 तक चला और कई डेटाइम एमी अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेट हुआ।

उनकी दया और इंसानियत भरे फैसलों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहे हैं। उन्होंने कई बार गरीब परिवारों के चालान माफ किए और लोगों को हौसला बढ़ाया।

जज फ्रैंक कैप्रियो के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। उनके इंस्टाग्राम पर उनके 34 लाख फॉलोअर्स हैं। उनके वीडियो को ऑनलाइन अरबों बार देखा गया।

कैप्रियो ने रविवार को ही इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया था। उन्होंने कहा था कि उनकी तबीयत बिगड़ गई है और वे फिर से अस्पताल में हैं। उन्होंने लोगों से प्रार्थना करने की अपील की थी। कैप्रियो को लोग दुनिया का सबसे दयालु जज कहते थे। उनका मानना था कि न्याय में दया और इंसानियत जरूर होनी चाहिए।

रोड आइलैंड में एक दिन के लिए झंडा आधा झुकाया

कैप्रियो का जन्म अमेरिका के रोड आइलैंड में हुआ था। रोड आइलैंड के गवर्नर डैन मैकी ने उन्हें राज्य का असली खजाना बताया। राज्य में उनके सम्मान में झंडे आधे झुका दिए गए हैं।

उन्होंने लंबे समय तक म्युनिसिपल जज के तौर पर काम किया। 2023 में उन्होंने खुद बताया था कि उन्हें कैंसर है। इलाज के दौरान वे लगातार लोगों से जुड़े रहे और अपडेट देते रहे।

कैप्रियो पारिवारिक जीवन में भी बेहद समर्पित थे। परिवार ने कहा कि वे एक अच्छे पति, पिता, दादा और परदादा के रूप में याद किए जाएंगे। कैप्रियो की दयालुता और इंसानियत की मिसाल हमेशा याद रखी जाएगी।

पुतिन ने अलास्का में 2.2 करोड़ रुपए नकद देकर जेट में फ्यूल भरवाया

अमेरिकी पाबंदियां वजह बनीं

मास्को, 21 अगस्त (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को अमेरिका यात्रा से लौटते वक्त अलास्का में अपने विमानों में ईंधन भरवाने के लिए करीब 2.2 करोड़ रुपए नकद देने पड़े। यह जानकारी अमेरिकी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो ने दी।

पुतिन 15 अगस्त को अलास्का पहुंचे थे। यहां उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात हुई। रेड कारपेट वेलकम मिला, लेकिन अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से उनकी टीम को कैश में पेमेंट करना पड़ा।

रुबियो ने बताया कि रूसी विमान जब अलास्का में उतरे तो उन्हें ईंधन चाहिए था। लेकिन अमेरिकी बैंकिंग सिस्टम इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं है, इसलिए कैश देना पड़ा।

रुबियो ने साफ किया कि रूस पर लगे सारे प्रतिबंध अब भी लागू हैं और उनके असर से रूस रोजाना जूझ रहा है।

हालांकि, इसका असर यूक्रेन युद्ध रोकने पर नहीं पड़ा। पुतिन की टीम करीब 5 घंटे अलास्का में रही। ट्रम्प और पुतिन की मुलाकात लगभग 3 घंटे चली।

निक्की हेली बोलीं- भारत से रिश्ते बिगाड़ना बड़ी गलती

पूर्व अमेरिकी राजदूत ने ट्रम्प को चेताया- भरोसा टूटा तो 25 साल की मेहनत खराब होगी

वॉशिंगटन, 21 अगस्त (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने भारत से संबंधों को लेकर ट्रम्प प्रशासन को चेतावनी दी है। अपने आर्टिकल में निक्की कहा कि अगर भारत के साथ 25 साल में बना भरोसा टूटता है, तो यह एक रणनीतिक गलती होगी। निक्की ने यह आर्टिकल ट्रम्प के भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ और उसके दोनों देशों के संबंध पर असर के बारे में लिखा है। उन्होंने ट्रम्प प्रशासन को सलाह दी है कि वह भारत को एक और लोकतांत्रिक साझेदार माने।

निक्की बोलीं- भारत पर टैरिफ लगाया, चीन पर नहीं

निक्की ने अपने आर्टिकल में आगे लिखा कि चीन पर रूस से तेल खरीदने के बावजूद कोई प्रतिबंध नहीं है, जबकि भारत पर अमेरिकी टैरिफ लगाए जा रहे हैं। हेली के मुताबिक यह दिखाता है कि अमेरिका- भारत रिश्तों पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। हेली ने कहा कि भारत ही वह देश है जो एशिया में चीन की बढ़ती ताकत को बैलेंस कर सकता है।

पूर्व राजदूत ने यह भी कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही जापान को पीछे छोड़ देगा। भारत का यह उभार चीन की महत्वाकांक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक विवाद को अगर लंबे समय के लिए बढ़ाया गया, तो चीन इसका फायदा उठा लेगा। उन्होंने सुझाव दिया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प सीधे पीएम मोदी से बात करें और रिश्तों को फिर से पटरी पर लाएं।

9 अगस्त को एक इंटरव्यू में उन्होंने भारत पर कुल 50% टैरिफ लगाने के फैसले को भारी भूल बताया। बोल्टन ने आशंका जाहिर की है कि रूस को कमजोर करने के लिए भारत पर लगाया गया एक्स्ट्रा टैरिफ कहीं उल्टा न पड़ जाए।

उन्होंने कहा कि अमेरिका, भारत को रूस और चीन से दूर रखने के लिए कई साल से कोशिश कर रहा था लेकिन अब वह कोशिश कमजोर पड़ चुकी है। पूर्व एनएसए ने कहा कि भारत पर टैरिफ लगाने का मकसद रूस को नुकसान पहुंचाना है, लेकिन नतीजा यह हो सकता है कि भारत, रूस और चीन एकजुट होकर इन टैरिफ का विरोध करें।

पूर्व पाकिस्तानी पीएम इमरान खान को 9 मई हिंसा से जुड़े 8 मामलों में जमानत मिली

इस्लामाबाद, 21 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई संस्थापक इमरान खान को सुप्रीम कोर्ट ने मई 9 दंगों से जुड़े 8 मामलों में जमानत दे दी है। चीफ जस्टिस याह्या अफरीदी की अगुआई वाली तीन जजों की बेंच ने यह फैसला सुनाया। इससे पहले लाहौर हाईकोर्ट ने जून में इमरान की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। इमरान ने दलील दी थी कि दंगों के वक्त वे एनएबी की हिरासत में थे, इसलिए घटनाओं में शामिल होना मुमकिन नहीं था। उन्होंने एफआईआर में लगे आरोपों को बेबुनियाद बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ गवाहों के बयान, व्हाट्सएप चैट और वॉइस-मैचिंग टेस्ट का हवाला दिया था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सबूतों की जांच ट्रायल कोर्ट में ही होगी।

रूस-यूक्रेन युद्ध से हाथ खींच रहा यूएस

वेंस बोले- कीव की सुरक्षा की जिम्मेदारी यूरोप को लेनी चाहिए

वॉशिंगटन, 21 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका धीरे-धीरे यूक्रेन की मदद से अपने हाथ पीछे खींच रहा है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के ताजा बयान के बाद ऐसी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। दरअसल वेंस ने कहा है कि यूक्रेन की सुरक्षा की जिम्मेदारी अब यूरोप को लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भौगोलिक स्थिति को देखते हुए यूक्रेन की मदद की पहली जिम्मेदारी यूरोपीय देशों की है। वेंस ने कहा कि अमेरिका मदद के लिए तैयार है, लेकिन ज्यादा जिम्मेदारी यूरोपीय देशों की है।

एक बातचीत में जेडी वेंस ने कहा कि 'राष्ट्रपति ट्रंप रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष में अमेरिका की भागीदारी को न्यूनतम करना चाहते हैं।' वेंस ने कहा 'मुझे नहीं लगता कि अब हमें इस बोझ को और आगे जारी रखना चाहिए। अगर युद्ध को समाप्त कराने के लिए जरूरी हुआ तो हम मदद के लिए तैयार हैं। हम उम्मीद है और राष्ट्रपति भी यही चाहते हैं कि यूरोप अब नेतृत्वकारी भूमिका निभाए। राष्ट्रपति ने साफ कहा है कि अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन तब तक हम कोई वचन नहीं दे सकते, जब तक हम युद्ध को रुकवाने का रास्ता नहीं ढूंढ लेते।'

वेंस का बयान ऐसे समय आया है, जब ट्रंप ने यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देने के बदले अमेरिकी सैनिकों को यूक्रेन भेजने की संभावनाओं से इनकार कर दिया था। हालांकि अमेरिका ने यूरोपीय सहयोगियों के साथ मिलकर यूक्रेन की सुरक्षा के लिए अन्य कदम उठाने की बात कही। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ने वायु सैन्य मदद से इनकार नहीं किया। ट्रंप ने कहा है कि हम नाटो को हथियार भेज रहे हैं और उसके बदले में नाटो हमें हथियारों का पूरा भुगतान कर रहा है। हथियारों को यूक्रेन की मदद के लिए भेज रहा है।

मलेशिया में नमाज पढ़ना भूले तो 2 साल की जेल

60 हजार जुर्माना भी लगेगा, तेरेंगानू राज्य के शरिया कानून में हुआ बदलाव

कुआलालंपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। मलेशिया के तेरेंगानू राज्य में जुमे की नमाज पढ़ना भूलने पर अब जेल हो सकती है। तेरेंगानू में नमाज छोड़ने या भूलने पर 2 साल की जेल या 3000 रिंगिट (62 हजार रुपए) का जुर्माना या दोनों लगाया जा सकता है। तेरेंगानू की राज्य सरकार ने सोमवार को इसका ऐलान किया। यह प्रावधान अगले सप्ताह से लागू हो जाएगा। सरकार ने कहा कि इस कानून को लागू कराने की जिम्मेदारी जनता और धार्मिक लोगों की होगी। लोगों को साइनबोर्ड के जरिए नए नियम की याद दिलाई जाएगी।

तेरेंगानू में पैन-मलेशियाई इस्लामिक पार्टी (पीएएस) की सरकार है, इस पार्टी को मलेशिया में रूढ़िवादी विचारों का समर्थक माना जाता है।

तेरेंगानू एक मुस्लिम बहुल राज्य है, जहां 12 लाख की आबादी में 97% से ज्यादा लोग मुस्लिम हैं। यहां पर पहले भी नमाज न पढ़ने को लेकर कड़े कानून थे।

पहले के नियमों में केवल उन लोगों को सजा दी जाती थी, जो लगातार तीन शुक्रवार की नमाज में शामिल नहीं होते थे। उस सजा में अधिकतम 6 महीने की जेल या 1,000 रिंगिट (लगभग 20,606 रुपए) का जुर्माना शामिल था।

नए कानून ने सजा को और कड़ा कर दिया है। तेरेंगानु राज्य विधानसभा के सदस्य मुहम्मद खलील हादी ने कहा कि, 'यह सजा हमारे धर्म को बचाने के अंतिम उपाय के रूप में लागू की जाएगी।' उन्होंने कहा, 'शुक्रवार की नमाज मुसलमानों के बीच एक धार्मिक प्रतीक है।'

देशभर में शरिया कानून लागू करना चाहती है पार्टी

पैन-मलेशियाई इस्लामिक पार्टी (पीएएस) मलेशिया की मुस्लिम राजनीतिक पार्टी है, जिसका गठन 24 नवंबर 1951 को हुआ था।

यह पार्टी इस्लामिक कानून (शरिया) को लागू करने और मलेशिया को इस्लामिक राज्य बनाने के प्रयासों लिए जानी जाती है। पीएएस खासकर मलय मुस्लिम समुदाय के हितों पर जोर देती और ग्रामीण और रूढ़िवादी इलाकों से इसे मजबूत समर्थन मिलता है। पीएएस की मलेशिया के 13 में से 4 राज्यों में सरकार है। पीएएस शरिया और हुदूद (इस्लामिक आपराधिक दंड) को देशभर में लागू करने की वकालत करता है, खासकर केलंतान और तेरेंगानु इलाके में।

तेरेंगानु एकमात्र ऐसा मलेशियाई राज्य है जिसकी विधान सभा में कोई विपक्ष नहीं है, यहां 2022 में सभी 32 सीटों पर पीएएस को जीता था। मलेशिया में शरिया कानून सबसे पहले 2001 में तेरेंगानू राज्य विधानसभा ने पारित किया था। बाद में इसे 2016 में संशोधित किया गया, जिसमें कई अपराधों के लिए सख्त सजाए जोड़ी गईं।

इजराइल ने गाजा-सिटी पर कब्जे की प्लानिंग को मंजूरी दी

60 हजार रिजर्व फोर्स को ड्यूटी पर बुलाया, कुल 1.30 लाख सैनिक तैनात करेगा

तेल अवीव, 21 अगस्त (एजेंसियां)। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने गाजा सिटी पर कब्जा करने की योजना को मंजूरी दी है।

इसके लिए उन्होंने करीब 60 हजार एक्स्ट्रा सैनिकों (रिजर्व फोर्स) को ड्यूटी पर बुलाने का आदेश दिया है। इजराइल के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को इसकी पुष्टि की।

इजराइल ने गाजा सिटी पर कब्जे के लिए 1.30 लाख सैनिकों को मोर्चे पर तैनात करने का फैसला किया है। सैनिकों को ड्यूटी जॉइन करने से कम से कम 2 हफ्ते पहले नोटिस दिया जाएगा।

पहली खेप में 2 सितंबर को करीब 40-50 हजार सैनिक बुलाए जाएंगे। दूसरी खेप नवंबर-दिसंबर में और तीसरी फरवरी-मार्च 2026 में बुलाई जाएगी।

गाजा सिटी पर कब्जे के अभियान को गिदोन'स चेरिएट्स-बी नाम दिया गया है। इस दौरान पहले से ड्यूटी कर रहे हजारों रिजर्व सैनिकों की सेवा 30-40 दिन और बढ़ा दी जाएगी।

इस कार्रवाई में 5 आर्मी डिवीजन शामिल रहेंगे। इसमें 12 ब्रिगेड-लेवल टीमें होंगी, जिनमें पैदल सेना, टैंक, तोपखाना, इंजीनियरिंग और सपोर्ट यूनिट शामिल होंगी। इसके अलावा गाजा डिवीजन की नॉर्थ और साउथ ब्रिगेड भी हिस्सा लेंगी।

हमास पर दबाव बढ़ाने के लिए इजराइल ने फैसला लिया

इजराइल यह कदम हमास पर दबाव बढ़ाने के लिए उठाया गया है, क्योंकि गाजा में लगभग दो साल से चल रहे युद्ध को रोकने के लिए एक नई शांति योजना पर काम हो रहा है।

इस नई योजना में 60 दिन तक युद्ध रोकने, बंधकों को चरणबद्ध तरीके से छोड़ने, कुछ फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करने और गाजा में खाने-पीने की चीजें पहुंचाने पर बात हो रही है।

कतर ने कहा कि यह योजना पहले की एक योजना जैसी है, जिसे इजराइल ने मंजूर किया था। मिस्र ने कहा कि अब इजराइल को फैसला करना है।

इजराइली सेना बोली- गाजा सिटी पर कब्जे की तैयारी शुरू

इजराइली सेना ने बताया है कि गाजा सिटी पर कब्जे की तैयारी शुरू हो चुकी है। अभी गाजा सिटी के बाहरी इलाकों में ऑपरेशन चल रहा है।

जैतून इलाके में नहल और 7वीं आर्मर्ड ब्रिगेड ऑपरेशन चला रही है। वहीं एक दूसरे इलाके, जबालिया में गिवाती ब्रिगेड कफ्र ऑपरेशन को अंजाम दे रही है।

यूक्रेन पर रूस ने किया साल का सबसे बड़ा हमला

574 ड्रोंस और 40 मिसाइलों के साथ बरपाया कहर

कीव, 21 अगस्त (एजेंसियां)। यूक्रेन से संघर्ष विराम को लेकर जारी पश्चिमी देशों की कवायद के बीच रूस ने यूक्रेन पर इस साल का सबसे बड़ा मिसाइल और ड्रोन हमला किया है। यूक्रेनी वायु सेना ने इस हमले के बारे में बताते हुए कहा कि रूसी सेना ने देश के पश्चिमी इलाकों को निशाना बनाकर ज्यादातर हमले किए।

यूक्रेनी वायुसेना ने कहा कि रूस ने उन पर 574 ड्रोन्स और 40 मिसाइलों से ताबड़तोड़ हमले किए। इन हमलों में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। वहीं, यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रेई सिबिहा ने भी इन हमलों को लेकर बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि रूस ने पश्चिमी यूक्रेन में एक प्रमुख अमेरिकी इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता संस्था पर हमला किया है।

अमेरिका समेत पश्चिमी देश संघर्षविराम की कवायद में जुटे

रूस का ये हमला तब हुआ है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत पश्चिमी देश रूस-यूक्रेन संघर्ष को रुकवाने की कोशिश में जुटे हैं। बीते हफ्ते अलास्का में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के बाद सोमवार को ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं के साथ बैठक की थी। ट्रंप ने इस बैठक के दौरान साफ किया कि वे किसी तरह के संघर्ष विराम को लागू करने की जगह सीधा शांति समझौते की तरफ जाना चाहते हैं। हालांकि, इस दौरान उनकी और यूरोपीय नेताओं में इस बात पर सहमति रही कि यूक्रेन को शांति समझौते के एवज में भविष्य के खतरों से निपटने के लिए कुछ सुरक्षा गारंटी दी जा सकती हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बाद में कहा कि अगले 10 दिन में यूक्रेन की सुरक्षा गारंटियों को लेकर मंथन किया जाएगा और रूस के साथ वार्ता पर आगे चर्चा होगी। इस चर्चा में यूरोपीय देश के नेताओं के साथ-साथ अमेरिकी प्रशासन भी रहेगा। यूक्रेन की सुरक्षा सुनिश्चित करने का जिम्मा ट्रंप प्रशासन की तरफ से अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो को सौंपा गया है।

रूसी हमले बढ़े, खतरे में हैं नागरिक

रूस अब लगातार शाहिद ड्रोन, क्रूज मिसाइलों और ग्लाइड बमों का उपयोग कर यूक्रेनी शहरों पर हमला कर रहा है। इससे यूक्रेन की एयर डिफेंस व्यवस्था पर भारी दबाव है। हाल ही में राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा था कि यूक्रेन में अब कहीं भी शांति नहीं है। पिछले कुछ वक्त से राजधानी कीव और अन्य क्षेत्रों पर ड्रोन हमले तेज हुए हैं।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति नार्को टेरेरिस्ट

ट्रंप प्रशासन का फूटा गुस्सा, परमाणु पनडुब्बी को युद्धपोत के साथ किया रवाना, होगी बड़ी उठापटक?

वॉशिंगटन, 21 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका अपने युद्धपोत और पनडुब्बियों का बेड़ा वेनेजुएला के तटीय जलक्षेत्र में तैनात कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से वेनेजुएला के प्रेसिडेंट निकोलस मादुरो के खिलाफ अभियान के तहत यह किया जा रहा है। यह कदम अमेरिका में नशीले पदार्थों के बढ़ने के चलते वेनेजुएला के प्रति बढ़ती नाराजगी के बीच उठाया गया है। अमेरिका निकोलस मादुरो को 'नार्को टेरेरिस्ट' कहता है। मादुरो साल 2020 में मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपों में दर्ज अमेरिकी अभियोग में भगोड़े हैं। इससे वेनेजुएला में आने वाले समय में उठापटक की आशका बढ़ गई है। ट्रंप ने पिछले हफ्ते कम से कम तीन आर्ले बर्क श्रेणी के निर्देशित मिसाइल विध्वंसक जहाज, एक पनडुब्बी और दूसरे सैन्य उपकरणों को वेनेजुएला की ओर बढ़ने का आदेश दिया है।

इन विध्वंसकों के अलावा, तीन जहाजों से बने एक एम्फीबियस रेडी ग्रुप में सवार 4,000 मरीन भी क्षेत्र में तैनात किए जा रहे हैं। इससे वेनेजुएला के तट पर अमेरिकी जहाजों का एक बड़ा और शक्तिशाली बेड़ा तैनात हो जाएगा।

ट्रंप की मादुरो के साथ तनातनी अपने पहले कार्यकाल से है। ट्रंप के दूसरी बार प्रेसिडेंट बनने के बाद ये तनाव फिर बढ़ा है।

जिहाद से जिरगा तक, क्या टूट जाएगा पाकिस्तान?

टीटीपी की नई रणनीति से चर्चा में पश्तून राष्ट्र, डर के साये में शरीफ-मुनीर

इस्लामाबाद, 21 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान की आर्मी और सरकार के लिए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) बड़ी चुनौती बना हुआ है। इस साल के पहले छह महीने में टीटीपी ने एक हजार से ज्यादा हमलों की जिम्मेदारी ली है। इनमें से 300 से ज्यादा हमले सिर्फ जुलाई महीने में हुए। पाकिस्तान ने टीटीपी को आतंकी गुट के तौर पर पेश करते हुए घेरने की कोशिश की है लेकिन इसका तोड़ निकालते हुए उसने अपनी कार्यशैली में बदलाव किया। इससे टीटीपी के अलग पश्तून राष्ट्र की मांग को समर्थन बढ़ा है और पाकिस्तान के टूटने की संभावना ज्यादा हो गई है।

द डिप्लोमैट के मुताबिक, टीटीपी लंबे समय तक शरिया लागू करने के लिए लड़ने वाले धार्मिक उग्रवादी संगठन के रूप में देखा जाता रहा है। इसे बदलते हुए टीटीपी ने खुद को अब पाकिस्तान स्टेट के खिलाफ राजनीतिक लड़ाई की तौर पर पेश किया है। टीटीपी खुद को पश्तून राष्ट्र का संरक्षक बताने के लिए प्रचार अभियान चला रहा है। इसमें आदिवासी सम्मान, नागरिक पीड़ा और जातीय पहचान पर जोर दिया जा रहा है। इसे जिहाद से जिरगा का शिफ्ट कहा जा रहा है।

धार्मिक कट्टरता से संरक्षक तक

टीटीपी 2007 में पाकिस्तान के कबायली इलाकों में उग्रवादी गुटों के गठबंधन से उभरा। इसने कट्टर इस्लामी विचारधारा को अल कायदा और अफगान तालिबान के गठबंधन के साथ जोड़ दिया। यह तेजी से पाकिस्तान के सबसे घातक विद्रोही समूहों में से एक बन गया। अपने अभियान को रक्षात्मक जिहाद के रूप में ढालते हुए टीटीपी ने इस्लामी लक्ष्यों को समाहित कर लिया और सुरक्षा बलों, नागरिकों और अल्पसंख्यकों पर हमले किए।

पाकिस्तानी सेना के 2014 के सैन्य अभियानों, अमेरिकी ड्रोन हमलों और आंतरिक विभाजन ने समूह को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया। इससे 2018 तक इसके हमले बेहद कम हो गए। 2019 की शुरुआत में टीटीपी का पुनरुत्थान हुआ और 2021 के बाद इसमें तेजी आई।

साथ ही समूह की वैचारिक रणनीति भी बदल गई है। टीटीपी ने अपने संदेशों में जातीय पहचान और स्थानीय शिकायतों को शामिल किया है।

पाकिस्तान में भारी बारिश से तबाही

सिंधु नदी में आई बाढ़ ने हजारों को किया बेघर, किसान भी हुए बेहाल

इस्लामाबाद, 21 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब में भारी बारिश से सिंधु नदी में आई बाढ़ ने तबाही मचा दी है। हजारों लोग बेघर हो गए और कपास, तिल व मूंग जैसी फसलें बर्बाद हो गईं। कई गांवों में घर ढह गए और लोग पशुओं को बचाने में संघर्ष कर रहे हैं। पीडीएमए ने रेड अलर्ट जारी किया है। यह आपदा जलवायु संकट को लेकर पाकिस्तान की स्थिति को एक बार फिर उजागर करती है।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भारी बारिश ने भयंकर बाढ़ का रूप ले लिया है। सिंधु नदी में पानी का स्तर बढ़ने से हजारों गांववाले अपने घर छोड़ने को मजबूर हो गए। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, लेय्या-तौंसा ब्रिज को बचाने के लिए बनाए गए सभी सुरक्षात्मक बांध और तटबंध बह गए। इससे निचले इलाकों में बसे ग्रामीणों के घर और खेत पूरी तरह तबाह हो गए हैं। भारी बाढ़ ने कच्चे घरों को मलबे में बदल दिया। कई गांवों में लोग बेघर हो गए और उनके पास अब न तो छत है और न ही रोज़गार का कोई साधन। हजारों एकड़ में फैली फसलें पानी में डूबकर नष्ट हो गईं। जिन फसलों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है उनमें कपास, तिल और मूंग शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने सरकार की नाकामी पर नाराजगी जताई और कहा कि समय रहते रोकथाम के उपाय नहीं किए गए। पिछले 24 घंटे में सरगोधा में 54 मिमी और फैसलाबाद में 31 मिमी बारिश दर्ज की गई। लाहौर, गुजरांवाला और रावलपिंडी जैसे शहरों में भी भारी बारिश हुई।

मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने शिवराज सिंह चौहान से की मुलाकात

बोले- 'किसानों के नुकसान की भरपाई कंपनियों से हो'

जयपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने दिल्ली में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अमानक खाद, बीज व दवाई के दुष्प्रभाव से किसानों को हुए नुकसान की भरपाई इन्हें बनाने वाली कंपनियों से करने का कानूनी प्रावधान करने की मांग की है।

मंत्री किरोड़ी लाल ने कहा कि घटिया उत्पाद बनाने पर लाइसेंस निरस्त करने का नियम तो है, लेकिन यह प्रावधान नहीं है कि इनके उपयोग से किसानों को हुए नुकसान की भरपाई भी कंपनियों से ही हो। अमानक उत्पादकों से किसानों का उत्पादन तो कम होता ही है, जमीन की उर्वरता भी प्रभावित होती है। जब तक

किसानों के इस दोहरे नुकसान की भरपाई कंपनियां नहीं करेगी तब तक इस ठगी पर पूरी तरह से लगाम नहीं लगेगी।

किसानों को मिले नुकसान का मुआवजा

उन्होंने बताया कि पिछले दिनों केंद्रीय कृषि मंत्री को पत्र लिखकर अमानक खाद, बीज व पेस्टीसाइड बनाने वाली कंपनियों के खिलाफ कड़ा कानून बनाने की मांग की थी, जिस पर वे मुहर लगा चुके हैं। किरोड़ी ने इस प्रस्तावित कानून में किसानों को होने वाले नुकसान का मुआवजा घटिया उत्पाद बनाने वाली कंपनियों से वसूलने का प्रावधान जोड़ने की मांग की है। इस तरह की मांग उठाने वाले किरोड़ी किसी भी प्रदेश के पहले कृषि मंत्री हैं।

डॉ. किरोड़ी लाल ने बताया कि हाल ही में केंद्रीय कृषि मंत्री के संज्ञान में आया था कि सोयाबीन में नकली दवाई डालने से किसानों की फसल नष्ट हो गई। इसे बनाने वाली कंपनी का लाइसेंस तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया। राजस्थान में भी केंद्रीय कृषि मंत्रालय की अनुशंसा पर इस कंपनी का लाइसेंस रद्द किया गया है।

29 मई से अमानक उत्पाद के खिलाफ अभियान

गौरतलब है कि राजस्थान में अमानक उत्पाद बनाकर किसानों को ठगने वाली कंपनियों के खिलाफ 29 मई से अभियान चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में किसानों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी।

नई अफीम नीति पर बोले चित्तौड़ सांसद

अफीम किसान हमारी अर्थव्यवस्था और परंपरा का अहम हिस्सा

चित्तौड़गढ़, 21 अगस्त (एजेंसियां)। वर्ष 2025-26 की नई अफीम नीति को लेकर वित्त मंत्रालय, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी भी शामिल हुए और उन्होंने अफीम किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। सांसद ने कहा कि अफीम किसान न केवल क्षेत्रीय बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और परंपरा का अहम हिस्सा हैं। इस दौरान उन्होंने किसानों के पक्ष में एक ज्ञापन भी सौंपा और पॉलिसी को अधिक किसान हितैषी और पारदर्शी बनाने की मांग की।

बैठक के दौरान सांसद सीपी जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार लगातार किसानों की आय बढ़ाने और उनकी समस्याओं का समाधान करने के

लिए काम कर रही है। उन्होंने जोर दिया कि अफीम किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता से हल किया जाना चाहिए। सांसद ने सुझाव दिया कि नई अफीम नीति सितंबर के प्रथम सप्ताह में घोषित की जाए, ताकि किसानों को खेत तैयार करने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। इसके साथ ही सभी पात्र किसानों के नाम और उनके लाइसेंस ऑनलाइन प्रदर्शित किए जाएं तथा लाइसेंस सीधे किसानों को ऑनलाइन उपलब्ध कराए जाएं।

सीपी जोशी ने कहा कि अफीम खेती से जुड़े सभी कार्यों में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अनियमितता न हो इसके लिए सख्त मॉनिटरिंग जरूरी है। उन्होंने मांग की कि गड़बड़ी करने वाले अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। इसके अलावा सांसद ने विभिन्न कारणों से होल्ड किए गए लाइसेंस को 0 प्रतिशत पर बहाल करने की भी बात कही। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/29 में संशोधन किया जाए, ताकि इसका दुरुपयोग रोका जा सके। उन्होंने कहा कि जिन किसानों के साथ पहले अन्याय हुआ है या जो किसी कारण से लाइसेंस से वंचित रह गए थे, उन्हें भी इस बार की प्रक्रिया में जोड़ा जाए।

सांसद जोशी ने मृतक नामांतरण प्रक्रिया को सरल बनाने और अफीम लाइसेंस वितरण एवं तौल प्रक्रिया की तारीखें कम से कम 15 दिन पहले ऑनलाइन जारी करने की मांग की। इससे किसान समय रहते जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और अनियमितताओं पर रोक लगेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सभी किसानों को समान रूप से 10 आरी के लाइसेंस जारी किए जाएं। वर्तमान में किसानों को लाइसेंस मार्फीन के आधार पर दिए जा रहे हैं, ऐसे में कच्चे तौल की अनिवार्यता निरर्थक हो गई है।

पंचायत उपचुनाव : डूंगरपुर में ईवीएम खराब, जयपुर ग्रामीण में आचार संहिता की उड़ी धज्जियां

जयपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में पंचायतीराज संस्थाओं की खाली सीटों के लिए उपचुनावों की सरगर्मी चरम पर है। गुरुवार को करौली, जयपुर ग्रामीण और डूंगरपुर जिलों में पंचायत समिति और जिला परिषद की सीटों के लिए मतदान हो रहा है। सुबह 7 बजे से शुरू हुए मतदान में मतदाता अपने पसंदीदा प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करने के लिए मतदान केंद्रों पर पहुंच रहे हैं।

कहीं भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर है, कहीं BAP की एंट्री ने मुकाबले को रोमांचक बना दिया है। हालांकि, तेज बारिश और तकनीकी खामियों ने कई जगह मतदान प्रक्रिया को प्रभावित किया है।

डूंगरपुर जिले में जिला परिषद के वार्ड नंबर 9 (पीठ सीट) और सीमलवाड़ा पंचायत समिति के वार्ड 16 में मतदान जारी है। लेकिन, इस आदिवासी बहुल जिले में तेज बारिश ने मतदाताओं की राह में रोड़ा अटकाया है। सुबह से ही झमाझम बारिश के कारण कई मतदान केंद्रों पर सन्नाटा पसरा रहा। कुछ मतदाता वोट डालने पहुंचे, लेकिन बारिश ने उनकी हिम्मत को कमजोर किया।

इसके अलावा बूथ नंबर 109 पर ईवीएम में तकनीकी खराबी ने मतदान को और जटिल बना दिया। इस बूथ पर करीब 40 मिनट तक मतदान पूरी तरह ठप रहा। मतदाताओं को लंबा इंतजार करना पड़ा, लेकिन

अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए मशीन को सुधारा। कुछ ही देर में मतदान फिर से शुरू हो गया, जिससे मतदाताओं ने राहत की सांस ली।

बता दे, डूंगरपुर में भारत आदिवासी पार्टी की मौजूदगी ने भी चुनावी समीकरण को और रोचक बना दिया है, जिससे पारंपरिक दलों को कड़ी चुनौती मिल रही है।

जयपुर ग्रामीण में आचार संहिता का उल्लंघन

जयपुर ग्रामीण के जमवारामगढ़ उपखंड के बोबाड़ी गांव में पंचायत समिति वार्ड 27 के लिए उपचुनाव हो रहा है। यहां 5,055 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। प्रशासन ने मतदान के लिए कड़े इंतजाम किए हैं, लेकिन आचार संहिता का भी उल्लंघन देखने को मिला।

चुनाव नियमों के अनुसार, मतदान केंद्र के 200 मीटर के दायरे में किसी भी तरह की प्रचार सामग्री लगाना प्रतिबंधित है। लेकिन बोबाड़ी में मतदान केंद्र से मात्र 10 मीटर की दूरी पर प्रत्याशियों के पोस्टर और बैनर लगे दिखे। यह गंभीर उल्लंघन प्रशासन की लापरवाही पर सवाल उठाता है। मतदाताओं और स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत की, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

करौली में शांतिपूर्ण मतदान, कांटे की टक्कर

करौली जिले की मंडरायल और मासलपुर पंचायत समितियों में उपचुनाव के लिए मतदान शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा है। मंडरायल के वार्ड नंबर 6 में भाजपा की वीरवती और निर्दलीय भूरो जाटव के बीच सीधा मुकाबला है। वहीं, मासलपुर के वार्ड नंबर 2 में त्रिकोणीय जंग देखने को मिल रही है, जहां भाजपा से रामपति गुर्जर, कांग्रेस से सीमा बाई गुर्जर और निर्दलीय सुनील कुमार गुर्जर मैदान में हैं।

दोनों सीटों पर कुल 8,362 मतदाता वोट डाल रहे हैं, जिनमें मंडरायल के 3,823 और मासलपुर के 4,539 मतदाता शामिल हैं। शुरुआती कुछ घंटों में मतदान की रफ्तार धीमी रही, लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ा, मतदाताओं की संख्या बढ़ने लगी। प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। एसपी गुमनाराम जाट समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मतदान केंद्रों पर निगरानी रख रहे हैं।

डमी अभ्यर्थी बैठाने और फर्जी डिग्री से नौकरी पाने वालों पर एसओजी की बड़ी कार्रवाई

पीटीआई-पटवारी सहित 3 गिरफ्तार

जयपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने तीन अलग-अलग प्रतियोगी परीक्षाओं में डमी अभ्यर्थी बैठाने और फर्जी डिग्री लगाने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। एटीएस-एसओजी के एडीजी वी.के. सिंह ने बताया कि अध्यापक थर्ड ग्रेड भर्ती परीक्षा 2023 में डमी अभ्यर्थी बनकर बैठने वाले राकेश कुमार बिश्नोई को गिरफ्तार किया।

आरोपी राकेश बीकानेर के रणजीपुर बज्जू निवासी है। जयपुर कमिश्नरेट के सांगानेर थाने में वर्ष 2023 में इस संबंध में मामला दर्ज हुआ था। मामले में मूल अभ्यर्थी अरविंद कुमार को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका।

उन्होंने बताया कि पटवारी भर्ती परीक्षा 2021 में डमी अभ्यर्थी बैठाने वाले मूल अभ्यर्थी दौसा के नांगल बेरसी निवासी सागर मीणा को गिरफ्तार किया। आरोपी वर्तमान में अजमेर के नसीराबाद स्थित पटवार मंडल देवला की डांग में पटवारी पद पर कार्यरत है। वर्ष 2024 में इस संबंध में मामला दर्ज हुआ था और सागर मीणा की जगह परीक्षा में बैठे डमी अभ्यर्थी रोशनलाल मीणा को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। फर्जी बीपीएड डिग्री से सरकारी पीटीआई बने बांसवाड़ा के भुंगडा स्थित कलालवाड़ा निवासी सौरव कलाल को गिरफ्तार किया है। आरोपी सौरव ने पीटीआइ भर्ती परीक्षा 2022 में पहले गिरफ्तार हो चुके प्रदीप शर्मा के जरिये जेएस यूनिवर्सिटी से बैकडेट में बीपीएड की फर्जी डिग्री प्राप्त कर नौकरी में लग गया था। तीनों आरोपियों से फर्जीवाड़े में शामिल अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

पूर्व सांसद कर्नल सोनाराम का निधन

सीएम भजनलाल, वसुन्धरा राजे और अशोक गहलोत ने किया याद

जयपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। जैसलमेर के पूर्व सांसद और वरिष्ठ कांग्रेस नेता कर्नल सोनाराम चौधरी का बुधवार देर रात दिल्ली में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कर्नल सोनाराम दिल्ली के अपोलो अस्पताल के पास कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा से मिलने गए थे। इस दौरान सीने में दर्द की शिकायत होने पर वे स्वयं गाड़ी चलाकर अस्पताल पहुंचे। वहां उनका ऑपरेशन हुआ और

उन्होंने सोशल मीडिया पर स्वयं को स्वस्थ बताते हुए एक पोस्ट भी साझा की।

हालांकि, इसके कुछ देर बाद रात करीब 11:15 बजे उनका निधन हो गया। उनके निधन की खबर से राजस्थान की राजनीति में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के मुताबिक कर्नल सोनाराम चौधरी का अंतिम संस्कार शुक्रवार को उनके पैतृक गांव जैसलमेर के मोहनगढ़ में सैन्य सम्मान के साथ किया जाएगा। उनके समर्थकों और स्थानीय लोगों ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताया है। लोगों का कहना है कि उनके जैसे समर्पित और कर्मठ नेता का जाना राजस्थान की राजनीति के लिए बड़ा नुकसान है।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल का पलटवार

कहा- जोधपुर हादसे पर राजनीति कर रहे हैं अशोक गहलोत

जोधपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के लगाए आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कांग्रेस पर पलटवार किया है। पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत संज्ञान लिया और अपने तीन वरिष्ठ नेताओं को मौके पर भेजा, जबकि कांग्रेस केवल धरना देकर हंसी-ठिठोली कर रही थी। उन्होंने गहलोत पर सवाल उठाते हुए कहा कि 15 साल के लंबे कार्यकाल में वह जोधपुर में इतना भव्य कार्यक्रम क्यों नहीं कर पाए।

'तीन बच्चों की मौत पर राजनीति कर रही कांग्रेस'

जोगाराम पटेल ने कहा कि तीन नाबालिग बच्चों की मृत्यु जैसे संवेदनशील मामले पर राजनीति करना ही वास्तविक असंवेदनशीलता है। उन्होंने गहलोत से यह पूछते हुए निशाना साधा कि उन्होंने अब तक कितनी घटनाओं में पीड़ित परिवारों के घर जाकर संवेदना जताई है। पटेल ने

कहा कि गहलोत घटना के पांच दिन बाद परिवार के घर पहुंचे और इसे भी राजनीति का मंच बना लिया, जो बिल्कुल अशोभनीय है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के उस आरोप पर कि प्रदेश सरकार ने चार आरएएस अधिकारियों को आईएएस में प्रमोट करते समय पक्षपात किया, पटेल ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया कांग्रेस सरकार के समय शुरू हुई थी। स्क्रीनिंग कमेटी कांग्रेस कार्यकाल में बनी, 63 अधिकारियों की लिस्ट भी कांग्रेस सरकार में तैयार हुई और उन्हीं की स्क्रीनिंग कमेटी ने 20 नामों का चयन किया। पटेल ने कहा कि चार अधिकारियों को केवल उनकी योग्यता के आधार पर प्रमोट किया गया है, न कि किसी सिफारिश पर। उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस बताए आखिर वह किसकी सिफारिश करवाना चाहती थी जो आज इतना विरोध कर रही है।

जोगाराम पटेल ने डोटासरा के बयानों और उनके अंदाज पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि डोटासरा ने पहले भी खूब गमछा हिलाया लेकिन उससे हुआ क्या। विधानसभा सत्र में भी वह आकर गमछा हिलाएं और देखें कि नतीजा क्या होता है।

95 हजार की रिश्वत लेते पटवारी को एसीबी ने पकड़ा

बीमा क्लेम पास कराने के नाम पर मांगी थी घूस

श्रीगंगानगर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने श्रीगंगानगर जिले के केसरीसिंहपुर इलाके में बड़ी कार्रवाई कर धनूर क्षेत्र के पटवारी पंखीलाल मीणा को 95 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। कार्रवाई के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

किसान से मांगा 40% हिस्सा

एसीबी अधिकारियों के अनुसार, धनूर निवासी किसान नायब सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी फसल खराब होने पर उसे 2,28,067 रुपये का बीमा क्लेम स्वीकृत हुआ था। लेकिन हल्का पटवारी पंखीलाल

मीणा इस क्लेम राशि का 40% यानी 95,000 रुपये रिश्वत के तौर पर मांग रहा था।

शिकायत की पुष्टि होने के बाद एसीबी ने जाल बिछाया और पटवारी को तयशुदा राशि लेते हुए रंगे हाथों दबोच लिया।

टीम ने की सफल कार्रवाई

यह कार्रवाई एसीबी के एडिशनल एसपी पवन मीणा के नेतृत्व में की गई। टीम में डीएसपी भूपेंद्र सोनी, एएसआई मंगरू, एएसआई दारा सिंह, हवलदार जगदीश और नरेश रीडर संजीव शामिल थे। छापामारी के दौरान पटवारी को मौके से गिरफ्तार कर केसरीसिंहपुर थाने लाया गया।

संपत्ति की जांच शुरू

सूत्रों ने बताया कि एसीबी ने पटवारी पंखीलाल मीणा के घर पर भी तलाशी शुरू कर दी है, ताकि उसकी संपत्ति का पूरा ब्यौरा जुटाया जा सके। अधिकारियों का मानना है कि आरोपी के पास अपेक्षा से अधिक संपत्ति होने की संभावना है।

ई-रिक्शा से स्टंट

बोला इंस्टाग्राम पर फॉलोवर्स बढ़ा रहा, पुलिस ने किया गिरफ्तार

जयपुर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने की चाह में एक 22 वर्षीय ई-रिक्शा चालक को खतरनाक स्टंट करना महंगा पड़ गया। जयपुर पुलिस ने आरोपी फरदीन कुरैशी को गिरफ्तार किया, जो इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए सार्वजनिक सड़कों पर जोखिमभरे स्टंट करता था और पुलिस को खुलेआम चुनौती देता था। अपराध शाखा और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में फरदीन को विद्याधर नगर इलाके से पकड़ा गया। आरोपी भट्टा बस्ती का रहने वाला है और उसने ई-रिक्शा को तेज गति से चलाते हुए, लापरवाही भरे वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किए थे।

दो शराबियों को कोर्ट ने दी अनूठी सजा

स्कूल और अस्पताल में करनी होगी सेवा

कोटा, 21 अगस्त (एजेंसियां)। कोटा शहर में पब्लिक प्लेस पर शराब पीते पकड़े गए दो युवकों को कोर्ट ने जेल भेजने की बजाय सामुदायिक सेवा का दंड दिया है। मामला शहर की रेलवे कॉलोनी और बोरखेड़ा पुलिस थाना इलाके से जुड़ा है, पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां कोर्ट ने दोनों आरोपियों को सरकारी स्कूल और अस्पताल में दो दिन सामुदायिक सेवा करने का आदेश दिया है।

पुलिस अधीक्षक कोटा तेजस्विनी गौतम के अनुसार मुकेश कुमार नाम के एक युवक को शराब पीकर वाहन चलाते वक्त पकड़ा। ब्रीथ एनलाइजर जांच में तय मात्रा से अधिक शराब का सेवन पाए जाने पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता- बीएनएस की धारा 355 के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। सोमवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया जहां कोर्ट ने उसे सोगरिया स्थित राजकीय महात्मा गांधी हायर सैकंडरी स्कूल में 25 और 26 अगस्त को विद्यालय में साफ-सफाई और पेड़ पौधों की देखभाल करने की सजा सुनाई।

आरोपी को दो दिन राजकीय स्कूल में सामुदायिक सेवा का दंड कोर्ट ने दिया है वहीं कोर्ट ने स्कूल प्रिंसिपल को आरोपी की उपस्थिति और सजा की पालना रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने के आदेश दिए हैं। आरोपी ने सही ढंग से कार्य किया या नहीं इसका उल्लेख रिपोर्ट में करना होगा।

एक अन्य मामले में आरोपी इमरान को कोर्ट ने सैटेलाइट अस्पताल रामपुरा में 25 और 26 अगस्त को अस्पताल के चिकित्सकों की निगरानी में साफ सफाई और मरीजों की सेवा करने की सजा कोर्ट ने सुनाई है। अस्पताल प्रशासन को आरोपी की उपस्थिति और सजा की पालना रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने के आदेश दिए गए हैं। एसपी सिटी तेजस्विनी गौतम के अनुसार छोटे व कम गंभीर अपराधों में आरोपी को जेल भेजने की बजाय सबक के रूप में सामुदायिक सेवा की सजा से आरोपी को उसकी गलती सुधारने का मौका मिलेगा वहीं सोसायटी में भी सकारात्मक संदेश जाएगा।

चाकू से गोदकर महिला की हत्या, फरार आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

झुंझुनू, 21 अगस्त (एजेंसियां)। शहर के रीको क्षेत्र में करीब साढ़े दस महीने पहले चाकू से गोदकर महिला की हत्या के मामले में फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी तोगड़ा स्वरूपसिंह निवासी जयवीरसिंह पहचान बदलकर गोविंदगढ़ मंडा रीको एरिया में एक चाय की थड़ी पर कप-प्लेट धोने का कार्य कर रहा था। वहीं से पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है। उसके बाद आरोपी जयपुर भाग गया था। वह लगातार अपनी लोकेशन और पहचान बदलता रहा। कभी हरियाणा के रेवाड़ी और गुरुग्राम में क्रेन चलाई तो कभी जयपुर, सीकर और रींगस में मजदूरी की। उसने अपना नाम भी वीरू रख लिया और गोविंदगढ़ मंडा रीको एरिया में चाय की थड़ी पर काम करने लगा। इस कारण झुंझुनूं से लेकर हरियाणा तक पुलिस की कई दबिशें नाकाम रहीं। तत्कालीन एसपी ने उस पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। बाद में वर्तमान एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने इनाम की राशि बढ़ाकर 20 हजार कर दी। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी जयवीर महिला से शादी करना चाहता था। महिला ने पहले शादी का झांसा देकर उससे 50 हजार रुपए ऐंठे, लेकिन जब शादी की बात आई तो उसने इनकार कर दिया। इस पर जयवीर ने गुस्से में आकर उसकी हत्या कर दी। वारदाता के 12 दिन पहले ही महिला रीको कॉलोनी में किराए पर रहने आई थी। वह एक व्यक्ति के साथ वहां आई। उसने मकान मालिक को बताया कि वह विधवा है और जिस व्यक्ति के साथ आई है, वह उसका अंकल है।

जाली नोटों से खरीद रहे थे बकरी, बिहार-यूपी और राजस्थान से जुड़े बड़े नेटवर्क का खुलासा

जैसलमेर, 21 अगस्त (एजेंसियां)। जैसलमेर जिले की मोहनगढ़ थाना पुलिस और नाचना थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर नकली नोटों के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने बिहार और उत्तर प्रदेश के रहने वाले दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 67 हजार रुपये मूल्य के 500-500 के जाली नोट बरामद किए हैं। दोनों युवक इन नोटों से बकरियां खरीदने की कोशिश कर रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें रंगे हाथों दबोच लिया। जानकारी के मुताबिक, यह मामला उस समय सामने आया जब मोहनगढ़ कस्बे के एक ई-मित्र संचालक असरूद अली ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने बताया कि 17 अगस्त को एक युवक उसके ई-मित्र केंद्र आया और 14 हजार रुपये अपने खाते में फोन पे से ट्रांसफर करवाए। बदले में उसने 500-500 के नोट दिए। उसी दिन शाम को वह युवक दोबारा आया और करीब 10 हजार रुपये का और लेन-देन किया। शुरुआत में नोट सामान्य लगे, लेकिन अगले दिन मशीन से जांच कराने पर नौ नोट नकली पाए गए। इसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा।

जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया। एएसपी कैलाशदान जुगतावत, वृत्ताधिकारी रूपसिंह इन्दा, गजेन्द्रसिंह चम्पावत और डीसीआरबी प्रभारी भीमराव सिंह ने मिलकर आरोपियों की तलाश शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों की सूचना के आधार पर पुलिस ने संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रखी और आखिरकार नाचना थाना क्षेत्र के नहरी इलाके में दोनों आरोपियों को बकरियां खरीदते समय पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद कुमैल उर्फ धनु पुत्र नजमुल कुरैशी (निवासी चन्द्रगामा, थाना बाईसी, जिला पूर्णिया, बिहार) और उस्मान पुत्र इरफान कुरैशी (निवासी गंगोह, थाना गंगोह, जिला सहारनपुर, उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई। पुलिस ने उनके कब्जे से 125 जाली नोट (62,500 रुपये) और नकली नोटों से हुए लेन-देन में बची राशि मिलाकर कुल 67 हजार रुपये बरामद किए।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी 11 अगस्त को बिहार से जैसलमेर आए थे। उनका मकसद नहरी बेल्ट से बकरियां खरीदकर बिहार ले जाना था। इसी दौरान उन्होंने स्थानीय ई-मित्र केंद्रों पर भी जाली नोटों का इस्तेमाल करने की कोशिश की। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि यह जाली करेंसी उन्हें कहां से मिली और इसके पीछे कोई बड़ा गिरोह सक्रिय है या नहीं।

दिसंबर 2025 की समय सीमा से चूक जाएगी देवदुला परियोजना

2027 के मध्य तक पूरा होने का अनुमान

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की 15 प्राथमिकता वाली सिंचाई परियोजनाओं में से एक, देवदुला लिफ्ट सिंचाई योजना, अपनी दिसंबर 2025 की समय-सीमा से चूक जाएगी। अब इसके 2027 के मध्य तक पूरा होने का अनुमान है। सूखाग्रस्त क्षेत्रों में कृषि को बदलने के उद्देश्य से शुरू की गई यह प्रमुख सिंचाई परियोजना, राज्य सरकार द्वारा सर्वोच्च प्राथमिकता घोषित किए जाने के बावजूद, लगातार देरी का सामना कर रही है। परियोजना के विभिन्न घटकों के पूरा होने में बार-बार देरी हो रही है, और अपर्याप्त धनराशि एक प्रमुख बाधा है।

सिंचाई विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, देवदुला को पांच महत्वपूर्ण पहलुओं में प्राथमिकता नहीं मिल रही है : वित्तपोषण, प्रबंधन, तथा मशीनरी, सामग्री और मानवशक्ति का जुटाव। भूमि अधिग्रहण और नहर प्रणाली के अनसुलझे मुद्दे प्रमुख चुनौतियां बने हुए हैं। देवदुला परियोजना को पूर्ववर्ती वारंगल, करीमनगर, नलगोंडा और मेदक जिलों में 5.57 से 6 लाख एकड़ भूमि की सिंचाई के लिए डिज़ाइन किया गया है। 2025 तक 91 प्रतिशत से ज़्यादा काम पूरा होने के बावजूद, पिछले 20 महीनों से शेष 9 प्रतिशत काम की प्रगति धीमी रही है। 36 सिंचाई टैंकों और जलाशयों तक पानी पहुंचाने के लिए ज़रूरी नहर प्रणाली, संचालन संबंधी चुनौतियों का सामना कर रही है। भूमि अधिग्रहण एक बड़ी बाधा बना हुआ है, क्योंकि परियोजना के लिए आवश्यक 33,224 एकड़ ज़मीन में से 2,000 एकड़ ज़मीन अभी भी लंबित है। भूमि अधिग्रहण और लंबित बिलों के लिए अभी भी 100 करोड़ रुपये से ज़्यादा बकाया हैं, लेकिन परियोजना की लागत 2025 में 6,016 करोड़ रुपये से बढ़कर 18,500 करोड़ रुपये के संशोधित अनुमान तक पहुंच गई है। 14,168 करोड़ रुपये से ज़्यादा पहले ही खर्च किए जा चुके हैं। 2025-26 के बजट में तेलंगाना में चल रही सभी सिंचाई परियोजनाओं के लिए 11,800 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, लेकिन देवादुला को अभी तक अपना हिस्सा नहीं मिला है, जिससे फंडिंग में कमी की चिंता बढ़ गई है जिससे परियोजना पूरी होने में और देरी हो सकती है।

पूर्व सिंचाई मंत्री (तत्कालीन आंध्र प्रदेश) पोन्नाला लक्ष्मैया ने गोदावरी के प्रचुर जल संसाधनों के उपयोग में समझ और विशेषज्ञता की कमी' के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि परियोजना ने अपनी क्षमता का केवल एक अंश ही उपयोग किया है। लक्ष्मैया ने बताया कि परियोजना से जुड़े अधिकांश जलाशय निर्माण कार्य पूरे हो चुके हैं, लेकिन तीनों चरणों में सभी पंपिंग इकाइयों को चालू करने में सरकार की विफलता ने किसानों को मुश्किल में डाल दिया है। उन्होंने कहा, परियोजना और इसके लाभों के प्रति कोई गंभीर दृष्टिकोण नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तुपाकुलगुडेम में सम्मक्का सागर बैराज की निष्क्रिय स्थिति और कम उपयोग किए गए जलाशय, टैंकों को भरने और सिंचाई को स्थिर करने के चूके हुए अवसरों को दर्शाते हैं।

केसीआर, हरीश राव की याचिकाओं पर सुनवाई स्थगित

> मामले की अगली सुनवाई आज

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और पूर्व मंत्री टी हरीश राव द्वारा कालेश्वरम परियोजना पर पीसी घोष आयोग की रिपोर्ट को रद्द करने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई स्थगित कर दी है। मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को होगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर्यमा सुंदरम और शेषाद्रि नायुडू ने दलील दी कि रिपोर्ट का उद्देश्य चंद्रशेखर राव की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना है और इसके चुनिंदा हिस्से उन्हें नोटिस दिए बिना जारी किए गए हैं। हरीश राव के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल को केवल गवाह के रूप में बुलाया गया था, लेकिन उन्हें रिपोर्ट की प्रति नहीं दी गई, और फिर भी उनके नाम का उल्लेख इस तरह से किया गया जिससे उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची। पीठ ने कहा कि उसके समक्ष प्रस्तुत आयोग की रिपोर्ट की प्रति स्पष्ट नहीं है और उसने उचित प्रतियां दाखिल करने को कहा। सरकार की ओर से महाधिवक्ता ए. सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि पीसी घोष आयोग का गठन राज्य के हित में किया गया था और इसकी रिपोर्ट सार्वजनिक होने से पहले विधानसभा में पेश की जाएगी। जब अदालत ने पूछा कि क्या कार्रवाई विधानसभा में बहस से पहले की जाएगी या बाद में, तो उन्होंने समय मांगा, जिसके बाद मामले की सुनवाई शुक्रवार के लिए स्थगित कर दी गई।

2 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी में हरियाणा का एक व्यक्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने गुरुवार को 2.02 करोड़ रुपये की ऑनलाइन ट्रेडिंग धोखाधड़ी के सिलसिले में हरियाणा के गुड़गांव से विनीत चड्डा (58) को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही इस मामले में अब तक सात संदिग्धों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार, व्यवसायी चड्डा ने एक खाताधारक के रूप में काम किया, जिसके माध्यम से पीड़ित से 40 लाख रुपये निकाले गए। उसने कथित तौर पर एक फर्जी कंपनी चलाकर धोखाधड़ी से धन का लेन-देन किया और कमीशन के बदले उसे अपने सहयोगियों को हस्तांतरित किया।

इससे पहले, छह अन्य लोगों की पहचान विराद्य मोहितभाई घनश्यामभाई, बुल्लन करपतु यादव, रोहन जगदेशभाई लिम्बाचिया, कुरेशी शफीनभाई यूनुसभाई, मेर किशन कनुभाई और मेर मनीष भरतभाई के रूप में की गई थी, जिन्हें खाताधारकों और आपूर्तिकर्ताओं के रूप में उनकी भूमिका के लिए जुलाई में गुजरात से गिरफ्तार किया गया था। मामला तब शुरू हुआ जब शहर का एक 62 वर्षीय निवासी सोशल मीडिया पर प्रचारित एक फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का शिकार हो गया। धोखाधड़ी से जुड़े विभिन्न बैंक खातों में 2.02 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए गए। हालांकि प्लेटफॉर्म ने शुरूआत में मुनाफा दिखाया, लेकिन अतिरिक्त कर भुगतान की मांग के साथ उसके निकासी अनुरोधों को रोक दिया गया।

प्रो.एन. वेंकटेश्वरलु ओयू विधि विभाग के डीन बने

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के विधि विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लॉ के प्रो.एन. वेंकटेश्वरलु डीन बनाए गए हैं। कुलपति ने विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के अनुमोदन पर प्रो.एन. वेंकटेश्वरलु, विधि विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लॉ, उस्मानिया विश्वविद्यालय और विधि संकाय के सदस्य को दो वर्ष की अवधि के लिए डीन, विधि संकाय, उस्मानिया विश्वविद्यालय के पद पर नियुक्त किया है।

अंगों से जीवनदान के तहत मरीजों को मिला नया जीवन

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। निजी कर्मचारी और मियापुर निवासी 37 वर्षीय कृष्ण सुमंत भुवनगिरी के परिवार ने राज्य द्वारा संचालित जीवनदान अंगदान पहल के तहत जरूरतमंद मरीजों को उनके अंग दान कर दिए हैं। 18 अगस्त को काम से घर लौटते समय कृष्ण सुमंत अपने दोपहिया वाहन से गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी स्वास्थ्य स्थिति में सुधार न होने पर, डॉक्टरों ने 20 अगस्त 2025 को कृष्ण सुमंत को ब्रेन डेड घोषित कर दिया और उनके पिता बी. नरेंद्र ने उनके अंग दान करने की सहमति दे दी। गुर्दे, यकृत, कॉर्निया, फेफड़े और हृदय सहित सात अंगों को निकाला गया और जरूरतमंद मरीजों को आवंटित किया गया। जीवनदान के अधिकारियों ने कृष्ण सुमंत के अंगदान का निर्णय लेने के लिए उनके परिवार के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पूर्व विधायक ने किसानों को मुआवजा राशि देने की मांग की

मदनूर, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक हनमंत शिंदे ने पिछले एक सप्ताह से हो रही भारी बारिश से क्षतिग्रस्त हुई फसलों निरीक्षण करते हुए प्रदेश सरकार से किसानों को तुरंत मुआवज़ा देने की मांग की। उन्होंने डोंगली मंडल के लंबूर, छोटा टाकली, बड़ा टाकली, शिरपुर के साथ कई गांवों का दौरा किया। पूर्व विधायक हनमंत शिंदे ने मांग की कि राज्य सरकार जुक्कल विधानसभा क्षेत्र में क्षतिग्रस्त फसलों का तुरंत आकलन करे और किसानों को फसल क्षति का मुआवजा प्रदान करे। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के दौरान, पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर किसानों को फसल निवेश सहायता के रूप में किसान बंधु प्रदान करते थे, और कांग्रेस सरकार किसानों की अनदेखी कर रही है।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 151वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप 24 को

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा दुर्गा माता गोल्डन टेम्पल लंगर हाउस के सहयोग से 151वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप रविवार 24 अगस्त को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक बापूनगर लंगर हाउस स्थित ब्रिलियेंट स्कूल में आयोजित किया जायेगा। आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल कैंप में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल बेगमपेट, जनरल फिजिशियन, कार्डियलजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की सेवा दी जाएगी। एलसीएच साधुराम आई हॉस्पिटल द्वारा नेत्रों की जांच की जाएगी और योग्य व्यक्ति को चश्में एवं मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। दंत की सेवा एसएनआर डेंटल के डॉ.एस. तेजस्वी नवनीत राज एवं डॉ.एस. निखिल राज द्वारा दी जाएगी। फिजियोथैरेपी बजाज फिजियो केयर के डॉ. मीता बजाज द्वारा की जाएगी। अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा निशुल्क कृत्रिम पैर, हैड क्लीप, कैलिपर्स एवं हैंड का जांच के बाद योग्य को दिये जाएंगे। साथ ही आवश्यक रोगी को निशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था की जाएगी। शिविर में नाम पंजीकरण कैंप स्थल पर सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा। सभी से इसका अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है। अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, बी.शांता देवी, डॉ.एस. जगन, एम. रोहिणी देवी एवं शोभा पांडेय से संपर्क किया जा सकता है।

स्वाध्याय केवल ग्रंथ पढ़ना नहीं बल्कि आत्मा को जानने का साधन है : साध्वीश्री डॉ. गवेषणाश्री

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साध्वी डॉ. गवेषणाश्री जी के मंगल सान्निध्य में राजा राजेश्वरी गार्डन, डायमंड पॉइंट, सिख विलेज, सिकंदराबाद में साध्वी श्री दक्ष प्रभा जी द्वारा मंच संचालन करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया एवं मंगलाचरण बीदासर, राजगढ़, सांडवा, सादुलपुर, उड़ीसा के श्रावक श्राविकाओं द्वारा किया गया। साध्वी मेरु प्रभा जी द्वारा स्वाध्याय दिवस पर अपने विचार व्यक्त किये।

साध्वीश्री डॉ. गवेषणाश्री जी कहा- स्वाध्याय केवल ग्रंथ पढ़ना नहीं बल्कि आत्मा को जानने की एक साधन है। जो व्यक्ति रोज अपने जीवन का आत्म मंथन करता है, वही सच्चे अर्थों में धर्म को जीता है। स्वाध्याय वह दीपक है जो अज्ञानता के अंधकार को दूर कर सकता है और मोक्ष के मार्ग पर ले जा सकता है। वर्तमान युग भौतिकता और प्रदर्शन का होने के कारण व्यक्ति को आत्म चिंतन से दूर कर दिया है। परंतु स्वाध्याय के द्वारा व्यक्ति वापस आत्म चिंतन की ओर मुड़ सकता है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने उपस्थिति दर्ज की और साध्वी श्रीजी के प्रवचन से प्रेरणा प्राप्त की। सभी ने आगामी आठ दिनों के पर्युषण पर्व को साधना, स्वाध्याय और संयम के साथ मनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों एवं कार्यकर्ताओं ने भी साध्वी श्रीजी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और कहा कि उनके पावन प्रवचन से समाज में धर्म, संयम और सेवा की भावना को नई दिशा मिल रही है। महिला मंडल अध्यक्ष नमिता सिंघी ने महिला मंडल के आगामी कार्यक्रम की जानकारी दी। सभा कार्यकारिणी सदस्य जिनेंद्र बैद ने तेरापंथ सभा के सभी आयामों की विस्तृत जानकारी दी। अंत में साध्वी श्री जी के मंगल पाठ से कार्यक्रम की समापना हुई।

विवादास्पद नारों की कडी निंदा

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जामबाग मंडल के पार्षद राकेश जायसवाल ने हिंदी नगर खेल परिसर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मारवाड़ी वापस जाओ, गुजराती वापस जाओ के नारों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना अपनी एकता और विशाल हृदय के लिए मशहूर है, हम सब एक परिवार के सदस्य की तरह रहते हैं और किसी को भी राजनीति के लिए हमें बांटने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी और तेलुगु भाई-भाई हैं। हम पीढ़ियों से प्रेम, सद्भाव और सम्मान के साथ साथ रह रहे हैं। इस कार्यक्रम में गोदुगु श्रीनिवास यादव, अमर सिंह, रघु, संदीप जैन, हरि, राजू यादव आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

श्री सखी जी मठ पुरानापुल में भगवान महादेव का रुद्राभिषेक बड़े ही धूमधाम से किया गया। प्रदीप तिवारी और सारे कार्यक्रम को निर्विघ्नता से और संतुष्टि से पूर्ण करने के पक्ष में अखंड सौभाग्य यश कामना प्राप्त करने का आशीर्वाद महंत ठाकुर ने भक्तों को दिया।

दूरियां जमीन की नहीं दिल की होती है

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र-संत श्री ललित प्रभ सागर ने कहा कि पर्युषण हृदय शुद्धि और कषाय मुक्ति का पर्व है। 84 लाख जीवयोनियों से क्षमा मांगना सरल है, पर जिनसे हमारा मनमुटाव है या जिसका हमने और जिसने हमारा दिल दुखाया है उससे माफी मांगना सच्चा धर्म है। संवत्सरी का इंतजार करने की बजाय आज ही माफी मांगकर हिसाब चुकता कर लें। हम साल भर भले ही गरम रहें, पर अब तो नरम बन जाएं और मन में पलने वाली गांठों को दूर कर लें। जिसे हम चाहते हैं उसकी हर बात हमें अच्छी लगती है क्यों न हम सबको चाहना शुरू कर दें ताकि हमें सबकी बातें अच्छी लगनी शुरू हो जाए। याद रखें, दूरियां जमीन की नहीं दिल की होती है। इसीलिए तो रूस दूर होकर भी पास है और पाकिस्तान पास होकर भी भारत से दूर है।

वे एग्जिबिशन ग्राउंड में पर्युषण पर्व के संदेश और कर्तव्य विषय पर प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि महावीर बनें, महावीर भक्त नहीं। केवल राम या महावीर का नाम रटने से हमारा कल्याण नहीं होगा। महावीर उस व्यक्ति को ज्यादा पसंद करते हैं जो उनका नाम लेने की बजाय उनके मार्ग पर चलने की कोशिश करता है। अगर भगवान का नाम लेने से सब कुछ मिल जाता तो महावीर महलों को छोड़कर जंगलों में नहीं जाते। अरिहंत का नाम लेने से हमें मन की शांति तो मिल सकती है, पर अरिहंत बनने के लिए तो हमें महावीर के मार्ग पर चलना होगा। उन्होंने कहा कि सिकन्दर द्वारा हजारों-हजार योद्धाओं को जीतना सरल है, पर खुद को जीतना मुश्किल। संसार से संन्यासी बनकर जाने की प्रेरणा देते हुए संतश्री ने कहा कि संसार में जन्म लेना हमारी नियति है, पर परमात्मा से इतनी प्रार्थना जरूर करें कि जब यह शरीर छूटे तो इस शरीर पर संसारी की बजाय संन्यासी का वेश जरूर हो। व्यक्ति जब भी मुक्त होता है, संसार से उबरकर ही मुक्त होता है। संसार में चाहे जितना रहा जाय और भोगा जाय, मन अतृप्त ही रहता है इसलिए संसारी बनकर भले ही जिओ, पर एक दिन ही सही, संत जीवन अंगीकार करने का भाव अवश्य रखो। उन्होंने कहा कि पर्युषण भीतर के प्रदूषण को हटाने का पर्व है। बाहर के प्रदूषण से बीमारियां आती हैं और मन के प्रदूषण से परेशानियां आती हैं। इसलिए जितनी जरूरत बाहर के प्रदूषण को कम करने की है, उतनी ही जरूरत है भीतर के प्रदूषण को समाप्त करने की। जब एक ही रेस्टोरेंट में अलग-अलग भोजन करने वाले बैठकर खा सकते हैं तो हम एक जगह क्यों नहीं मिलकर धर्म कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जब हमारा दिल मिल जाता है तब क्षमा साकार हो जाती है। उन्होंने कहा कि अब हमें पंथ-परम्पराओं में न द्वार खोलने हैं न दरवाजे वरन प्यार से गले मिलने का काम करना है। उन्होंने कहा कि धर्म की नींव है टूटे हुए दिलों को जोडना एवं जुडना। अपरिचित व्यक्ति से क्षमायाचना करना आसान है, पर आपस में कोर्ट केस चलने वाले दो लोगों के द्वारा क्षमायाचना करना तीस उपवास करने से भी बड़ी तपस्या है। हम उससे क्षमा मांगे जिससे हमारी बोलचाल नहीं है ऐसा करना मिच्छामी दुक्कड़म् के पत्र या एसएमएस करने से भी ज्यादा लाभकारी होगा। संतश्री ने कहा कि जो समाज को जोड़े वही सच्चा संत है। तोडने वाला कभी सच्चा संत नहीं हो सकता। हम समाज में ऐसे संतों को बार-बार बुलाए जो एकता में विश्वास रखते हो। हम समाज को नारंगी की बजाय खरबूजा बनाएं जो बाहर से भले ही अलग दिखाई देता है, पर छिलके उतरते ही एक हो जाता है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में जो धार्मिक समरसता का जो माहौल बना है, उसे देखकर हम अभिभूत हैं। भगवान करे इसे कभी नजर न लगे। उन्होंने कहा कि भक्ति सीखनी हो तो मंदिरमार्गीयों से सीखो, क्रिया सीखनी हो तो स्थानकवासी-तेरापंथी से सीखो और तप-त्याग सीखना हो तो दिगम्बरों से सीखो।

जब सभी मिलते हैं तभी जैन धर्म साकार होता है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म का सार है क्षमा। चोट पहुंचाकर क्षमा मांगना सरल है, पर चोट खाकर भी क्षमा करना कठिन है। जिस दिन हम दुश्मन के घर की 5 सीढ़ियां चढ़कर उससे माफी मांग आएंगे समझ लेना उस दिन हमें घर बैठे सम्मेदशिखर और पालीताणा की यात्रा का पुण्य मिल जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सूचना सं.जी/इ.-29/टीआर./टेंडर नोटिस/18/2025-26 दि. 18/8/2025 PUB/0997

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुन्टकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्या : जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-36-2025-26, **कार्य विवरण**: गुन्टकल डिवीजन-4 वर्ष की अवधि के लिए, आरयु-जीडीआर, आरयु-केपीडी व आरयु-बीकेपीटी सेक्शन्स तथा जीटीएलडब्ल्यू/टीएसएस एण्ड एनकेडीओ/एसपीआरटीयु के बीच एससीएडीए सिस्टम का वार्षिक रखरखाव ठेका। अनुमानित लागत रू.85,34,880/-, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.1,70,700/-

निविदा बंद करने की तिथि व समय:9-9-2025 के 15.00 बजे

टिप्पणी:
1. निविदा दस्तावेज को, निःशुल्क रूप में वेबसाइट:www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

टेन्डर बिड्डींग तथा अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुद्धिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुन्टकल

संख्या -एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू।।।/टेंडर नोटिस/2025-26 दि.18-08-2025 PUB/0998

तत्संबंधित निविदा के विवरण को पहले ही वेबसाइट:https://ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

क्रम सं.-01, निविदा सं.-टी-202526-2-054, अथारिटीः को-आर्ड., **कार्य विवरणः** नांदेड डिवीजनः डीइएन/एनइ/एनइडी के क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/एनइडी क्षेत्राधिकार के तहत एसएसइ/पीवे/एनइडी, एसएसइ/पीवे/एमयुइ तथा एसएसइ/पीवे/केएनवीटी के तहत प्रस्तावित सुरक्षा से जुडा ट्रैक कार्य। **निविदा मूल्य** रु.46697148.15, पूधरा रू.383500.00, पूरा करने की अवधिः बारह महिने, **निविदा प्रपत्र मूल्य रू.शून्य**

क्रम सं.-02, निविदा सं.-टी-202526-2-055, अथारिटीः को-आर्ड., कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः डीइएन/एनइ/एनइडी के क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/एके क्षेत्राधिकार के तहत एसएसइ/पीवे/डब्ल्यूएचएम तथा एसएसइ/पीवे/एकेओटी के तहत प्रस्तावित सुरक्षा से जुडा ट्रैक कार्य। **निविदा मूल्य** रु.22584725.23, पूधरा रू.262900.00, पूरा करने की अवधिः बारह महिने, **निविदा प्रपत्र मूल्य रू.शून्य**

क्रम सं.-03, निविदा सं.-टी-202526-2-056, अथारिटीः को-आर्ड., कार्य विवरणः मुदखेड स्टेशन पर 30 बेड्स क्षमतायुक्त नई बहु-मंजिला रनिंग रूम का प्रावधान। निविदा मूल्य रु.28939960.58, पूधरा रू.294700.00, **पूरा करने की अवधि**: बारह महिने, **निविदा प्रपत्र मूल्य** रू.शून्य

क्रम सं.-01, निविदा सं.-टी-202526-2-054, तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50 लाख मूल्य से अधिक)-कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य या ट्रैक रखरखाव कार्य।

क्रम सं.-02, निविदा सं.-टी-202526-2-055, तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50 लाख मूल्य से अधिक)-कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य या ट्रैक रखरखाव कार्य।

क्रम सं.-03, निविदा सं.-टी-202526-2-056, **तत्समान स्वभाव का कार्य** (रु.50 लाख मूल्य से अधिक)-कोई भी **सिविल इंजीनियरिंग कार्य** (ट्रैक कार्यों/ झोनल कार्यों को छोडकर)।

उपरोक्त निविदा दि.12-09-2025 के 15.00 बजे बंद होगी।

एसआर.डीइएन/को-आर्ड/नांदेड

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in के माध्यम से) PUB/0999

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, सीइ/सी ।।।,सीइ/ सी/पीएल जीएण्डसर्वे/ एससीएण्ड सीइ/सी-वी/एससी कंस्ट्रक्शन आर्गनाइजेशन, द.म.रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित हैं।

क्रम सं.01, एनआयटी नं.-पीएमएस01-सीएओ-सी-एससी-2025 दि.11-08-2025, **कार्य विवरणः** दमरे निर्माण संगठन-तत्संबंधित (1) विजयवाडा डिवीजन के राजमण्ड्री रेलवे स्टेशन के पुनर्विकासार्थ, उक्त परियोजनाओं के लिए परियोजना प्रबंधन सेवाएं(पीएमएस) प्रदान करने हेतु एथारिटी इंजीनियर की नियुक्ति। (2) तिरुपति रेलवे स्टेशन के प्रमुख उन्नयन की विस्तारित अवधि तथा (3) दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाडा डिवीजन में नेल्लोर रेलवे स्टेशन के प्रमुख उन्नयन की विस्तारित अवधि। **अनुमानित मूल्य** रू.6,17,21,952.00, पूधरा रू.4,58,600.00, कार्य **पूरा करने की अवधिः** 42 (बयालीस) महिने, **खोलने की तिथि**:30-09-2025 के 15.00 बजे

क्रम सं.02, एनआयटी नं.-18-सीएओ-सी-एससी-2025 दि.13-08-2025, कार्य विवरणः दमरे निर्माण संगठन- दक्षिण मध्य रेलवे के भीतर सीओए/कन्स्ट्रक्शन के तहत नई बीजी लाइन्स, डबलिंग, ट्रिपलिंग व गेज कन्वर्शन के निर्माणार्थ इण्डियन रेलवे मैन्युएल के प्रावधानोंनुसार, मेकानिकल प्रोबिंग द्वारा ठेकेदार के आरडीएसओ से अनुमोदित फेजड एरे अल्ट्रासोनिक टेस्टिंग (पीएयुटी) को इस्तेमाल करते हुए सभी प्रकार के रेलों के फ्लैश बट्ट (एफबी) वेल्ड जायन्ट्स की युएसएफडी जांच या परीक्षण करना। **अनुमानित मूल्य रू.**2,32,00,133.40, पूधरा रू2,66,000.00, **कार्य पूरा करने की अवधिः** 36 (छत्तीस) महिने, खोलने की तिथि:09-09-2025 के 15.00 बजे

क्रम सं.03, एनआयटी नं.-पीएमएस-02-सीएओ-सी-एससी-2025 दि.12-08-2025, **कार्य विवरणः** दमरे निर्माण संगठन-नांदेड डिवीजन-दक्षिण मध्य रेलवे के नांदेड डिवीजन के महाराष्ट्र राज्य एवं मध्य प्रदेश राज्य में अकोला-खंडवा गेज रूपांतरण परियोजना से संबंधित बिजली सामान्य सेवा कार्यों सहित 'खाकनर कलान तथा अकोट स्टेशनों के बीच किमी 652.700 से किमी 726.700 के नई बीजी लाइन का निर्माण /गेज रुपांतरण से जुडा अभियांत्रिकी कार्य'' के तत्संबंधित परियोजना प्रबंधन सेवाओं को प्रदान करने हेतु एथारिटी इंजीनियर की नियुक्ति करना। **अनुमानित मूल्य रू.** 21,50,99,600.00, पूधरा रू 12,25,500.00, कार्य **पूरा करने की अवधिः** 42 (बयालीस) महिने, **खोलने की तिथि**:18-09-2025 के 15.00 बजे

।) बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः https://ireps.gov.in पर लागिन करें। ।।) निविदाकार, अपने-अपने आफर्स को, आनलाइन रूप में निविदा प्रस्तुति की अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि से पहले, पंद्रह दिन की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं। ।।।) निविदाकार, कोई भी शुद्धिपत्रों (केवल आनलाइन द्वारा जारी) को निविदा प्रस्तुति की अवधि के प्रारंभिक तिथि तक ही अवलोकन कर सकते हैं।

मुख्य प्रशासकीय अधिकारी, निर्माण, सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना सं. सी/इ.29/इलेक./एम/एससी/29/टीएम/ओटी/2025-26 दि.19/08/2025 PUB/1000

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि. 9-9-2025 के 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं. 01, ई-टेंडर नं. सी/इ.29/इलेक./एम/एससी/29/टीएम/ओटी/2025-26, ई-टेंडर नं. ई-एम-एससी-29-ओटी/2025-26, **कार्य विवरणः** सिकंदराबाद डिवीजन बिजली रखरखाव विभाग-(।) एसएनएफ-एससी-केजेडजे सेक्शन-आरजीपी,जीटी व एचएसजे स्टेशनों पर ट्रैक मशीन साइडिंग का प्रावधान। (।।) एससी-डब्ल्यूडी एण्ड वीकेबी-पीआरएलआय सेक्शन-डीआरआर, जीजीडी, जेडबी एवं युडीजीआर स्टेशनों पर ट्रैक मशीन साइडिंग का प्रावधान। (।।।) बीडीसीआर-एमयुजीआर सेक्शन-जेपीटीएन, टीपीवाय व एमयुजीआर स्टेशनों पर ट्रैक मशीन साइडिंग का प्रावधान। (iv) पीआरपीआय, केआरएमआर, एलपीजेएल, जीडीआरए, एसटीबीडी व एआरएमयु स्टेशनों पर ट्रैक मशीन साइडिंग का प्रावधान - बिजली व्यवस्थाएं। **निविदा मूल्य रू.**1,12,95,784.24, **पूधरा रू.**2,06,500.00, **सीटीएफ रु. शून्य, पूरा करने की अवधिः** 6 महिने

1.निविदा शर्तें/अन्य विवरण, निविदा दस्तावेजों के आयआरइपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग ले सकते हैं तथा यदि कोई संशोधन या परिवर्तन हो तो उसे देख सकते हैं।
2. तत्संबंधित निविदा सूचना को, एसआर. डीईई (रखरखाव), सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद कार्यालय पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनों में देख सकते हैं।
3. रेल प्रशासन के पास, कोई भी कारण न देते हुए किसी भी निविदा को निरस्त या कैंसल करने का अधिकार सुरक्षित है।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता(एम)/सिकंदराबाद

ई-निविदा आमंत्रण सूचना PUB/1001

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, पीसीइ दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित है।

एनआयटी नं. जीएमडब्ल्यूएससीपीएयुटी25-2601, **कार्य विवरणःएससी**, एचवायबी व दमरे की एनइडी डिवीजन्सः (1) आरडीएसओ से अनुमोदित परीक्षण प्रक्रिया नुसार, सभी प्रकार के रेलों में ब्लाक के बिना ट्रैक पर साइट पर फ्लैश बट्ट (एफबी) वेल्डेड जायन्ट्स का चरणबध्द ढंग से एरे अल्ट्रासोनिक टेस्टींग या परीक्षण करना। (2) आरडीएसओ से अनुमोदित परीक्षण प्रक्रिया नुसार, पीएयुटी कार्य करने हेतु आयआरपीडब्ल्यूएम तथा एफबी वेल्ड मैन्युएल नुसार, सभी प्रकार के रेलों में ब्लाक के बिना ट्रैक पर साइट पर 20% फ्लैश बट्ट वेल्डूस के वेल्ड फिन्स का ग्राइंडिंग कार्य। **निविदा मूल्य रू.** 69059164.20, **पूधरा रू.**495300.00, निविदा बंद करने की तिथि व समयः 4-9-2025 के 15.00 बजे

निविदा दस्तावेज व अन्य विवरण को, **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।
सभी शुद्धिपत्रों को, केवल आनलाइन पर ही **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in जारी किया जायेगा।

उप मुख्य अभियंता/ ट्रैक-।।/ सिकंदराबाद

ई-निविदा आमंत्रण सूचना PUB/1002

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, पीसीइ दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित है।

एनआयटी नं. जीएमडब्ल्यूएससीपीएयुटी25-2602, **कार्य विवरणः**बीजेडए, जीटीएल व दमरे की जीएनटी डिवीजन्सः (1) आरडीएसओ से अनुमोदित परीक्षण प्रक्रिया नुसार, सभी प्रकार के रेलों में ब्लाक के बिना ट्रैक पर साइट पर फ्लैश बट्ट (एफबी) वेल्डेड जायन्ट्स का चरणबध्द ढंग से एरे अल्ट्रासोनिक टेस्टींग या परीक्षण करना। (2) आरडीएसओ से अनुमोदित परीक्षण प्रक्रिया नुसार, पीएयुटी कार्य करने हेतु आयआरपीडब्ल्यूएम तथा एफबी वेल्ड मैन्युएल नुसार, सभी प्रकार के रेलों में ब्लाक के बिना ट्रैक पर साइट पर 20% फ्लैश बट्ट वेल्डूस के वेल्ड फिन्स का ग्राइंडिंग कार्य। **निविदा मूल्य रू.** 49108869.00, **पूधरा रू.**395600.00, **निविदा बंद करने की तिथि व समयः** 8-9-2025 के 15.00 बजे

निविदा दस्तावेज व अन्य विवरण को, वेबसाइटः www.ireps.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।
सभी शुद्धिपत्रों को, केवल आनलाइन पर ही वेबसाइटः www.ireps.gov.in जारी किया जायेगा।

उप मुख्य अभियंता/ ट्रैक -ए1232 ।।/सिकंदराबाद
ए1232

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

रूचि की अभिव्यक्ति (इओआय) PUB/1010

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद डिवीजन के क्षेत्राधिकार के तहत **गति-शक्ति मल्टि-मोडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी)** का निर्माण करने के लिए, इच्छुक निवेशकों, लाजिस्टिक्स सर्विसेज प्रोवाईडर्स, कन्टेनर ट्रेन आपरेटर्स, इण्डस्ट्रियल युनिट्स आदि से रूचि की अभिव्यक्ति (इओआय) आमंत्रित की जाती हैं।

इच्छुक निवेशकों द्वारा अपने अपने इओआय को, अपने लेटरहेड्स पर, तत्संबंधित मांगी गयी जानकारी सहित मुहरबंद लिफाफे में डालकर, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक का कार्यालय, डीआरएम आफिस, संचालन भवन, दक्षिण मध्य रेलवे, तेलंगाना-500025 को प्रेषित करना होगा अथवा हस्ताक्षरित प्रस्ताव या साइन्ड प्रपोजल को srdcmsc@gmail.com पर दि.4-9-2025 तक मेल करना होगा।

सिकंदराबाद डिवीजन के गति-शक्ति मल्टि मोडल कार्गो टर्मिनल के विकासार्थ आफर्ड स्टेशन का विवरण तथा जिस हेतु इओआय आमंत्रित की गयी है, का विवरण निम्न प्रकार हैः

स्टेशन का नामः पीडीपीएल-एनजेडबी सेक्शन के बीच पोडुर (पीयुडीआर) रेलवे स्टेशन बसा हुवा है तथा यह स्टेशन तेलंगाना के जगतियाल सिटी के तहत पडता है। यह स्टेशन, सडक मार्ग से जगतियाल सिटी से 21 किमी की दूरीपर है तथा यह स्टेशन रेल द्वारा गंगाधरा (जीडीआरए) से अंदाजन 6 किमी एवं नुकापल्ली मलयाल (एनपीएमएल) से 10 किमी की दूरी पर स्थित है।

तदनुसार, एससी डिवीजन ने रूचि की अभिव्यक्ति (इओआय) संसाधित की है, जिसे आफिशियल **वेबसाइटः** www.scr.indianrailways.gov.in पर अधिसूचित किया गया है। पूछताछ/स्पष्टीकरणों हेतु कृपया अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क करें।

ए1253 **वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद**

क्या पाकिस्तान से खेलना भारत की मजबूरी: बीसीसीआई ने बताए न खेलने के 4 नुकसान

एशिया कप में 3 भारत-पाक मुकाबले संभव

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान से आए आतंकियों ने भारत पर बड़ा हमला किया था। इस घटना के कुछ ही महीनों बाद भारत को पाकिस्तान से क्रिकेट सीरीज खेलनी थी। विपक्षी दलों ने सरकार को घेरना शुरू किया। वे पूछते - जो पाकिस्तान हमारा खून बहा रहा है उसके साथ हम क्रिकेट क्यों खेलना चाहते हैं? इसके बाद प्रधानमंत्री कार्यालय से खेल मंत्रालय को निर्देश आता है कि वे बीसीसीआई को कह दें कि भारतीय टीम पाकिस्तान के साथ मैच नहीं खेलेगी।

यह वाकया 2008 का है। पाकिस्तान से आए आतंकियों ने 26 नवंबर को मुंबई में बड़ा हमला किया था। इसके बाद दिसंबर में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पाकिस्तान के साथ किसी भी द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज पर रोक लगा दी थी।

अब सीधा 2025 में लौटते हैं। पाकिस्तान अब भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया है। पिछले 22 अप्रैल को वहां से आए आतंकियों ने कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोषों की धर्म पूछकर हत्या कर दी। इसके बाद मांग उठने लगी है कि भारत को अब न सिर्फ द्विपक्षीय सीरीज बल्कि एशिया कप और वर्ल्ड कप जैसे मल्टी नेशनल इवेंट में भी पाकिस्तान का बायकॉट करना चाहिए। 9 सितंबर से यूएई में एशिया कप होना है। भारतीय टीम घोषित हो गई है और इस टूर्नामेंट में तीन भारत-पाकिस्तान मैच संभव हैं।

पाकिस्तान से खेलने या न खेलने पर सरकार की ओर से अब तक कोई बयान नहीं आया है। हालांकि, बीसीसीआई नहीं चाहता कि भारत एशिया कप में पाकिस्तान का बायकॉट करे। इस मुद्दे पर बीसीसीआई के दो शीर्ष अधिकारियों से इसकी वजह पूछी। दोनों ने नाम सार्वजनिक न करने की शर्त पर 4 ऐसे कारण बताए जिनकी वजह से बीसीसीआई अब भी चाहता है कि एशिया कप हो और इसमें भारत-पाकिस्तान मुकाबले भी खेले जाएं...

1. पहला कारणः पाकिस्तान को फ्री पॉइंट्स क्यों दिए जाएं

बीसीसीआई अधिकारियों का कहना है कि भारतीय टीम टूर्नामेंट खेलते हुए सिर्फ पाकिस्तान का बायकॉट कर सकती है, लेकिन ऐसा करने से पाकिस्तान को फ्री के पॉइंट्स मिलेंगे। पाकिस्तान इन पॉइंट्स की बदौलत फाइनल में भी जा सकता है और चैंपियन भी बन सकता है। हमें पाकिस्तान को फ्री पॉइंट्स क्यों देना चाहिए।

2. दूसरा कारणः एशियन ब्लॉक में भारत का दबदबा कमजोर हो सकता है

एशियन क्रिकेट काउंसिल में अब तक भारत का दबदबा रहा है। अगर भारतीय टीम पाकिस्तान का बायकॉट करती है तो टूर्नामेंट फ्लॉप होगा। इससे टूर्नामेंट की कमाई पर भी असर पड़ेगा। ऐसा होने से एसीसी में भारत का रुतबा कमजोर हो सकता है और पाकिस्तान बाकी देशों को भारत के खिलाफ करने की मुहिम चला सकता है।

3. तीसरा कारणः आईसीसी की राजनीति में भी बीसीसीआई कमजोर पड़ सकता है

एशियन ब्लॉक की एकजुटता की बदौलत बीसीसीआई इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की राजनीति में भी मजबूत स्थिति में है। किसी मुद्दे पर अगर वोटिंग की जरूरत पड़ती है तो सभी एशियाई देश ज्यादातर मुद्दों पर बीसीसीआई का साथ देते हैं। इनमें पाकिस्तान भी शामिल है। जय शाह को आईसीसी चेयरमैन बनाने के मामले में भी पाकिस्तानी बोर्ड ने बीसीसीआई का साथ दिया था। इससे पहले बड़े आईसीसी टूर्नामेंट की होस्टिंग के लिए भारत और पाकिस्तान एक खेमे में रहते हुए वोट डालते आए हैं।

अगर भारतीय टीम पाकिस्तान का बायकॉट करती है तो एशियन ब्लॉक की एकजुटता कम होगी और आईसीसी की राजनीति में भी बीसीसीआई की पोजिशन कुछ कमजोर हो सकती है।

4. चौथा कारणः ब्रॉडकास्टर की नाराजगी नहीं झेलना चाहते

बीसीसीआई अधिकारी ने बताया कि 2024 में ही अगले चार एशिया कप के ब्रॉडकास्ट राइट्स 170 मिलियन डॉलर (करीब 1500 करोड़ रुपए) में बेचे जा चुके हैं। एशिया कप के राइट्स को इतनी कीमत सिर्फ भारत-पाकिस्तान मुकाबलों की वजह से मिली है। भारत-पाकिस्तान मैच के विज्ञापन स्लॉट हर 10 सेकेंड के लिए 25 से 30 लाख रुपए में बिकते हैं। वहीं, भारत के अन्य मुकाबलों के लिए यह रकम आधी से कम हो जाती है। अगर भारतीय टीम पाकिस्तान से नहीं खेलती है तो ब्रॉडकास्टर ये स्लॉट अच्छी कीमत पर नहीं बेच पाएंगे और ब्रॉडकास्टर्स को भारी नुकसान होगा। ऐसे में आगे चल कर ब्रॉडकास्टर्स नजर में बीसीसीआई की विश्वसनीयता कम होगी।

पाकिस्तान संग मैचों पर भारत सरकार का बड़ा ऐलान

नहीं होंगे द्विपक्षीय मुकाबले

एशिया कप को ग्रीन सिग्नल

भारत-पाकिस्तान के बीच खेलों पर केंद्र सरकार की ओर से बड़ा ऐलान हुआ है. भारत सरकार ने साफ किया है कि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी और पाकिस्तान की टीम को भी भारत आने की अनुमति नहीं दी जाएगी. वहीं एशिया कप और आईसीसी टूर्नामेंट जैसे मल्टीनेशन टूर्नामेंट का आयोजन अलग माना जाएगा. इनमें भारत भाग ले सकता है, बशर्ते वे किसी न्यूट्रल वेन्यू पर आयोजित हों. खेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारत की नीति में कोई बदलाव नहीं किया गया है और पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय क्रिकेट संबंध बहाल करने का सवाल ही नहीं उठता. लेकिन चूंकि एशिया कप एक मल्टीनेशन टूर्नामेंट है, ऐसे में टीम इंडिया इसमें खेलने उतरेगी. इस फैसले के बाद यह साफ हो गया है कि भारत-पाकिस्तान भिड़ंत केवल एशिया कप या आईसीसी टूर्नामेंट जैसे मंचों पर ही देखने को मिलेगी. भारतीय टीमें और खिलाड़ी उन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में हिस्सा लेंगे, जिनमें पाकिस्तान की टीमें या खिलाड़ी भी शामिल होंगे उसी तरह, भारत में होने वाले मल्टीनेशन टूर्नामेंटों में पाकिस्तान की टीमों और खिलाड़ियों को खेलने की अनुमति मलिगी.

बीसीसीआई ने चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर का कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाया

2026 तक टीम चुनेंगे, 2023 में पद संभाला था

मुंबई, 21 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 के लिए भारतीय स्क्वॉड का एलान हो गया है। भारत के स्क्वॉड के एलान के दो दिन बाद अजीत अगरकर का कॉन्ट्रैक्ट बीसीसीआई ने बदल दिया है।

अब अजीत अगरकर के बतौर चीफ सेलेक्टर के कॉन्ट्रैक्ट को जून 2026 तक बढ़ा दिया गया है। इसको लेकर रिपोर्ट सामने आई है, जिसके मुताबिक, ये फैसला आईपीएल 2025 से पहले लिया जा चुका।

दरअसल, इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई ने अजीत अगरकर को रिटेन करने का फैसला कुछ महीने पहले किया। बीसीसीआई उनके आने के बाद भारतीय क्रिकेट में उपलब्धियों से बेहद खुश हुआ।

जून 2023 में अजीत अगरकर को ये बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जिसके बाद उन्होंने भारत को

कई कामयाबी दिलाई। आईसीसी इवेंट में जीत के सूखे को खत्म किया। भारत ने 2024 में टी20 विश्व क 2024 का खिताब जीता और 2025 की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी जीती। भारत ने 2023 में वनडे विश्व कप के फाइनल में भी जगह बनाई।

अगरकर के कार्यकाल को रणनीतिक नेतृत्व परिवर्तन द्वारा भी परिभाषित किया गया है। उनके अधीन चयनकर्ताओं ने टेस्ट कप्तानी शुभमन गिल को सौंपी और सूर्यकुमार यादव को टी20 टीम की कमान दी। टीम को विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के संन्यास के फैसले से भी गुजरना पड़ा। कोहली और रोहित अब केवल वनडे में खेल रहे हैं और अश्विन सभी फॉर्मेट से रिटायर हो चुके हैं।

अजीत अगरकर की कमेटी के एक सेलेक्टर की नौकरी खतरे में

मौजूदा चयन समिति में अजीत अगरकर के साथ एसएस दास, सुब्रतो बनर्जी, अजय रात्रा और एस शरथ शामिल हैं। हालांकि, सितंबर में होने वाली बीसीसीआई की वार्षिक आम सभा की बैठक में पैनल में बदलाव होने की संभावना है।

रिपोर्ट के अनुसार, शरथ, जिन्होंने जनवरी 2023 में जूनियर चयन समिति की अध्यक्षता की थी, उन्हें हटाए जाने की उम्मीद है क्योंकि वह चयन भूमिका में चार साल के करीब पहुंचते हैं, जो कि बीसीसीआई मानदंडों के तहत अनुमत अधिकतम अवधि है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, बोर्ड ने दास और बनर्जी के भविष्य पर अंतिम निर्णय लिए बिना एक नई आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी की है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि वे वर्तमान पैनल से आमतौर पर संतुष्ट हैं और बदलाव एक पद तक सीमित हो सकता है।

क्या होता है ब्रोंको टेस्ट ? जिसे टीम इंडिया के गेंदबाजों को 6 मिनट में करना होगा पास

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अब जिम से ज्यादा मैदान में दौड़ते हुए नजर आएंगे. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने ये फैसला तेज गेंदबाजों की फिटनेस को ध्यान में रखते हुए किया है. साथ ही इन खिलाड़ियों को ब्रोंको टेस्ट से गुजरना होगा. इस टेस्ट को पास करने के बाद ही तेज गेंदबाजों को टीम में जगह मिलेगी. इंग्लैंड दौरे पर तेज गेंदबाजों के ज्यादा चोटिल होने के बाद BCCI ने ये फैसला लिया है. ब्रोंको टेस्ट पास करने के लिए खिलाड़ियों को 6 मिनट के अंदर निर्धारित रेस पूरी करनी होगी.

क्या है ब्रोंको टेस्ट ?

बीसीसीआई ने तेज गेंदबाजों की फिटनेस को और ज्यादा बेहतर बनाने के लिए ब्रोंको टेस्ट शुरू किया है, ताकि वे जिम में समय बिताने के बजाय मैदान में

ज्यादा दौड़ सकें. रिपोर्ट्स के मुताबिक इंग्लैंड दौरे के बाद बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में ब्रोंको टेस्ट की शुरुआत की गई है. ब्रोंको टेस्ट में एक खिलाड़ी को 20 मीटर शटल दौड़ से शुरुआत करनी होगी. इसके बाद 40 मीटर और 60 मीटर की दौड़ होगी. इन सबको मिलाकर एक सेट बनाया जाएगा.

एक खिलाड़ी से बिना रुके ऐसे पांच सेट (कुल 1200 मीटर) की उम्मीद की जा रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय क्रिकेटरों को ब्रोंको टेस्ट 6 मिनट के अंदर में पूरा करने के लिए कहा गया है. इससे पहले 2 किलोमीटर के टाइम ट्रायल में तेज गेंदबाजों के लिए मानक 8 मिनट 15 सेकंड था, जबकि बल्लेबाजों, विकेटकीपर और स्पिनर्स के लिए ये 8 मिनट 30 सेकंड था. इंग्लैंड दौरे पर मोहम्मद सिराज को छोड़कर सभी तेज गेंदबाज अपनी फिटनेस को लेकर परेशान रहे.

गौतम गंभीर ने जताई सहमति

रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्रोंको टेस्ट का सुझाव स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच एड्रियन ले रॉक्स ने दिया था. हेड कोच गौतम गंभीर ने इस पर सहमति जताई थी. ले रॉक्स चाहते हैं कि तेज गेंदबाज जिम पर ज्यादा ध्यान देने के बजाय ज्यादा से ज्यादा दौड़ लगाएं, क्योंकि ज्यादातर खिलाड़ी दौड़ने के बजाय जिम में ज्यादा समय बिता रहे थे. इंग्लैंड दौरे पर तेज गेंदबाज आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा सहित कई गेंदबाजों को बॉलिंग करने में दिक्कत हो रही थी. इस दौरान जसप्रीत बुमराह केवल तीन टेस्ट मैच ही खेल पाए. केवल मोहम्मद सिराज ही पांचों टेस्ट मैच खेलने में सफल रहे थे. इसी को देखते हुए ब्रोंको टेस्ट की शुरुआत हुई है. ये टेस्ट पहले से मौजूद यो-यो टेस्ट के अतिरिक्त है. रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ खिलाड़ी बेंगलुरु स्थित सीओई में ब्रोंको टेस्ट दे चुके हैं.

एथलेटिक्स के बाद महिला मुक्केबाजों के लिए जेंडर टेस्ट अनिवार्य

बिना टेस्ट के कोई टूर्नामेंट नहीं खेल पाएंगी; पेरिस ओलिंपिक में विवाद हुआ था

लॉस एंजिलिस, 21 अगस्त (एजेंसियां)। ओलंपिक शैली की मुक्केबाजी की नियामक संस्था 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' अगले महीने होने वाली विश्व चैंपियनशिप में महिला वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाली सभी मुक्केबाजों के लिए लिंग परीक्षण अनिवार्य करेगी। 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' (विश्व मुक्केबाजी) ने पहले ही अपनी योजना की घोषणा कर दी है जिसके तहत प्रतियोगियों को जन्म के समय के लिंग का निर्धारण करने के लिए पॉलीमरेज चेन रिएक्शन टेस्ट या उसी तरह के आनुवंशिक स्क्रीनिंग टेस्ट से गुजरना होगा।

वर्ल्ड बॉक्सिंग ने की घोषणा

'वर्ल्ड बॉक्सिंग' ने घोषणा की कि ये नियम सितंबर की शुरुआत में इंग्लैंड के लिवरपूल में होने वाली विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप से पहले लागू किए जाएंगे। इन परीक्षण से जैविक लिंग के सूचक के रूप में वाई गुणसूत्र की उपस्थिति या अनुपस्थिति की पहचान की जाती है। 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' के अध्यक्ष बोरिस वान डेर वोर्स्ट ने कहा, 'विश्व मुक्केबाजी सभी खिलाड़ियों की गरिमा का सम्मान करती है और यह सुनिश्चित करने की कोशिश करती है कि यह यथासंभव समावेशी हो।'

क्यों अनिवार्य किया गया नियम?

उन्होंने कहा, 'फिर भी मुक्केबाजी जैसे खेल में, सुरक्षा और प्रतिस्पर्धात्मक निष्पक्षता सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है और इसलिए यह नियम बनाया गया है।' पेरिस ओलंपिक चैंपियन अल्जीरिया की इमान खेलीफ ने जून में नीदरलैंड में एक टूर्नामेंट में भाग लेने से इनकार कर दिया था। यह फैसला उस समय लिया गया जब शासी निकाय ने लिंग परीक्षण शुरू करने की अपनी योजना की घोषणा की थी।

क्या खेल पाएंगी खेलीफ-टिंग?

बाद में वान डेर वोर्स्ट ने विश्व मुक्केबाजी की भविष्य की परीक्षण योजनाओं का जिक्र करते हुए खेलीफ का नाम लेने के लिए माफी मांगी। खेलीफ ने पहले टूर्नामेंट में भाग लेने की योजना बनाई थी। खेलीफ और ताइवान की स्वर्ण पदक विजेता लिन यू-टिंग ने पेरिस ओलंपिक में उनके लिंग को लेकर गलत धारणा के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया था। 26 वर्षीय खेलीफ ने बार-बार कहा है कि वह एक महिला के रूप में पैदा हुई हैं और उन्होंने लगभग एक दशक तक महिला एमेच्योर मुक्केबाजी के सभी स्तरों पर प्रतिस्पर्धा की है।

'जिम्मेदारी राष्ट्रीय महासंघों की'

ओलंपिक खेलों में पहले गुणसूत्र परीक्षण आम था, लेकिन 1990 के दशक में इससे किनारा कर दिया गया था क्योंकि ठोस परिणाम पर नहीं पहुंचा जा रहा था। कई खेलों ने लिंग योग्यता निर्धारित करने के लिए हार्मोन परीक्षण का सहारा लिया, लेकिन इन परीक्षणों के लिए नियामक निकायों को उन खिलाड़ियों को लेकर कड़ा फैसला करना पड़ता है जिनमें टेस्टोस्टेरोन का स्तर अधिक पाया जाता है। 'वर्ल्ड बॉक्सिंग' ने इसके साथ ही कहा कि परीक्षण कराने और परिणाम प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी राष्ट्रीय महासंघों की है। इस साल की शुरुआत में विश्व एथलेटिक्स गुणसूत्र परीक्षण को फिर से शुरू करने वाला पहला ओलंपिक खेल बना था।

इरानी-वावसोरी फिर बने अमेरिकी ओपन मिश्रित युगल चैंपियन, फाइनल में स्वियातेक-रूड की जोड़ी को हराया

न्यूयॉर्क, 21 अगस्त (एजेंसियां)। सारा इरानी और एंड्रिया वावसोरी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए खेले गए एक कड़े फाइनल में जीत दर्ज करके अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपना मिश्रित युगल खिताब बरकरार रखा।

इटली की इस जोड़ी ने फाइनल में इगा स्वियातेक और कैस्पर रूड को 6-3, 5-7 (10-6) से हराया। इस तरह से उन्होंने दो दिनों में चार मैच जीतकर 10 लाख डॉलर की इनामी राशि हासिल की जो पिछले साल उन्हें मिली पुरस्कार राशि से कहीं अधिक है। इरानी और वावसोरी उन कई खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने पहले इस नए प्रारूप की आलोचना की थी लेकिन चैंपियन बनने के बाद उनके चेहरे पर मुस्कान थी और उन्होंने दर्शकों का भी आभार व्यक्त किया। वावसोरी ने कहा, 'मुझे लगता है कि इतने सारे दर्शकों के सामने इस कोर्ट में खेलना अद्भुत था और मैं इस माहौल के लिए तहे दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं।' इससे पहले स्वियातेक और रूड

की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने पहले सेमीफाइनल में टाईब्रेकर में शीर्ष वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला और जैक ड्रैपर को 3-5, 5-3, 10-8 से हराया।

इसके बाद दूसरे सेमीफाइनल में इरानी और वावसोरी ने डेनियल कोलिन्स और क्रिश्चियन हैरिसन को 4-2, 4-2 से पराजित किया। अमेरिकी ओपन में एकल मुकाबले 24 अगस्त से शुरू होंगे।

एशिया कप के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का एलान

हांगझोउ में टीम इंडिया का नेतृत्व करेंगी सलीमा टेटे

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे को चीन के हांगझोउ में पांच से 14 सितंबर तक होने वाले एशिया कप के लिए गुरुवार को 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान बरकरार रखा गया। यह टूर्नामेंट काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका विजेता 2026 एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के लिए क्वालिफाई करेगा। भारत को पूल बी में रखा गया है जहां उसका सामना जापान, थाईलैंड और सिंगापुर से होगा। टीम अपने अभियान की शुरुआत पांच सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगी और फिर छह सितंबर को जापान से भिड़ेगी।

भारत अपना अंतिम पूल मैच आठ सितंबर को सिंगापुर के खिलाफ खेलेगा। हॉकी इंडिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, 'हांगझोउ में होने वाले महिला एशिया कप के लिए हमने जो टीम चुनी है उसे लेकर हम उत्साहित हैं।' सलीमा पिछले साल कप्तान नियुक्त होने के बाद से टीम का अभिन्न अंग रही हैं।

हरेंद्र ने कहा, 'यह टीम कड़ी मेहनत से प्रशिक्षण ले रही है और हमने अनुभवी खिलाड़ियों तथा युवा प्रतिभाओं के बीच सही संतुलन बनाने की कोशिश की है।' उन्होंने कहा, 'हमारा ध्यान आक्रामक और अनुशासित हॉकी खेलने पर होगा और हमारा मानना है कि यह टीम एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ मजबूती से मुकाबला करने की क्षमता रखती है।'

टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण है जिसमें गोलकीपिंग की जिम्मेदारी बंसारी सोलंकी और बिचु देवी खारीबाम पर होगी। रक्षा पंक्ति में निक्की प्रधान और उदिता जैसी अनुभवी खिलाड़ी होंगी जिनका साथ युवा मनीषा चौहान, ज्योति, सुमन देवी थोडम और इशिका चौधरी देंगी। मिडफील्ड में नेहा, सलीमा, लालरेमसियामी, शर्मिला देवी, सुनेलिटा टोप्पो और वैष्णवी विट्ठल फाल्के जैसी मजबूत खिलाड़ी हैं। अग्रिम पंक्ति में अनुभवी और उभरते सितारों का मिश्रण है जिसमें नवनीत कौर, संगीता कुमारी, मुमताज खान, दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग और रुतजा दादासो पिसल शामिल हैं। हालांकि अनुभवी खिलाड़ी सविता और सुशीला चानू टीम का हिस्सा नहीं हैं। ये दोनों एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में खेली थी।

महिला एशिया कप के लिए भारतीय टीमः

गोलकीपरः बंसारी सोलंकी, बिचु देवी खारीबाम

डिफेंडरः मनीषा चौहान, उदिता, ज्योति, सुमन देवी थोडम, निक्की प्रधान, इशिका चौधरी

मिडफील्डरः नेहा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सलीमा टेटे, शर्मिला देवी, लालरेमसियामी, सुनेलिटा टोप्पो

फॉरवर्डः नवनीत कौर, रुतजा दादासो पिसल, ब्यूटी डुंगडुंग, मुमताज खान, दीपिका और संगीता कुमारी।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ चुनावों के लिए तैयार

महीनों की उथल-पुथल के बाद अब होगा फैसला

नई दिल्ली, 21 अगस्त (एजेंसियां)। प्रशासनिक मुद्दों और आंतरिक सत्ता संघर्ष के कारण महीनों से चली आ रही अनिश्चितता का अंत बृहस्पतिवार को भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के बहुप्रतीक्षित चुनावों के साथ होने वाला है। उम्मीद यही है कि आखिरकार रिंग के अंदर की गतिविधियां फिर से सुर्खियों में आ जाएंगी।

दो बार अध्यक्ष रहे अजय सिंह लगातार तीसरी बार अध्यक्ष बनने की कोशिश में हैं। स्पाइसजेट के प्रबंध निदेशक अजय सिंह पिछले पदाधिकारियों का कार्यकाल दो फरवरी को समाप्त होने के बाद भी भारतीय मुक्केबाजी में केंद्रीय व्यक्ति बने हुए हैं।

इस महीने की शुरुआत तक वह विश्व मुक्केबाजी द्वारा नियुक्त अंतरिम समिति के भी अध्यक्ष थे जो बीएफआई के दैनिक कामकाज का संचालन कर रही थी। इस व्यवस्था को नवगठित विश्व संस्था पर उनके प्रभाव का संकेत माना जा रहा है। इस दौरान पुरुष और महिला टीम के लिए नए कोच नियुक्त किए गए, संविधान में संशोधन किया गया और विवादास्पद चयन मूल्यांकन प्रक्रिया में भी बदलाव किया गया। राष्ट्रीय शिविर चयन के लिए एक संशोधित प्रणाली भी लागू है।

दिलचस्प बात यह है कि अजय सिंह की अध्यक्षता वाली अंतरिम समिति ने केरल राज्य इकाई के प्रमुख डी चंद्रलाल को महिला टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है जो मार्च में संभावित चुनावों के दौरान अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों में से एक थे। इस महीने की शुरुआत में अंतरिम समिति ने चुनावों से पहले पूर्व महासचिव हेमंत कलिता का निलंबन भी हटा दिया था। चंद्रलाल और कलिता दोनों ही चुनावों में मतदान करेंगे, लेकिन समिति की वैधता सवालों के घेरे में रही है। भारतीय ओलंपिक संघ के 'फेक्ट फाइंडिंग' आयोग ने राष्ट्रीय खेल संहिता 2011 के उल्लंघन के कारण इसे बर्खास्त करने की सिफारिश की थी।

इसके अतिरिक्त कई राज्य इकाइयों ने भी अंतरिम संस्था द्वारा पेश किए गए संवैधानिक संशोधनों के खिलाफ कानूनी कदम उठाया है। हालांकि दिल्ली उच्च न्यायालय ने चुनाव कराने की अनुमति दे दी है लेकिन उसने परिणामों को चल रहे मामले के अंतिम परिणाम के अधीन कर दिया है। अजय सिंह के एकमात्र प्रतिद्वंद्वी 1984 के ओलंपियन और सिक्किम राज्य इकाई के प्रमुख जसलाल प्रधान हैं जिन्हें हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और दिल्ली इकाइयों वाले प्रतिद्वंद्वी गुट का समर्थन मिलने की उम्मीद है। इस गुट ने अजय सिंह पर महासंघ को निरंकुश तरीके से चलाने का आरोप लगाया है और बीएफआई कार्यकारी समिति से परामर्श किए बिना विदेशी कोच की नियुक्ति जैसे फैसलों की ओर इशारा किया है। चुनाव मूल रूप से 28 मार्च के लिए निर्धारित थे लेकिन याचिकाओं, अपीलों और प्रति-अपीलों की बौछार के कारण स्थगित कर दिए गए थे। लगभग छह महीने बाद आखिरकार चुनाव होंगे।

भारतीय रेलवे पदोन्नत अधिकारी संघ की बैठक में कई मुद्दों पर हुई चर्चा

दमरे के महाप्रबंधक ने ईसीएम के प्रतिभागियों को संबोधित किया

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे पदोन्नत अधिकारी संघ (आईआरपीओएफ), नई दिल्ली की रेल कलारंग, सिकंदराबाद में की ईसीएम बैठक में जनता को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने में लगे पदोन्नत अधिकारियों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा की गई। आईआरपीओएफ के पदाधिकारियों ने कहा कि भारतीय रेलवे में अधिकारियों के लिए दो प्रकार की भर्ती प्रक्रियाएं हैं।

एक यूपीएससी के माध्यम से सीधी भर्ती के माध्यम से, जिन्हें ग्रुप-ए अधिकारी कहा जाता है। दूसरी विभागीय पदोन्नति परीक्षाओं के माध्यम से, जिन्हें ग्रुप-बी अधिकारी कहा जाता है। आईआरपीओएफ इन पदोन्नत अधिकारियों का प्रतिनिधित्व करता है, जिन्हें ग्रुप-बी अधिकारी कहा जाता है। इस ईसीएम बैठक में, पदोन्नत अधिकारियों के सामने आने वाली समस्याओं और संभावित समाधानों पर चर्चा की जाती है। ईसीएम बैठक के पूरा होने के बाद, दिल्ली स्थित रेलवे बोर्ड के शीर्ष स्तर के अधिकारियों के साथ संवाद किया जाता है। दो प्रमुख समस्याओं का सामना किया जा रहा है। एक तो 6 साल की सेवा के बाद सीनियर स्केल (एडहॉक) पदोन्नति नहीं दी जा रही है, बल्कि यह 31.12.2019 से पदोन्नत अधिकारियों से वापस ले लिया गया है, जबकि यह सीधे भर्ती वाले अधिकारियों के लिए जारी है। यह पदोन्नति 50 से अधिक वर्षों से जारी थी। लेकिन अचानक 2019 में ग्रुप 'ए' कैडर पुनर्गठन के दौरान, इसे पदोन्नत अधिकारियों से वापस ले लिया गया।

एक और बड़ी समस्या ग्रुप 'ए' में शामिल होने की है। प्रक्रिया के अनुसार, ग्रुप 'बी' अधिकारी यूपीएससी द्वारा डीपीसी के माध्यम से ग्रुप 'ए' में अपग्रेडेशन प्राप्त करते हैं। न्यूनतम पात्रता मानदंड ग्रुप बी में 3 साल की सेवा है। लेकिन विभिन्न विभागों के तहत पदों के तर्कहीन वितरण के कारण, ग्रुप 'बी' में चयनित अधिकारी के एक ही वर्ष के लिए स्थिर विभागों और स्वस्थ विभागों के बीच 10 साल का व्यापक अंतर हुआ। इससे विभागों में विसंगतियां पैदा हो गई हैं। इस समस्या के समाधान के लिए "एकमुश्त विशेष डीपीसी" बुलाना ही एकमात्र उपाय है। ग्रेड 'ए' की रिक्तियों को पहले ही ग्रेड 'बी' में बदल दिया गया है और ग्रेड 'बी' से ग्रेड 'ए' में नियुक्ति बढ़ाए बिना ही ग्रेड 'बी' में अतिरिक्त चयन किया जा रहा है। हालांकि रेलवे ने पिछले 10 वर्षों में अपने ट्रैक किलोमीटर और परिसंपत्तियों को दोगुना कर लिया है, लेकिन ग्रेड 'ए' में कुल नियुक्ति लगभग 50 प्रतिशत तक कम हो गई है। यह मुख्य मुद्दा है जिस पर रेलवे बोर्ड को काम करना है। आईआरपीओएफ लगातार रेलवे बोर्ड के शीर्ष स्तर पर दस्तक दे रहा है।

संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक/दक्षिण मध्य रेलवे और सत्य प्रकाश, अपर महाप्रबंधक ने सिकंदराबाद के "कलारंग" सभागार में ईसीएम के प्रतिभागियों को संबोधित किया। दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकांश प्रमुख विभागाध्यक्ष (पीएचओडी) भी बैठक में शामिल हुए। इस अवसर पर दीपक राज, अध्यक्ष/आईआरपीओएफ और डॉ. अमित जैन, महासचिव/आईआरपीओएफ ने विभिन्न मुद्दों पर उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने रेलवे बोर्ड में शीर्ष स्तर पर पूरी जानकारी के साथ इन मुद्दों को उठाने का आश्वासन दिया। अखिल भारतीय रेलवे के प्रतिभागियों ने भी अपने-अपने ज़ोन/उत्पादन इकाइयों में आ रही समस्याओं और शिकायतों को साझा किया।

मियापुर में एक ही परिवार के पांच सदस्य मृत पाए गए

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को सेरिलिंगमपल्ली नगरपालिका के मियापुर स्थित मक्ता इलाके में एक चौंकाने वाली घटना घटी, जहां एक ही परिवार के पांच सदस्य संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए। पुलिस के अनुसार, मृतक कर्नाटक के गुलबर्गा जिले के सेदम के रहने वाले थे और शहर में यानी मियापुर के मक्ता महाबूबपेट इलाके में रह रहे थे। मौत का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस की टीमें मौके पर पहुंच गईं और विस्तृत जांच शुरू कर दी है। मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया जा रहा है और पूछताछ के बाद आगे की जानकारी सामने आएगी। मृतकों की पहचान मजदूर लक्ष्मैया (60 वर्ष), उनकी पत्नी वेंकटम्मा (55 वर्ष), दामाद अनिल (32 वर्ष), बेटी कविता (24 वर्ष) और पोती अप्पू (2 वर्ष) के रूप में हुई है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस घटना के आसपास की परिस्थितियों की पुष्टि कर रही है।

यूरिया की कालाबाजारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी : रामचंदर राव

> प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने बीज और कीटनाशक की दुकान का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में यूरिया की कोई कमी नहीं होने का दावा करते हुए, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंदर राव ने आज किसानों से अपील की कि वे कालाबाजारी से यूरिया न खरीदें। उन्होंने चेतावनी दी कि यूरिया की जमाखोरी या अवैध बिक्री करने वालों के ख़िलाफ कड़ी क़ानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चेवेल्ला स्थित श्री बालाजी वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, राव ने कहा कि मोदी सरकार ने तेलंगाना को यूरिया की अतिरिक्त आपूर्ति सुनिश्चित की है, और इस प्रकार किसानों को उनकी कृषि जरूरतों के लिए पर्याप्त यूरिया उपलब्ध होगा। उन्होंने किसानों से कालाबाजारी की घटनाओं की सूचना आवश्यक कार्रवाई के लिए देने का आग्रह किया। किसानों को आश्वस्त करते हुए कि केंद्र उनके साथ पूरी तरह खड़ा है, भाजपा नेता ने कांग्रेस सरकार और उसके नेताओं पर कथित तौर पर 'झूठा प्रचार' करने और राज्य में यूरिया की कृत्रिम कमी के बारे में अनावश्यक भय पैदा करने का आरोप लगाया। इससे पहले, राव ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ चेवेल्ला में एक स्थानीय उर्वरक, बीज और कीटनाशक की दुकान का निरीक्षण किया और आपूर्ति की स्थिति का जायजा लिया और किसानों से उनकी चिंताओं पर बातचीत की। चेवेल्ला विधानसभा क्षेत्र में अपनी 24 घंटे की यात्रा के दौरान, राव का मोइनाबाद में भव्य स्वागत किया गया, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं ने जेसीबी की मदद से उन्हें विशाल माला पहनाकर स्वागत किया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा युवा मोर्चा के महासचिव कुंडे गणेश ने किया और कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया। राव रात नानचैर गांव में बिताएंगे और कल अलूर में एक महिला सम्मेलन और खानपुर गेट में एक युवा सम्मेलन में भाग लेंगे।

यातायात प्रबंधन को मज़बूत करने के लिए महत्वपूर्ण कदम : सी.वी. आनंद

> 50 ट्रैफ़िक पेट्रोलिंग बाइक और 100 ट्रैफ़िक मार्शल लॉन्च

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में यातायात प्रबंधन को मज़बूत करने के लिए महानिदेशक एवं पुलिस आयुक्त, हैदराबाद सी.वी. आनंद तथा हैदराबाद नगर सुरक्षा परिषद (एचसीएससी) के अध्यक्ष, ने आज 50 ट्रैफ़िक पेट्रोलिंग बाइक और 100 ट्रैफ़िक मार्शल लॉन्च किए।

इस लॉन्च कार्यक्रम में शेखर रेड्डी, महासचिव, एचसीएससी, श्री विक्रम सिंह मान, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, कानून एवं व्यवस्था एवं संयोजक, एचसीएससी, राजशेखर रेड्डी, संयुक्त सचिव-यातायात, एचसीएससी, डी. जोएल डेविस, संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। यह पहल एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर आधारित है, जहां पुलिस और नागरिक समाज हैदराबाद में बेहतर यातायात नियंत्रण और सुचारू वाहन प्रवाह के लिए सहयोग करते हैं। इस कार्यक्रम में बोलते हुए सी.वी. आनंद ने कहा कि हैदराबाद नगर सुरक्षा परिषद (एचसीएससी) ने शहर में यातायात प्रबंधन को मज़बूत करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसके तहत, हमने 50 नई ट्रैफ़िक पेट्रोलिंग बाइक और 100 ट्रैफ़िक मार्शल लॉन्च किए हैं।

ये बाइक और मार्शल ट्रैफ़िक को नियंत्रित करने और वाहनों की सुगमता व तेज़ी से आवाजाही सुनिश्चित करने में मदद करेंगे। प्रत्येक पेट्रोलिंग बाइक (बजाज एवेंजर 220 क्रूज़) ट्रैफ़िक प्रबंधन में सहायता के लिए उन्नत उपकरणों से सुसज्जित है। इनमें सार्वजनिक घोषणाओं के लिए कॉलर माइक्रोफ़ोन वाला एक पीए सिस्टम, बाहरी माइक्रोफ़ोन वाला एक यूएचएफ़ हैंडहेल्ड सेट, ट्रैफ़िक नियंत्रण के लिए एक एलईडी बैटन, उल्लंघनों को रिकॉर्ड करने और चालान जारी करने के लिए एक डैशबोर्ड कैमरा, रीयल-टाइम निगरानी के लिए जीपीएस ट्रैकिंग, आपात स्थिति के लिए एक प्राथमिक चिकित्सा किट, नो-पार्किंग प्रवर्तन के लिए एक व्हील क्लैंप कैरियर, एक ट्रैफ़िक उपकरण बॉक्स (रिफ्लेक्टिव जैकेट, रेन गियर, आदि), एक टैबलेट डिवाइस और साक्ष्य संग्रह के लिए एक बॉडी-वॉर्न कैमरा शामिल हैं। ये उपकरण ट्रैफ़िक नियंत्रण को और अधिक प्रभावी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार, हैदराबाद ट्रैफ़िक विभाग ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की भर्ती की है, जो उन्हें रोज़गार प्रदान करने के लिए सरकार का एक सराहनीय निर्णय है।

भविष्य में, जीएचएमसी सहित अन्य विभागों में भी उनके लिए अवसर सृजित किए जाएंगे। ट्रैफ़िक मार्शल संबंधित पुलिस स्टेशन के सीआई और एसआई की देखरेख में काम करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि यातायात प्रबंधन के लिए तीन क्रेन उपलब्ध कराई गई हैं। आयुक्त सी.वी. आनंद ने कहा कि ये अभिनव कार्यक्रम हैदराबाद के यातायात को बेहतर बनाने और शहर के निवासियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा, प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में यातायात पुलिस की सहायता के लिए 100 प्रशिक्षित ट्रैफ़िक मार्शल तैनात किए गए हैं।

सेवानिवृत्त आरटीसी कर्मचारियों ने बस भवन का घेराव किया, प्रबंध निदेशक को ज्ञापन सौंपा

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आरटीसी कर्मचारियों द्वारा अपनी पुरानी समस्याओं के समाधान के लिए गुरुवार को बस भवन का घेराव और शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन सफल रहा। सेवानिवृत्त कर्मचारी समिति के सदस्य चंद्र रेड्डी ने एक बयान में कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए सात सदस्यों वाली एक समिति का गठन किया गया है।

उन्होंने बताया कि समिति की ओर से गुरुवार को बस भवन का घेराव और शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन सफल रहा और राज्य भर के विभिन्न विभागों के लगभग 1500 सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। गुरुवार को चंद्र रेड्डी के नेतृत्व में समिति के सात सदस्यों ने प्रबंध निदेशक वी. सज्जनार से मुलाकात की और 14 मुद्दों पर एक ज्ञापन सौंपा। एमडी को 14 बिंदुओं वाला एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें मुख्य रूप से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आरपीएस 2017 के एरियर का तत्काल भुगतान, जुलाई 2025 तक टर्मिनल लीव इनकैशमेंट का भुगतान, स्नातक, सीसीएस, पीएफ, एसबीटी, एसआरबीएस बकाया का तत्काल भुगतान, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए पति और पत्नी दोनों के लिए सुपर लग्जरी बसों में मुफ्त यात्रा आदि शामिल थे। एमडी ने जवाब दिया और कहा कि मुद्दों को बहुत जल्द सुलझा लिया जाएगा और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को छुट्टी और नकदीकरण तुरंत जारी कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि 2017 आरपीएस एरियर, स्नातक और उनके देय बकाया बहुत जल्द जारी किए जाएंगे।

एमडी सज्जनार ने बताया कि शेष मुद्दों की भी जांच की जाएगी, और पी. लक्ष्मैया ने समिति के सदस्यों की ओर से एमडी वी. सज्जनार को उनकी सकारात्मक प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद दिया। लक्ष्मैया ने बताया कि एमडी वी. सज्जनार ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और कहा कि समस्याओं का जल्द ही समाधान किया जाएगा, खासकर लीव एनकैशमेंट एक-दो दिन में जारी कर दिया जाएगा, 2017 के आरपीएस एरियर और ग्रेजुएशन के पैसे जल्द ही जारी कर दिए जाएंगे, पति-पत्नी दोनों का तरनाका अस्पताल में प्री-मेडिकल चेकअप कराया जाएगा और सुपर लग्जरी बस यात्रा के बारे में सरकार से जल्द ही बात की जाएगी।

अवैध होटल ध्वस्तीकरण के बाद पार्क भूमि का जीर्णोद्धार

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के सड़क एवं भवन विभाग ने हैदराबाद राजस्व एवं अतिक्रमण विरोधी प्राधिकरण (हाइड्रा) के साथ मिलकर माधापुर के जुबली एन्क्लेव में स्थित लगभग 400 करोड़ मूल्य की सरकारी संपत्ति को सफलतापूर्वक पुनः प्राप्त किया। इस अभियान के दौरान, अधिकारियों ने लगभग 16,000 वर्ग गज मूल्यवान भूमि को मुक्त कराया, जिस पर अवैध रूप से व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए कब्जा किया गया था। इस स्थल पर बने एक अनधिकृत होटल को भी ध्वस्त कर दिया गया। इसके अतिरिक्त, अधिकारियों ने अतिक्रमण के कारण बाधित हुए पार्कों और पहुंच मार्गों जैसे सार्वजनिक क्षेत्रों का जीर्णोद्धार किया। अधिकारियों ने संकेत दिया कि यह पहल शहर के आईटी कॉरिडोर में सार्वजनिक संपत्तियों को अवैध अतिक्रमणों से बचाने के एक व्यापक प्रयास का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि भविष्य में अतिक्रमणों को रोकने के लिए निरंतर निगरानी की जाएगी।

गोदाम में आग लगने से कई वाहन जलकर खाक

कोत्तागुडेम, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राचलम के पुराने सब्जी बाजार क्षेत्र में गुरुवार को एक गोदाम में भीषण आग लग गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, तड़के आग लगने से पहले एक तेज़ धमाके की आवाज़ सुनाई दी। बताया जा रहा है कि एक ठेकेदार ने कमरे में ब्लीचिंग पाउडर की थैलियां और तेज़ाब की बोतलें रखी थीं। आशंका है कि कई दिनों से वेंटिलेशन न होने के कारण कमरे में विस्फोट हुआ।

सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी श्रीनिवास और उनकी टीम मौके पर पहुंची और आग को आसपास के इलाकों में फैलने से पहले ही काबू कर लिया। वरना आस-पास की दुकानों को बड़ा नुकसान हो सकता था। गोदाम के पास कुछ वाहनों में आग लग गई और वे जलकर खाक हो गए।

उपमुख्यमंत्री ने राजस्व की सुरक्षा पर जोर दिया

भट्टी ने जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने पर मंत्रीसमूह की बैठक में भाग लिया

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कर दरों को युक्तिसंगत बनाने और कम करने के प्रस्ताव का स्वागत किया है, लेकिन राज्य के राजस्व की सुरक्षा की आवश्यकता पर भी ज़ोर दिया है।

उन्होंने चेतावनी दी कि इस संतुलन के बिना, गरीब और मध्यम वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भट्टी विक्रमार्क ने गुरुवार को नई दिल्ली में जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने पर मंत्रिसमूह (जीओएम) की बैठक में भाग लिया। जीओएम का गठन जीएसटी परिषद् द्वारा जीएसटी कर स्लैब के युक्तिसंगत बनाने और कर दरों में बदलाव पर विचार करने और सिफारिशें करने के लिए किया गया है। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि जीएसटी लागू करते समय, राज्य 14 प्रतिशत की दर से विकास कर रहे थे और इसलिए उन्हें 14 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि का आश्वासन दिया गया था। यदि कोई नुकसान हुआ हो, तो उसकी भरपाई के लिए, 14 प्रतिशत की विकास दर को स्थिर करने हेतु 5 वर्षों की अवधि के लिए जीएसटी क्षतिपूर्ति की शुरूआत की गई थी।

हालांकि, 14 प्रतिशत की विकास दर स्थिर नहीं हुई है और वर्तमान में, राज्यों की वार्षिक वृद्धि दर लगभग 8 से 9 प्रतिशत ही है। इसके अलावा, भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि 14 प्रतिशत की आदर्श वृद्धि को छोड़कर, और 8 से 9 प्रतिशत की वर्तमान विकास दर को छोड़कर, ये प्रस्ताव अलग-अलग नकारात्मक राजस्व वृद्धि की ओर ले जा सकते हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु आदि जैसे दक्षिणी राज्यों को राष्ट्रीय राजस्व में उनके योगदान की तुलना में हस्तांतरण के रूप में बहुत कम हिस्सा मिल रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने जीएसटी सुधारों के एक भाग के रूप में प्रस्तावित दरों को युक्तिसंगत बनाने का समर्थन किया, लेकिन एक उचित क्षतिपूर्ति तंत्र के साथ। इसे प्राप्त करने के लिए, उन्होंने प्रस्ताव दिया कि या तो वर्तमान क्षतिपूर्ति उपकर जारी रखा जा सकता है और इस प्रकार एकत्रित राशि पूरी तरह से संबंधित राज्यों को दी जा सकती है।

अंबरपेट में मूसी नदी में मिला शव

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को अंबरपेट में डंप यार्ड के पास मूसी नदी में एक अज्ञात व्यक्ति का शव तैरता हुआ पाया गया। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या वह किसी और जगह से गलती से नदी में गिर गया और बहता हुआ वहां आ गया। उसके गले में केबल के तार होने के कारण उसकी मौत पर संदेह पैदा हो गया है।

स्थानीय निवासियों ने अम्बरपेट पुलिस को सूचित किया, जिन्होंने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। क्लूज़ टीम ने घटनास्थल की जांच की। पुलिस ने बताया कि वह एक निर्माण मज़दूर लग रहा है। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि वह दुर्घटनावश नदी में गिरकर मर गया या उसकी हत्या करके शव नदी में फेंक दिया गया। उन्होंने आगे बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह तेलंगाना सरकार के सलाहकार नियुक्त

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने भारतीय सेना के पूर्व इंजीनियर-इन-चीफ और सीमा सड़क संगठन के महानिदेशक, लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह (सेवानिवृत्त) को भारत में बुनियादी ढांचे और इंजीनियरिंग में उनके उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देते हुए अपना सलाहकार नियुक्त किया है। 40 से अधिक वर्षों की विशिष्ट सेवा के साथ, हरपाल सिंह को कई ऐतिहासिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को क्रियान्वित करने का गौरव प्राप्त है, जिनमें रोहतांग दर्रे के नीचे अटल सुरंग और अत्यंत चुनौतीपूर्ण हिमालयी भूविज्ञान में अन्य महत्वपूर्ण सुरंगें शामिल हैं। अमेरिका में उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त एक सिविल इंजीनियर के रूप में, उन्होंने प्रमुख सिविल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का मार्गदर्शन भी किया है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय सड़क महासंघ के अध्यक्ष, इंस्टीट्यूशन ऑफ सिविल इंजीनियर्स (भारत) के उपाध्यक्ष, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ब्रिज इंजीनियर्स के अध्यक्ष और निर्माण उद्योग विकास परिषद् के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। उन्होंने कई बड़ी सिविल और रक्षा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का मार्गदर्शन किया है और पेशेवर निकायों में नेतृत्वकारी भूमिकाओं के माध्यम से इस क्षेत्र में योगदान देना जारी रखा है। राज्य सिंचाई विभाग तेलंगाना में चल रही सिंचाई परियोजनाओं के निवारण और गति प्रदान करने के लिए उनकी विशेषज्ञता का उपयोग करेगा।

लंबे समय तक बारिश के बाद खिली धूप, अगले हफ्ते फिर से बारिश का मौसम

हैदराबाद, 21 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारी बारिश, बादलों से घिरे आसमान और ठंडी हवाओं के लंबे दौर के बाद आखिरकार हैदराबाद के लोगों को गुरुवार को धूप सेंकने का मौका मिला। हैदराबाद के बादल रहित आसमान पर सूरज चमक रहा है, फिर भी अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे, तथा रात का तापमान 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास आरामदायक रहेगा।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), हैदराबाद के अनुसार, वर्तमान शुष्क स्थिति इस सप्ताहांत तक बनी रहने की संभावना है। सोमवार, 26 अगस्त से, मौसम विभाग ने राज्य के सभी हिस्सों में दो दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। बीच-बीच में हल्की से मध्यम बारिश के कुछ दौर हो सकते हैं, लेकिन इसका असर बहुत कम होगा। आईएमडी-हैदराबाद के पूर्वानुमान में कहा गया है, आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। हल्की बारिश या गरज के साथ तेज़ हवाएं (30 से 40 किमी प्रति घंटे) चलने की संभावना है। पूरे राज्य के लिए, आईएमडी-हैदराबाद ने अपने पूर्वानुमान में संकेत दिया है कि बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की तेज़ हवाओं के साथ गरज के साथ बारिश होगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.